अम्बर ऑफसेट प्रा. लि.
केडलगंज, अलवर
अत्याधुनिक छपाई का विश्वसनीय स्थान
अत्याधुनिक तकनीक से प्लेट मेकिंग, ग्राइडिंग एवं नेगेटिव, पोजिटिव के लिए सम्पर्क करें-
फोन नं.- 2335105

सांध्य ज्योति दर्पण

www.dainiksandhyajyotidarpan.com

वर्ष 35 | अंक 214 | अलवर, गुरुवार, 7 अगस्त 2025 | जयपुर, अलवर, नागौर व भरतपुर से एक साथ प्रकाशित | पृष्ठ 8 | मूल्य : एक रु.

बहरोड़, भिवाड़ी, राजगढ़, तिजारा, कोटकासिम, थानागाजी, मालाखेड़ा, लक्ष्मणगढ़, किशनगढ़बास, कठूमर, खेड़ली, बानसूर, खैरथल, गुरुग्राम, धारूहेड़ा व रेवाड़ी से प्रसारित

अम्बर ऑफसेट प्रा. लि.
केडलगंज, अलवर
अत्याधुनिक छपाई का विश्वसनीय स्थान
अत्याधुनिक तकनीक से प्लेट मेकिंग, ग्राइडिंग एवं नेगेटिव, पोजिटिव के लिए सम्पर्क करें-
फोन नं.- 2335105

फ्लैट से 10 लाख के जेवरात और नकदी चोरी

अलवर, 7 अगस्त (निसं)। शहर के सदर थाना क्षेत्र के ओल्ड शालीमार आवासीय योजना से चोर 10 लाख के जेवर और ढाई लाख रुपए की नकदी ले गए। चोर डी-ब्लॉक के एक फ्लैट का ताला तोड़कर अंदर घुसे। अलमारी का ताला तोड़कर नकदी व जेवर ले गए। अब पुलिस सीसीटीवी खंगालने में लगी है।

फ्लैट मालिक संजय यादव ने बताया कि वे नौगांवा में क्रेसर चलाता है। पिछले सात दिनों से मामा के निधन पर डेहरा शाहपुरा में गए हुए थे। बुधवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे घर लौटे तो देखा कि घर के मेन गेट की कुंडी टूटी हुई थी। अंदर जाकर अलमारी चेक की तो सारा सामान गायब था।

चोरों ने पास के एक अन्य फ्लैट के ताले तोड़ने की कोशिश भी की थी। सदर थाना पुलिस मौके पहुंची। FSL टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने में लगी है।

हार्डकोर अपराधी को केंद्रीय कारागृह में किया दाखिल

बहरोड़, 7 अगस्त (निसं)। कोतवाली थाना अधिकारी विक्रांत शर्मा ने टीम के साथ हार्डकोर अपराधियों व हिस्ट्रीशीटर की गतिविधियों पर निगरानी एवं उनके विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही के तहत थाना बहरोड़ के हार्डकोर अपराधी अशोक उर्फ ठाकरिया को सजा के दौरान खुली जेल के स्थान पर केन्द्रीय काराग्रह जयपुर में दाखिल किया गया है।

गौरतलब है कि अशोक उर्फ ठाकरिया त्रिलोक हत्याकाण्ड में प्रकरण में खुली जेल जयपुर में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहा था। इस कस्बा बहरोड़ में अवैध गतिविधियों में संलिप्त होने की सूचना मिली थी। जिस पर पुलिस थाना बहरोड़ द्वारा सत्यापन कर कार्यवाही की गई।

दो युवकों के अपहरण का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

रामगढ़, 7 अगस्त (निसं)। पुलिस ने दो युवकों को पार्सल मंगवाने के नाम पर बंदी बनाकर फिरौती मांगने वाले मुख्य सरगना को गिरफ्तार किया है। आरोपी श्रवण कुमार उर्फ सन्नी झुंझुनूं जिले के गोठडा थाना क्षेत्र के चिराणा गांव का रहने वाला है।

19 जुलाई को घनश्याम सिंह पुत्र शिवलाल गुर्जर ने रामगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनके भाई विष्णु उसके दोस्त राहुल खान के साथ झुंझुनूं में कोई पार्सल देने गए थे। राहुल खान को झुंझुनूं पार्सल देने जाना था। उसके साथ उसका भाई भी चला गया। शाम को घनश्याम के मोबाइल पर मिस्ड कॉल आई।

जब उन्होंने वापस कॉल किया तो बदमाशों ने कहा कि उन्होंने विष्णु और राहुल का अपहरण कर लिया है। अपहरणकर्ताओं ने दोनों युवकों की सुरक्षा के लिए 2 लाख 20 हजार रुपए की फिरौती मांगी।

उन्होंने पापड़ी टोल टैक्स पर पैसे लेकर आने को कहा और धमकी दी कि अगर रात 12 बजे तक पैसे नहीं मिले तो विष्णु को जान से मार देंगे या नकली सोने की ईंट की तस्करी में फंसा देंगे।

रिपोर्ट मिलते ही थानाधिकारी बिजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम तुरंत कार्रवाई में जुट गई। पुलिस ने फिरौती लेने आए बदमाशों के साथियों को पकड़ लिया। साथ ही अपहरणकर्ताओं का पीछा करते हुए दोनों युवकों को सुरक्षित छुड़ा लिया।

हालांकि मुख्य आरोपी श्रवण कुमार फरार हो गया था। पुलिस ने विशेष टीम गठित कर झुंझुनूं में दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

जिला मुख्यालय पर पहली बार

जिला कलक्टर ने शहर के मास्टर ड्रेनेज प्लान का निरीक्षण किया

अलवर, 7 अगस्त (नसं)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने नगर विकास न्यास एवं नगर निगम की टीम के साथ शहर के विभिन्न स्थानों का दौरा कर अलवर के मास्टर ड्रेनेज प्लान का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को मास्टर ड्रेनेज प्लान के अनुसार कार्य करने के दिशा-निर्देश दिये।

जिला कलक्टर ने कहा कि मास्टर ड्रेनेज प्लान के तहत शहर के नालों का निर्माण होने से जनता कॉलोनी, टाइगर कॉलोनी आदि स्थानों में जल भराव की समस्या से आमजन को राहत मिलेगी। उन्होंने मास्टर ड्रेनेज प्लान के अंतर्गत पूर्व में बने हुए सभी नालों एवं प्रस्तावित समस्त नालों में शहर के तिजारा पुल से टेल्को सर्किल, मथुरा आरओबी के दोनों ओर बनने वाले नाले, काशीराम चौराहा से भगत सिंह चौराहे तक न्यास द्वारा बनाये जाने वाले नालों का निरीक्षण किया कर

यूआईटी एवं नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जल भराव की समस्या के निराकरण हेतु नालों का निर्माण कार्य मास्टर ड्रेनेज प्लान के अनुसार कराया जाना सुनिश्चित करें। साथ ही सुनिश्चित करें कि बारिश के दौरान नाला व नाली चौक नहीं होवे, इसके लिए समयबद्ध रूप में नियमित साफ-सफाई करावे।

उन्होंने नमन होटल, हनुमान सर्किल से मूंगस्का तक प्रस्तावित नालों का निरीक्षण कर निर्देशित किया कि आगामी वर्षाकाल से पूर्व समस्त नालों का निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप में पूर्ण करावे। उन्होंने निर्देश दिये कि गायत्री मंदिर रोड व ओसवाल विद्यालय की रोड पर नालों की कर्ल्वट पुन: बनाये जिससे जल भराव की समस्या से आमजन को राहत मिल सके। उन्होंने निर्देश दिये कि शहर के मुख्य मार्गों पर निर्मित पुलियाओं की सफाई सुपरसकर मशीन के माध्यम से करावे।

उन्होंने बुध विहार डी ब्लॉक पार्क का निरीक्षण कर यूआईटी के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि आमजन की सुविधाओं में विस्तार हेतु पार्क में विकास कार्यों के प्रस्ताव तैयार करें। उन्होंने निर्देश दिये कि पार्क में साफ-सफाई व पौधों के रखाव की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।

साथ ही मरम्मत आदि के कार्यों को प्राथमिकता में रखते हुए पूर्ण करावे। उन्होंने काली मोरी पुलिया के नीचे कराए प्रगतिरत सडक निर्माण कार्य का निरीक्षण कर निर्देश दिये कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए कार्य को समयबद्ध रूप में पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें।

इस दौरान नगर विकास न्यास के अधीक्षण अभियन्ता तैयब खान, अधिशासी अभियन्ता अशोक मदान, नगर निगम के सहायक अभियन्ता दिनेश मौजूद रहे।

दिनेश मित्तल पूर्वी क्षेत्र इकाई के अध्यक्ष मनोनीत

अलवर, 7 अगस्त (निसं)। श्री अग्रवाल महासभा अलवर की पूर्वी इकाई का चुनाव बुधवार को अंबेडकर नगर स्थित अग्रवाल बालिका छात्रावास में कराए गए।

अग्रवाल महासभा के पर्यवेक्षक के रूप में मंत्री विजय अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार गर्ग, उप मंत्री महेश कुमार गोयल की देखरेख में समाज बंधुओं की बैठक आयोजित हुई। जिसमें सर्वसम्मति से दिनेश मित्तल को पूर्वी क्षेत्र इकाई का अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

इस अवसर पर सभी अग्र बंधुओ ने नव निर्वाचित अध्यक्ष को मलाई पहनकर शुभकामनाएं प्रेषित की, इस अवसर पर शिव कुमार अग्रवाल पूर्व पार्षद, सुरेश अग्रवाल जलालपुर वाले, अशोक गोयल, अजय गोयल कनिष्ठ उपाध्यक्ष, पदमचंद अग्रवाल अनिल गर्ग, मनीष अग्रवाल, विजय अग्रवाल बुटोली, रिंकेश जिंदल ताराचंद अग्रवाल महावीर सिंघल, विकास अग्रवाल, जिला संस्थान के महामंत्री अनिल अग्रवाल मंत्री प्रमोद कुमार गुप्ता आदि बड़ी संख्या में अग्र बंधु उपस्थित थे। श्री अग्रवाल महासभा अलवर के अध्यक्ष अतुल किशोर गुप्ता ने बताया कि 7 अगस्त को दक्षिण इकाई क्षेत्र के चुनाव श्री अग्रवाल छात्रावास नया बास सर्किल अलवर पर आयोजित किए जाएंगे।

कोटकासिम प्रधान फिर एक बार निलंबित

भिवाड़ी, 7 अगस्त (निसं)। कोटकासिम पंचायत समिति की प्रधान डॉ. विनोद कुमारी सांगवान को राज्य सरकार ने एक बार फिर निलंबित कर दिया है। बुधवार सुबह राजस्थान हाईकोर्ट से मिले स्टे आदेश के बाद उन्होंने पदभार ग्रहण किया था। लेकिन दोपहर में ही सरकार ने नए आदेश जारी कर उन्हें पद से हटा दिया।

निलंबन के आदेश आते ही पूर्व में मनोनीत प्रधान संता देवी ने बिना औपचारिक आदेशों के ही पदभार संभाल लिया। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के अनुसार, डॉ. विनोद कुमारी पर नियमों की अवहेलना और अनुचित व्यवहार के आरोप हैं। विभाग की जांच रिपोर्ट और अदालत में प्रस्तुत तथ्यों के आधार पर यह निर्णय लिया गया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि जब तक इस प्रकरण में अंतिम निर्णय नहीं आता, तब तक डॉ. विनोद कुमारी प्रधान पद पर कोई कार्य नहीं करेंगी। वे पंचायत समिति की बैठकों में भी भाग नहीं ले सकेंगी।

काननूगो की मौत के बाद विरोध तेज

तहसीलदार को शरण दे रहे भूमाफिया, तहसील में तालाबंदी की चेतावनी

अलवर, 7 अगस्त (नसं)। जिले के मालाखेड़ा के कानूनगो पवन शर्मा की अचानक हार्ट अटैक से हुई मौत का जिम्मेदार तहसीलदार को बताते हुए बुधवार को कानूनगो, पटवारी सहित आमजन ने अलवर में विरोध प्रदर्शन किया। सरकार व प्रशासन को चेताया कि जिम्मेदार तहसीलदार के खिलाफ कार्यवाही नहीं की गई तो तहसील कार्यालय पर ताला ज? दिया जाएगा।

यहां आए लोगों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और बीजेपी से जुड़े भू-माफियाओं की तहसीलदार को शरण है।

तहसीलदार मेघा मीणा लगातार सरकारी कर्मचारियों पर अवैध कार्यों का दबाव बना रही थीं। इसी दबाव और मानसिक प्रताड़ना के चलते कानूनगो पवन शर्मा तनाव में आ गए और अंतत: उन्हें दिल का दौरा पड़ गया और उनकी मौत हो गई।

इस घटना से आक्रोशित होकर बुधवार को पटवारी व कानूनगो संगठनों ने भवानी तोप से रैली निकालते हुए मिनी सचिवालय तक प्रदर्शन किया। संगठनों ने साफ आरोप लगाया कि तहसीलदार को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। वह कांग्रेस-बीजेपी के भू-माफियाओं के साथ मिलकर काम कर रही हैं। प्रदेश महासचिव भूपत सिंह ने कहा कि तहसीलदार मेघा मीणा कांग्रेस और बीजेपी के नेताओं के साथ मिलकर भू-माफिया गतिविधियों को बढ़ावा दे रही हैं। ईमानदार कर्मचारियों पर गलत कार्यों के लिए दबाव बनाए गए।

पवन शर्मा इसी तनाव से जूझ रहे थे और यह मौत एक सोची-समझी सिस्टम की देन है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन तहसीलदार को तुरंत बर्खास्त नहीं करता तो मालाखेड़ा तहसील को तालाबंद कर दिया जाएगा और फिर राज्यव्यापी आंदोलन छेड़ा जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने एडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए सरकार से न्याय की मांग की है।

मालाखेड़ा तहसील के समस्त राजस्व रिकॉर्ड की जांच होगी

अलवर, 7 अगस्त (नसं)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने आमजन की शिकायतें प्राप्त होने के मद्देनजर मालाखेडा तहसील के 1 जनवरी 2024 से आदिनांक तक समस्त राजस्व रिकॉर्ड जिसमें नामांतकरण, धारा 90 ए, धारा 91, न्यायालय आदेश और उसकी पालना, राजकीय भूमि के विरूद्ध पारित निर्णयों के विरूद्ध अपील प्रस्तुत करने अथवा नामांतकरण दर्ज करने, जीएलएमसी कमेटी द्वारा पारित आदेशों की पालना करने आदि के संबंध में गहन निरीक्षण कराने के लिए कलक्ट्रेट अलवर के प्रभारी अधिकारी भू अभिलेख निरीक्षक की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय जांच टीम का गठन किया गया है।

गठित जांच टीम में कलक्ट्रेट अलवर के विधि अधिकारी चरण सिंह, भू अभिलेख निरीक्षक चमन प्रकाश शर्मा, भू अभिलेख निरीक्षक जितेन्द्र प्रसाद सैनी, भू अभिलेख निरीक्षक राजेश बटवाडा एवं अलवर तहसील के देसूला वृत के भू अभिलेख निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार इन्दोरिया शामिल हैं। गठित जांच टीम आगामी 15 दिवस में मालाखेडा तहसील के उक्त समस्त रिकॉर्ड का सघन निरीक्षण कर निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे।

सिंधी हरियाली तीजोत्सव

फोटो : विपिन सेतिया

सिंधी सखी विकास समिति द्वारा बुधवार को हरियाली तीज उत्सव (टिजरी) पारंपरिक उल्लास के साथ एक निजी होटल में मनाया गया। समिति की अध्यक्ष गीता साधवानी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं ने सिंधी संस्कृति की झलक प्रस्तुत करते हुए बढ़-चढ़कर भाग लिया। उत्सव में शामिल महिलाओं ने हरे और लाल रंग की पारंपरिक साड़ियां पहनकर, हाथों में मेहंदी और हरी चूड़ियों से श्रृंगारित होकर तीज माता के गीतों पर नृत्य किया। सावन की मस्ती के साथ झूले झूलते हुए लोकगीतों की गूंज ने माहौल को और भी उल्लासपूर्ण बना दिया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मनोरंजक गतिविधियां जैसे गेम्स, नृत्य और तीज क्वीन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। तीज क्वीन प्रतियोगिता में हिमांशी बोदवानी और चारु बोदवानी को विजेता घोषित किया गया। इस आयोजन में समिति की अध्यक्ष गीता साधवानी के साथ नैना रोघा, एकता, बरखा, कोमल, हिमांशी, जीया, सपना, सौम्या, भाविका और भारती ने विशेष योगदान दिया।

मालाखेड़ा सीएचसी के पुराने भवन में प्रसव सेवाएं बंद, गर्भवती महिलाएं अलवर रैफर

मालाखेड़ा, 7 अगस्त (नसं)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मालाखेड़ा के पुराने भवन में संचालित लेबर रूम और प्रसव कक्ष को असुरक्षित घोषित कर दिया गया है। निरीक्षण के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) योगेंद्र शर्मा ने यहां प्रसव सेवाएं बंद करने के निर्देश जारी किए।

पुराने भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए अब अस्पताल में डिलीवरी नहीं हो रही है। इसके चलते गर्भवती महिलाओं को अलवर रैफर किया जा रहा है। इससे अलवर अस्पताल पर अतिरिक्त भार बढ़ेगा और मरीजों के परिजनों को भी परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

खंड मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी लोकेश मीणा ने बताया कि लेबर रूम, जच्चा-बच्चा वार्ड और आउटडोर दवा वितरण कक्ष पुराने भवन में संचालित थे। भवन असुरक्षित होने के कारण मरीजों, परिजनों और स्टाफ की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इन्हें बंद किया गया है।

स्वास्थ्य केंद्र पर आने वाले श्याम गंगा, बरखेड़ा, चीमरावली, सारंगपुर, बिजवाड़ नरूका सहित आसपास के गांवों के लोगों ने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि स्थानीय स्तर पर प्रसव सुविधा फिर से शुरू करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाए, ताकि गर्भवती महिलाओं को लंबी दूरी तय न करनी पड़े।

सीटीएच के नए ड्राफ्ट को सुप्रीम कोर्ट ने लौटाया

अलवर, 7 अगस्त (नसं)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरिस्का के क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट के नए ड्राफ्ट को सुप्रीम कोर्ट द्वारा लौटाए जाने पर इस फैसले का स्वागत किया है।

उन्होंने कहा कि यह पारदर्शी नहीं यहां टाइगर को लाभ नहीं मिलेगा बल्कि एक सोची समझी साजिश के तहत कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से ऐसा किया जा रहा है। इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पुनर्निर्धारण का मजाक बनाकर रख दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चीफ सेक्रेटरी को मैं यही कोर्ट में बुला लूंगा। चीफ जस्टिस ने कहा कि अक्टूबर तक दोबारा पुनर्निर्धारण करके प्रस्ताव लाए नियमों को फॉलो करें, कहा कि नोटिफिकेशन से लेकर लोगों से आपत्ति जरूर मांगे। गौरतलब है कि सरिस्का मामले को नेता प्रतिपक्ष जूली ने अलवर से लेकर दिल्ली तक प्रमुखता से उठाया।

लग्जरी बस के नाम पर 29.84 लाख रुपए हड़पे

अलवर, 7 अगस्त (निसं)। शहर में मल्होत्रा बस सर्विस के मालिक विनीत मल्होत्रा को लग्जरी बस दिलाने के नाम पर दलाल ने 29.84 लाख की ठगी कर ली। दलाल ने गुजरात के एक व्यक्ति के साथ मिलकर ठगी की वारदात को अंजाम दिया।

मिली जानकारी के अनुसार दलाल ने 37 लाख की बस को 32 लाख रुपए में दिलाने का सौदा किया। गुजरात ले जाकर बस दिखाई। उसके बाद 29.84 लाख रुपए हड़प लिए और बस भी नहीं दी। बाद में फोन उठाना बंद कर दिया। अलवर पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया तो इस्तगासे से रिपोर्ट दर्ज कराई है। अब पुलिस मामले की जांच में लगी है।

आरोपी हरबंश लाल ने खुद को एक दलाल बताते हुए मल्होत्रा बस सर्विस के मालिक विनीत से मुलाकात की और उनको एसी लग्जरी बस की फोटो दिखाई और कहा कि केवल 32.85 लाख में दिला सकता है।

इसके बाद हरबंश लाल ने गुजरात निवासी बस मालिक विपिन भाई पटेल से संपर्क करवाया। विपिन भाई को पटेल बस सर्विस का मालिक बता भरोसे में लिया।

शक होने पर पहुंचा थाने : विश्वास में आए विनीत मल्होत्रा ने पहले 50,000 नकद, फिर 7 लाख रुपए UPI से और 10.64 लाख का बैंक ट्रांसफर सुंदरम फाइनेंस के नाम पर किया। उसके बाद 18 लाख नकद अलवर में आरोपी के व्यक्ति को दे दिए गए।

लेकिन इसके बावजूद बस की डिलीवरी नहीं की गई। रकम लेने के बाद टालमटोल करने लगे। कुछ दिन बाद में फोन उठाना बंद कर दिया। इसके बाद शक हुआ। तब जाकर पुलिस को रिपोर्ट दी। लेकिन पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया तो इस्तगासे से मुकदमा दर्ज कराया है।

अंग्रेजी में लिखा एग्रीमेंट दिया : विनीत मल्होत्रा ने कहा कि उसे अंग्रेजी में लिखा एग्रीमेंट दिया गया, लेकिन अब पता चला वह बस से संबंधित नहीं था। मैंने जब आरोपियों से संपर्क किया, तो उनके फोन बंद आने लगे। यह सुनियोजित साजिश थी। अब भारतीय न्याय संहिता (BNSS) की धाराएं 318(4), 316(2), और 61(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसआई कांता कुमारी को जांच अधिकारी नियुक्त किया है।

हरिपुरा स्कूल में अध्यापक की दिनचर्या गोबर उठाने से

मालाखेड़ा, 7 अगस्त (अवधेश सिंह)। ब्लॉक के प्राथमिक स्कूल हरिपुरा में शिक्षा व्यवस्था लापरवाही का शिकार है। यहां कार्यरत अध्यापक की सुबह की शुरुआत कक्षाओं में पढ़ाने से नहीं, बल्कि गोवंश का गोबर उठाने से होती है।

विद्यालय में चारदीवारी नहीं होने के कारण अवारा गोवंश और पालतू मवेशी परिसर और बरामदे में घूमते रहते हैं। स्कूल समय के बाद ये मवेशी परिसर में बैठकर गंदगी कर जाते हैं, जिसे सुबह अध्यापक को खुद ही साफ करना पड़ता है।

अध्यापक मानसिंह ने बताया कि यदि स्कूल में गंदगी या गोबर मिला तो अधिकारियों से नोटिस मिल जाता है, इसलिए साफ-सफाई करना उनकी मजबूरी बन गया है। विभागीय अधिकारियों को कई बार चारदीवारी निर्माण के लिए पत्र भेजा गया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

विद्यालय का भवन भी जर्जर स्थिति में

है। बरसात के दौरान छत से पानी टपकता है, जिससे बच्चों और स्टाफ के लिए दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। बच्चों के अभिभावकों ने भी चारदीवारी और भवन मरम्मत की मांग की, लेकिन पंचायत, जनप्रतिनिधि और शिक्षा विभाग सभी उदासीन बने हुए हैं।

जर्जर भवन से जान को खतरा

शिक्षा विभाग मालाखेड़ा ब्लॉक के अधिकारी भगवान सहाय शर्मा ने बताया कि चारदीवारी नहीं होने की जानकारी उन्हें नहीं थी। जैसे ही लिखित सूचना प्राप्त होगी, समग्र शिक्षा अभियान के तहत प्रस्ताव भेजा जाएगा। वहीं, कक्षाओं की छत से पानी टपकने की समस्या की सूचना पहले ही प्राप्त हो चुकी है।

बहरोड़ नगरपरिषद में परिसीमन के बाद भी असमंजस, अधिसूचना का इंतजार

बहरोड़, 7 अगस्त (निसं)। नगरपरिषद बहरोड़ में परिसीमन और पुनर्गठन की प्रक्रिया पूरी हो जाने के बावजूद स्थिति अब भी स्पष्ट नहीं है। राज्य सरकार द्वारा नगरपरिषद क्षेत्र में 12 ग्राम पंचायतों के 36 गांवों को शामिल किए जाने से क्षेत्र का भौगोलिक स्वरूप पूरी तरह बदल गया है।

फिलहाल नए परिसीमन की अंतिम रूपरेखा जारी नहीं हुई है, जिससे स्थानीय नागरिकों और प्रशासनिक अधिकारियों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है। नगरपरिषद आयुक्त नूर मोहम्मद ने बताया कि विभागीय स्तर पर परिसीमन और पुनर्गठन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

स्थानीय स्तर पर गांवों को वार्डों में शामिल करने की प्रक्रिया भी संपन्न हो चुकी है, लेकिन अंतिम निर्णय के लिए राज्य सरकार की अधिसूचना का इंतजार किया जा रहा है।

आयुक्त ने स्पष्ट किया कि जब तक सरकार की ओर से अंतिम अधिसूचना जारी नहीं होती, तब तक यह तय नहीं हो सकता कि कौन-सा गांव किस वार्ड में सम्मिलित होगा। अधिसूचना में देरी के कारण न तो नई योजनाएं बन पा रही हैं और न ही वार्डवार विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार हो पा रही है।

स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने सरकार से जल्द अधिसूचना जारी करने की मांग की है, ताकि नगरपरिषद का नया ढांचा स्पष्ट हो सके और विकास कार्यों को गति मिल सके।

उदयपुर जिले में 5420 बालक बालिकाओं की एक दिन में एनीमिया जांच कर दवाइयां वितरित की

पूरे राजस्थान में एक लाख से अधिक एनीमिया की जांच कर , दवाइयां वितरित

उदयपुर। भारत विकास परिषद उत्तर पश्चिम क्षेत्र द्वारा संपूर्ण राजस्थान में निशुल्क (खुन की कमी) एनीमिया जांच करवाने का प्रकल्प आज मंगलवार 5.8.25 को पूर्ण हुआ। मिडिया प्रभारी नरेश पूर्बिया ने बताया कि राजस्थान में एक लाख एनीमिया जांच का लक्ष्य था, परन्तु विभिन्न शाखाओ के पदाधिकारियों के अथक प्रयास से आज एक लाख से अधिक बच्चों के एनीमिया जांच की गई। राष्ट्रीय संयोजक (सेवा) डॉ जय राज आचार्य ने बताया कि इस महा अभियान में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग और शिक्षा विभाग का पूरा सहयोग मिलने से यह राष्ट्रीय कार्य पुरा हुआ । क्षैत्रीय संयोजक संजीव भारद्वाज ने विभिन्न शाखाओ से संपर्क कर कार्य को पूर्ण करवाने ने सहयोग किया। जिला समन्वयक संतोष जैन ने बताया कि आज प्रात: से ही उदयपुर जिले के विभिन्न स्कूलों में शिविर आयोजित कर बालक बालिकाओं को एनीमिया के बारे में जानकारी दी तथा जिले में कुल 5420 बालक बालिकाओं की एनीमिया जांच की गई।शहर समन्वयक राकेश नंदावत के अनुसार उदयपुर जिले के स्कूलों में एनिमीया जांच कर हीमोग्लोबिन कम पाए जाने पर दवाइयां वितरित की गई। भोजन में किन-किन चीजों को सम्मिलित किया जाए जिससे हीमोग्लोबिन बढ जाएं और शरीर में खून की कमी नहीं हो।

कृषि बढ़ती है, तभी देश आगे बढ़ता है -राज्यपाल बागड़े

जनसंख्या वृद्धि के साथ अन्नदाताओं ने बनाया खाद्यान्न में आत्मनिर्भर

उदयपुर। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि कृषि बढ़ती है, तभी देश आगे बढ़ता है। खाद्यान्न में आत्मनिर्भरता से विदेशी मुद्रा बचती है और कृषि आधारित उद्योग धंधे भी तेजी से पनते हैं। इसलिए कृषि क्षेत्र के विकास में आने वाली चुनौतियों का समाधान खोजते हुए तेजी से आगे बढ़ने की आवश्यकता है। राज्यपाल श्री बागड़े मंगलवार को महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से राजस्थान कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित प्रगतिशील किसान संवाद कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री बागड़े ने कहा कि आजादी के समय देश की आबादी 36 करोड़ थी। इनके लिए पर्याप्त अन्न नहीं था। विदेशों से खाद्यान्न मंगवाना पड़ता था। तब देश के अन्नदाताओं ने मेहनत कर लोगों का पेट भरा। वर्तमान में आबादी 147 करोड़ हो चुकी है। कृषि भूमि भी कम हुई है, लेकिन देश में कृषि क्षेत्र ने तेजी से विकास किया। अन्नदाताओं ने इन चुनौतियों को स्वीकार करते हुए उत्पादन बढ़ाया। इसी के परिणाम स्वरूप देश खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनने की राह पर है। आने वाले समय में चुनौतियां बढ़ेंगी। इसलिए कृषि क्षेत्र में नवीन शोध और उन्नत तकनीक पर निरंतर काम करने की आवश्यकता है। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के कुलगुरू डॉ अजीत कुमार कर्नाटक ने स्वागत उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों से अवगत कराया। रिसर्च डायरेक्टर डॉ अरविन्द वर्मा ने पीपीटी के माध्यम से प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

भारत के पुरातन ज्ञान को कम नहीं आंके

राज्यपाल श्री बागड़े ने कहा कि भारत की पुरातन ज्ञान संपदा अतुलनीय है। हर विषय पर यहां बहुत पहले ही शोध कार्य हो चुके हैं। उन्होंने कृषि क्षेत्र में चक्रपाणि मिश्र की पुस्तक विश्व वल्लभ का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने खेत, सिंचाई की तकनीकों पर सदियों पहले ही लिख दिया है।

शिक्षा वहीं जो हर चुनौती का सामना करना सिखाए

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का अर्थ सिर्फ अंक लाना नहीं है। शिक्षा का सीधा संबंध बौद्धिक क्षमता विकास से है। सच्ची शिक्षा वहीं है जो विद्यार्थी को हर चुनौती का सामना करने के योग्य और समाधान करने में सक्षम बनाए। श्री बागड़े ने स्वामी विवेकानंद, झांकी की रानी और वीरबाला कालीबाई का उदाहरण देते हुए कहा कि क्षमता, सामर्थ्य और भाव आयु के मोहताज नहीं होते। इन विभूतियों ने अल्प वय में जो भाव दिखाए वह वंदनीय हैं।

पेड़ लगाओ, पानी बचाओ

बागड़े ने कहा कि राजस्थान में गर्मी कम करनी है और बारिश बढ़ानी है तो पेड़ लगाने होंगे। उन्होंने पानी बचाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गांव का पानी गांव में रहेगा तो खेती स्वत: ही बढेगी।

महाराणा प्रताप को पुष्पाजंलि, प्रताप शोध पीठ प्रदर्शनी का अवलोकन

राज्यपाल श्री बागड़े ने राजस्थान कृषि महाविद्यालय परिसर में स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा को नमन किया। साथ ही तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय की ओर से संचालित महाराणा प्रताप शोध पीठ की गतिविधियों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। साथ ही महाविद्यालय के संस्थापक ए राठौड़ की प्रतिमा पर भी पुष्पाजंलि अर्पित की।

कॉफी टेबल बुक का विमोचन

कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल श्री बागड़े ने विश्वविद्यालय की ओर से मोटे अनाज की नवीनतम किस्मों सहित अन्य उपयोग जानकारियों को लेकर प्रकाशित की गई कॉफी टेबल बुक दी मिलेट्स स्टोरी का भी विमोचन किया।

अधिकारियों ने किया राज्यपाल का स्वागत

इससे पूर्व राज्यपाल श्री बागड़े मंगलवार सुबह 7.20 बजे विमान से डबोक एयरपोर्ट पहुंचे। वहां अधिकारियों ने उनकी अगवानी की। जवानों ने गार्ड आफ ऑनर दिया। इसके पश्चात् राज्यपाल सड़क मार्ग से सर्किट हाउस उदयपुर पहुंचे। यहां पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव एवं जिला कलक्टर नमित मेहता ने उनका स्वागत किया। कुछ देर प्रवास के बाद राज्यपाल राजसमंद जिले के पिपलांत्री गांव पहुंचे। वहां आयोजित पर्यावरण उत्सव 2025 में भाग लेकर दोपहर करीब 1.35 बजे पुन: सर्किट हाउस उदयपुर आए। कृषि महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के बाद श्री बागड़े डबोक एयरपोर्ट पहुंचे तथा वहां से जयपुर के लिए प्रस्थान किया।

'हरियाली में खुशियों की बौछार': अतिवीर का सावन उत्सव

खेल, गीत, पौधारोपण और संस्कृति के संग सावन उत्सव बना प्रेरणा और मनोरंजन का संगम

कोटा। सावन के हरित उल्लास को आत्मसात करते हुए दिगंबर जैन सोशल ग्रुप %अतिवीर% द्वारा हरियाली रिसॉर्ट में एक भव्य सावन उत्सव का आयोजन किया गया। यह आयोजन न केवल मनोरंजन और परंपरा का संगम बना, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी देता नज़र आया। कार्यक्रम के प्रोजेक्ट डायरेक्टर शिल्पा-महेश सोगानी एवं कोमल-अविनाश सोगानी के नेतृत्व में कपल गेम्स, किड्स एक्टिविटी, पारंपरिक व आधुनिक खेलों के साथ-साथ संस्कृति व जानकारी से जुड़ी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

70 दंपती सदस्यों ने बढ़ाई आयोजन की शोभा

अध्यक्ष निकुंज-वर्षा जैन ने बताया कि अतिवीर एक विशेष संस्था है, जिसमें केवल दंपती सदस्य हैं। संस्था के 70 जोड़े इस आयोजन में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि सावन का यह आयोजन सिर्फ मौसम नहीं, बल्कि एक भावनात्मक व सांस्कृतिक जुड़ाव है, जिसे हर साल नई ऊर्जा और उत्साह से मनाया जाता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय अतिरिक्त महासचिव (फेडरेशन) जे.के. जैन, संस्थापक अध्यक्ष महावीर जैन, पूर्व अध्यक्ष राजकुमार लुहाड़िया सहित अनेक गणमान्य सदस्य भी उपस्थित रहे।

पौधारोपण से जुड़ा पर्यावरण संरक्षण का संदेश

कार्यक्रम की सचिव मेघना शुभम लुहाड़िया ने बताया कि इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण को समर्पित पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। राष्ट्रीय अतिरिक्त महासचिव (फेडरेशन) जे.के. जैन ने आव्हान करते हुए कहा कि सभी को जीवन में कम से कम 02 पौधे लगाने का संकल्प दिलाया और कहा कि हर सावन केवल गीतों और झूलों का पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति से जुड़ने और उसे संवारने का अवसर भी है। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष बीना कमल गोधा, कार्याध्यक्ष मेघा सुदर्शन बाकलीवाल सहित संस्था के अनेक सक्रिय सदस्यों की उपस्थिति और सहभागिता रही।

बाबा श्याम का किया मनमोहक श्रृंगार , उमड़ी अपार भीड़

खाटूश्यामजी। कस्बे के प्रसिद्ध बाबा श्याम के दो दिवसीय मासिक मेले में देश के कोने-कोने से आए श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम के दरबार में हाजिरी लगाई। सावन मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी व द्वादशी के अवसर पर बाबा श्याम का दो दिवसीय मासिक मेला मंगलवार से शुरू हुआ। रींगस से खाटू के मध्य पदयात्रा करते हुए भक्तजन बाबा श्याम के जयकारों की गूंज के साथ अपने आराध्य का दर्शन करने आएं। श्री श्याम मंदिर कमेटी द्वारा की गई व्यवस्थाओं में कतारबद्ध होकर भक्त बाबा श्याम के दर्शन करते नजर आए। कतारों में लगे श्याम दीवाने हारे के सहारे की जय, खाटू नरेश की जय, शीश के दानी के जैसे जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते रहे। श्याम भक्त हाथों में रंग बिरंगे निशान लेकर अपने परिवार की खुशहाली की मंगलकामना को लेकर बाबा श्याम के दर्शन किए। श्याम बाबा के भक्त उमस भरी गर्मी में भी एकादशी पर बाबा के दरबार में मत्था टेकने की ललक लिए आगे बढ़ते रहे और बाबा श्याम की एक झलक पाने को आतुर दिखाई दिए। बाबा श्याम के दो दिवसीय मासिक मेले के अवसर पर श्री श्याम मंदिर कमेटी व पुलिस प्रशासन ने व्यवस्था को लेकर पुख्ता इंतजाम किए।

भव्य सजा बाबा श्याम का दरबार: सावन मास की एकादशी के अवसर पर बाबा श्याम का दरबार मनमोहक रूप से सजाया गया।बाबा श्याम का हरियाली से अलौकिक श्रृंगार किया गया। जिसे देखकर भक्तजन आनन्दित नजर आए। इसके साथ ही बाबा श्याम के मंदिर परिसर को भी शानदार सजाया गया।देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले भक्तों को बाबा श्याम की मनमोहक छबि और दरबार की दिव्यता और भव्यता मंत्रमुग्ध कर रही थी।

स्कूली बच्चों व नगरवासियों के लिए व्यवस्थाएं बनी परेशानी का सबब: बाबा श्याम के दरबार में होने वाली भीड़ के चलते प्रशासनिक व्यवस्था अब नगरवासियों के लिए परेशानी का सबब बनती जा रही है। कस्बे में व्यवस्था के नाम पर जगह-जगह गेट लगा दिए गए हैं। एकादशी शनिवार को यह गेट बंद कर दिए गये।जिसके चलते स्कूली बच्चों को स्कूल-घर जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। इन गेट पर व्यवस्था में लगे पुलिसकर्मियों ने बच्चों को स्कूल से घर आने-जाने नहीं दिया गया। जबकि यह बच्चे स्कूली ड्रेस में रहते हैं। व्यवस्थाओं में लगे सुरक्षाकर्मी, पुलिसकर्मी इतनी सख्ती कर रहे हैं कि स्कूली बच्चों को घर पर भी नहीं जाने दिया जाता है। इसके साथ ही स्थानीय निवासियों को भी एकादशी शनिवार को इन गेट में कैद करके रख दिया जाता है। प्रशासनिक बैठको में अधिकारी हर बार यह कहते नजर आते हैं कि स्थानीय निवासियों को आधार कार्ड से आने जाने दिया जाएगा लेकिन धरातल पर स्थानीय निवासियों की कोई नहीं सुनता है।

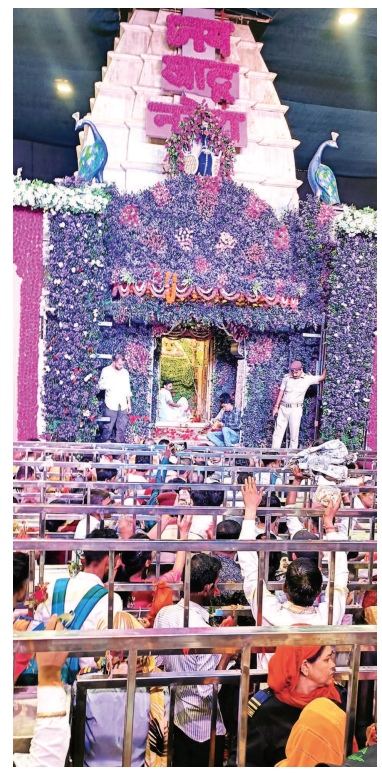

प्रशासनिक अधिकारियों को कौन समझाए कि स्कूल में जाने वाले बच्चे दर्शन व्यवस्थाओं में कैसे व्यवधान पैदा करेंगे।

इसके बाबजूद इन बच्चों को स्कूल-घर आने जाने नहीं दिया जा रहा है।

रेलवे अस्पताल में डॉ. अमिता बिरला की अध्यक्षता में रक्तदान शिविर आयोजित

कोटा। पश्चिम मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन कोटा मंडल के तत्वाधान में दिनांक 05 अगस्त को मंडल रेल चिकित्सालय कोटा में रक्तदान शिविर एवं सेरेबल पाल्सी तथा न्यूरोडिसएबिलीटी फिजियोथेरेपी शिविर का आयोजन डॉ. अमिता बिरला जी की अध्यक्षता में किया गया। जिसके अंतर्गत 101 यूनिट रक्तदान हुआ एवं इस अवसर पर डॉ अमिता बिरला ने कहा कि रक्तदान महादान है क्यों कि बाकी अंगदान करने का अवसर तो जीवन में शायद एक बार आ सकता है लेकिन रक्तदान जीवन में हम हर तीन महीने में एकबार कर सकते है। अत: हमें हमेशा रक्तदान करते रहना चाहिए। सेरेबल पाल्सी तथा न्यूरोडिसएबिलीटी फिजियोथेरेपी शिविर का आयोजन करने हेतु उन्होंने अध्यक्ष महिला कल्याण संगठन कोटा मंडल अंशु कालरा एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ सुपर्णा सेन रॉय को बहुत-बहुत साधुवाद दिया। इसी क्रम में श्रीमती अंशु कालरा ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सबका धन्यवाद दिया एवं रामदुलारी जिंदल मेमोरियल एवं हेल्थ केयर सोसाइटी कोटा को संपूर्ण सहयोग के लिए एवं मजदूर संघ के कार्यकर्ताओं ने जो रक्तदान में सहयोग किया उसके लिए सचिव अब्दुल खलीक का भी धन्यवाद प्रेषित किया।

रक्षाबंधन की सौगात: महिलाओं को दो दिन नि:शुल्क यात्रा का तोहफा

जयपुर। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर प्रदेश की महिलाओं को एक विशेष और ऐतिहासिक तोहफा दिया गया है। जयपुर में मंगलवार को आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि महिलाएं इस बार दो दिन तक राजस्थान रोडवेज की बसों में नि:शुल्क यात्रा कर सकेंगी। यह सुविधा 9 अगस्त (रक्षाबंधन) एवं 10 अगस्त को राज्य की सीमाओं के भीतर संचालित राजस्थान रोडवेज की सभी बसों में लागू रहेगी। उन्होने कहा कि रक्षाबंधन हमारी पारिवारिक परंपराओं, भाई-बहन के स्नेह और सामाजिक एकता का प्रतीक है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी को लेकर बैठक का आयोजन

श्रीमाधोपुर। मंगलवार को उपखंडस्तर पर स्वतंत्रता दिवस मनाए जाने के संबंध में आवश्यक व्यवस्थाओं के बाबत एसडीएम अनिल कुमार की अध्यक्षता में मीटिंग का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में बैठक व्यवस्था, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कानून व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था आदि विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए कमेटियों का गठन कर निर्धारित समयावधि में कार्य करने के निर्देश प्रदान किए गए। स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास मनाए जाने व अपने अपने घरों पर रोशनी करने के लिए आमजन से अपील की गई। स्वतंत्रता दिवस पर सम्मान के लिए आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 12 अगस्त शाम 5 बजे तक है। आवेदन कार्यालय मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्रीमाधोपुर व उपखंड कार्यालय में निर्धारित समयावधि में जमा करवाए जा सकते हैं। बैठक में तहसीलदार श्रीमाधोपुर, विकास अधिकारी श्रीमाधोपुर -अजीतगढ़, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका श्रीमाधोपुर-अजीतगढ़ सहित सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कोटा में 'हिलोर' – लहरिया के रंगों संग आज़ादी का जश्न

जिला कलेक्टर ने किया पोस्टर विमोचन

कोटा। लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233श्व2 की ओर से स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 14 अगस्त को लहरिया कार्यक्रम 'हिलोर' का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम आज़ादी के रंग लहरिया के संग है, जिसमें देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, प्रतियोगिताएं और रचनात्मक गतिविधियां होंगी। लायंस क्लब कोटा टेक्नो की अध्यक्ष डॉ क्षिप्रा गुप्ता ने बताया कि मंगलवार को जिला कलेक्टर पीयूष सामरिया ने 'हिलोर' के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर शी शक्ति की डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन लायन एम जे एफ रजनी गुप्ता, सलाहकार पूर्णिमा खण्डेलवाल, एरिया कॉर्डिनेटर रेणु गुप्ता, सुधा शर्मा, संध्या गुप्ता और सुषमा आहूजा मौजूद रहीं।

चेयरपर्सन रजनी गुप्ता ने बताया कि यह आयोजन लहरिया की सांस्कृतिक पहचान को सहेजते हुए स्वतंत्रता दिवस को नए रंगों में मनाने का प्रयास है। कार्यक्रम में प्रवेश केवल एंट्री कूपन के माध्यम से होगा और तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

आज का राशिफल

गुरुवार 7 अगस्त, 2025

- **मेष :** आज का दिन आपके लिए खास रहेगा। दांपत्य जीवन में खुशहाली आएगी और आप राजनीति की ओर कदम बढ़ा सकते हैं। आप अपने बिजनेस में कुछ नए लोगों को शामिल करेंगे। आपकी वाणी की सौम्यता आपको मान-सम्मान दिलवाएगी। आपकी अच्छी सोच से आपके काफी काम बनेंगे।
- **वृष :** आज का दिन आपके लिए आलस्य को त्याग कर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपको किसी काम में उसके नीति व नियमों पर पूरा ध्यान देना होगा। आपको थोड़ा धैर्य रखकर कामों को करना बेहतर रहेगा। लेनदेन से संबंधित मामलों में आप थोड़ा सा धैर्य बनाए रखें।
- **मिथुन :** आज का दिन आपके लिए कला व कौशल में सुधार लेकर आएगा। घर में सुख-समृद्धि बढ़ेगी। भावनात्मक मामले बेहतर रहेंगे। आप अपनी बुद्धि का प्रयोग करके हर बड़ी मुश्किल से आसानी से निकल सकते हैं।
- **कर्क :** आज आपके मन में परस्पर सहयोग की भावना बनी रहेगी। आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह न बोलें। आप अपने रहन-सहन के स्तर में सुधार लेकर आएंगे। आप अपने खर्चों को करने में सोच विचार नहीं करेंगे, जिससे आने वाले समय में आपको धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है।
- **सिंह :** आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आप भाईचारे को बढ़ावा देंगे। आपको किसी पैत्रक संपत्ति की प्राप्ति हो सकती हैं। आप कुछ अनजान लोगों से मेलजोल बढ़ाएंगे। आप अपने आलस्य के कारण कामों को कल पर टालने की कोशिश करेंगे।
- **कन्या :** आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। परिवार में चल रही समस्या दूर होंगी और सभी सदस्य व्यस्त रहेंगे। विद्यार्थियों के लिए समय खास रहेगा। आप पढ़ाई लिखाई पर पूरा फोकस बनाने की कोशिश करेंगे, जिससे आपको एक अच्छा मुकाम हासिल होगा।
- **तुला :** आज का दिन आपके लिए कुछ नए संपर्कों से लाभ लेकर आएगा। आपकी कुछ महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपनी खुशियां परिवार के सदस्यों से साझा करेंगे। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी हो सकती हैं। नौकरी में कार्यरत लोगों को नया काम ना मिलने से थोड़ी टेंशन बनी रहेगी।
- **वृश्चिक :** आज का दिन आपके लिए धन संबंधी मामलों में अच्छा रहने वाला है। आप किसी काम को लेकर जल्दबाजी न दिखाएं। आपका कोई नुकसान हो सकता है और आप अपनी जिम्मेदारियों को लेकर लापरवाही न करें। किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा।
- **धनु :** आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आपकी कला व कौशल में सुधार आएगा। आपके बॉस भी आपके काम से काफी खुश रहेंगे।
- **मकर :** आज का दिन आपके लिए किसी बड़े लक्ष्य को बनाए रखने के लिए रहेगा। आप अपने करियर को लेकर कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं। आपको किसी काम में उसके नीति व नियमों पर पूरा ध्यान देना होगा। आपको बेवजह के कामों मे पड़ने से नुकसान हो सकता है।
- **कुंभ :** आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपको मन मुताबिक लाभ मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपके प्रभाव व प्रताप में वृद्धि होगी। आपके किसी छोटी दूरी की यात्रा पर जाने की संभावना है।
- **मीन :** आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपके ऊपर काम का बोझ अधिक रहेगा। आपको जल्दबाजी में कोई निर्णय लेना नुकसान दे सकता है। आपको अपनी सोच व समझदारी से ही कामों को करना होगा और आप अपनी वाणी पर संयम रखे, नहीं तो बेवजह के लड़ाई झगड़े खड़े हो सकते हैं।

कोटा के जैन मंदिर में चल रहा चातुर्मास बना आध्यात्मिक साधना का केंद्र

गणिनी आर्यिका विभाश्री माताजी के प्रवचनों में धर्मदृष्टि और आत्मज्ञान की प्रेरणा

नश्वर संसार में जो आत्मकल्याण का मार्ग खोज ले वहीं सम्यक दृष्टि – विभाश्री माता जी

कोटा, 7 अगस्त। विज्ञान नगर स्थित दिगंबर जैन मंदिर इन दिनों अध्यात्म, साधना और आत्मचिंतन का जीवंत केंद्र बना हुआ है। परम पूज्य आचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज, आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज की पावन सन्निधि एवं गणिनी आर्यिका श्री 105 विभाश्री माताजी और आर्यिका श्री 105 विनयश्री माताजी (संघ सहित) के निर्देशन में 13 पिच्छियों का भव्य चातुर्मास आयोजन आध्यात्मिक वातावरण में विधिपूर्वक संचालित हो रहा है।

प्रवचन के क्रम में गणिनी आर्यिका श्री 105 विभाश्री माताजी ने ब्रह्मांडीय व्यवस्था और धर्मदृष्टि पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 'ज्योतिषीय देवता ब्रह्मांड के सभी लोकों में निरंतर गति करते रहते हैं। यही गति दिन-रात्रि, ऋतु परिवर्तन तथा अन्य प्राकृतिक घटनाओं का आधार है। इन देवताओं की सक्रियता सृष्टि के संचालन का मूल कारण है। गुरुमाता जी ने आगे सम्यक दृष्टि की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि सम्यक दृष्टि वह अवस्था है, जब जीव आत्मज्ञान को प्राप्त कर लेता है और संसार, शरीर एवं इंद्रिय सुखों से विरक्त हो जाता है।'

उन्होंने स्पष्ट किया कि सम्यक दृष्टि वाला जीव संसार में रहते हुए भी आत्मकल्याण का मार्ग खोज लेता है। जबकि मोह, माया और इच्छाओं में उलझा व्यक्ति जन्म-मरण के चक्र में फँसा रहता है।गुरुमाता जी ने श्रद्धालुओं को संदेश दिया कि 'भगवान से मनोकामनाएँ नहीं माँगनी चाहिए, बल्कि स्वयं भगवान बनने का प्रयास करना चाहिए। यही सच्चा धर्म है।'

उन्होंने श्रोताओं से आह्वान किया कि वे आत्मचिंतन करें, सम्यक दृष्टि को अपनाएँ और जीवन के लक्ष्य को केवल भौतिक सुख नहीं, बल्कि आत्मकल्याण बनाएँ।

कार्यक्रम का संचालन पी.के. हरसोरा ने कुशलता से किया। इस अवसर पर पदम बडला, धर्मचंद पटवारी, मूलचंद धनोपिया, राजेश सेठिया, अनिल ठौरा, विनोद टोरडी, जे.के. जैन, पदम पटवारी, प्रद्युम्न पाटनी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महाराणा मेवाड़ विद्या मंदिर में स्काउट एवं गाइड का दीक्षा संस्कार कार्यक्रम

उदयपुर, 7 अगस्त। महाराणा मेवाड़ विद्या मंदिर, अम्बामाता, उदयपुर में कब, बुलबुल, स्काउट एवं गाइड के छात्र-छात्राओं का दीक्षा संस्कार कार्यक्रम गरिमामयी रूप से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय के प्राचार्य योगेन्द्र कटारे द्वारा ध्वजारोहण कर किया गया। इसके पश्चात् कब मास्टर एवं ब्लॉक लीडर द्वारा कब-बुलबुल की दीक्षा तथा स्काउट मास्टर एवं गाइड लीडर द्वारा स्काउट-गाइड की दीक्षा विधि पूर्ण की गई। विद्यालय के प्राचार्य ने दीक्षा संस्कार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को अनुशासन, सेवा व समर्पण की भावना से कार्य करने के लिए प्रेरित किया और नव निर्वाचित कब, बुलबुल, स्काउट एवं गाइड को स्कार्फ़ पहनाया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

251जोड़ें द्वारा रुद्राभिषेक कर होगा सावन मास के शिव संकीर्तनो का समापन: राखी गौतम

कोटा, 7 अगस्त। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष राखी गौतम ने सावन माह में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी कोटा शहर के विभिन्न शिवालयों में विश्व कल्याण एवं समाज की सुख-समृद्धि,सम्पन्नता हेतु 11 शिव संकीर्तनो के आयोजन किया गया। इसी श्रंखला में गौतम द्वारा शिव संकिर्तन समापन के उपलक्ष में 21 पंडितों द्वारा जोड़ों द्वारा रुद्राभिषेक करने का आयोजन रखा गया है। गौतम ने कार्यक्रम के सन्दर्भ में बताया की इस वर्ष शिव संकीर्तन के समापन में प्रदेश की सुख-समृद्धि व खुशहाली हेतु दिनांक 8 अगस्त 2025 को प्रात 08.00 बजे आरकेपुरम ई स्थित चिंताहरण हनुमान मंदिर में 251 जोड़ों द्वारा निशुल्क रुद्राभिषेक करवाया जाएगा।

स्थापना की स्वर्ण जयंती तक हर गांव में प्रभावी काम खड़ा करने के लिए संकल्पित हों कार्यकर्त्ता: गजेंद्र सिंह

भारतीय किसान संघ को खुशहाल गांव बनाने के लिए जुटना होगा: गजेंद्र सिंह

भारतीय किसान संघ की प्रांतीय बैठक सम्पन्न

उदयपुर, 7 अगस्त। भारतीय किसान संघ चित्तौड़ प्रांत की प्रांतीय बैठक बुधवार को बलराम भवन पर आयोजित हुई। जिसमें भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री गजेंद्र सिंह ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान संघ का स्वर्ण जयंती वर्ष मनाएंगे। उस समय तक हमें हर गांव तक प्रभावी कार्य खड़ा करना है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में भारतीय किसान संघ की समिति गठित हो हमें ऐसा प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आज देश के 600 से अधिक जिलों में भारतीय किसान संघ पहुंचा है। भारतीय किसान संघ अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण करने वाला है। ऐसे में, हमें अपने स्व का जागरण कर पूर्ण विजय के संकल्प के लिए काम करना होगा।

समरसता, स्नेह, बंधु भाव, विश्वास, कुटुंब प्रबोधन, संस्कार पर काम करके समाज को बचाना है। स्वदेशी, स्वभूषा, मर्यादा, रहन-सहन, स्व खानपान व स्व के गौरव का आग्रह करते हुए आगे बढ़ना है। हमें खुशहाल गांव बनाने के लिए काम करना होगा। इस दौरान विधिवत् पूजन कर पुस्तकालय का शुभारंभ भी किया गया।

बैठक में अखिल भारतीय जनजातीय कार्य प्रमुख मणिलाल लबाना, प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण सिंह चौहान, प्रदेश महामंत्री तुलछाराम सीवर, प्रांत अध्यक्ष शंकरलाल नागर, प्रांत महामंत्री अंबालाल शर्मा, संगठन मंत्री परमानंद समेत कई लोग मौजूद रहे।

कोटा की बेटी ने आईआईएससी बेंगलुरु से प्राप्त की शोध उपाधि

कोटा, 7 अगस्त। नयापुरा निवासी साक्षी विजय ने भारत के सर्वश्रेष्ठ संस्थान आईआईएससी बेंगलुरु से प्लाजमा एप्लीकेशन फॉर एयर पोल्यूशन कंट्रोल (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) में प्रोफेसर श्री बी.एस.रजनीकांत के मार्गदर्शन में शोध उपाधि प्राप्त कर कोटा का नाम रोशन किया है, साक्षी के पिता सत्यनारायण विजयवर्गीय ने बताया कि बेटी साक्षी विजय द्वारा माह जून में बर्लिंग जर्मनी जाकर आई ई ई ई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में प्लाज़्मा एप्लीकेशन में देश विदेश से आए वैज्ञानिकों के सामने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए पेपर प्रस्तुत किया। साक्षी ने वर्ष 2018 में आईआईटी धनबाद से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में B.Tech की उपाधि प्राप्त की थी।

माननीय लोकसभा अध्यक्ष की सकारात्मक पहल 'प्रशासन शहरों संग अभियान' के अटके काम-अब होंगे, लम्बित पट्टों की पत्रावलियों का होगा निस्तारण

कोटा, 7 अगस्त। पूर्ववर्ती राज्य सरकार के 'प्रशासन शहरो संग अभियान' के दौरान रियायती दर पर पट्टो का वितरण किया गया था, परन्तु राज्य सरकार के बदलने के साथ ही अभियान के दौरान के कार्यो के निष्पादन में बाधा हो रही थी। नगर निगम कोटा दक्षिण में भी प्रशासन शहरों संग अभियान के दौरान जारी पट्टों में आवेदनकर्ताओं द्वारा अभियान अवधि में राशि जमा करवा दी गई थी परन्तु पट्टा जारी नहीं हो सका था।

नगर निगम दक्षिण में करीब् 500 ऐसे प्रकरण लम्बित थे। इस बारे में महापौर राजीव अग्रवाल के द्वारा माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला के संज्ञान में लाया गया। लोकसभा अध्यक्ष के द्वारा तत्काल उक्त समस्या की गंभीरता को देखते हुये उच्चाधिकारियों को लम्बित पट्टों की पत्रावलियों पर शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश प्रदान किये गये।

महापौर राजीव अग्रवाल ने बताया कि नगर निगम कोटा दक्षिण के लम्बित पट्टों की पत्रावलियों पर शीघ्र कार्यवाही कर पट्टों का वितरण किया जायेगा। महापौर ने इस समस्या के समाधान के लिये लोकसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया।

भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा शिविर आयोजित होंगे

धौलपुर, 7 अगस्त। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के निर्देशानुसार जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिले की ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित होंगें। 7 व 8 अगस्त को विभिन्न बैंको द्वारा 8 ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। सहायक निदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग राजेश कुमार ने बताया कि 7 अगस्त को पीएनबी बैंक बसेड़ी द्वारा झील एवं खिडौरा में एवं आरजीबी बैंक बसेड़ी द्वारा खनपुरा ग्राम पंचायतों में शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार 8 अगस्त को एसबीआई बैंक सरमथुरा द्वारा बिझौली एवं पवैनी में, आरजीबी बैंक आंगई द्वारा पिपरैट में, पीएनबी बैंक सरमथुरा द्वारा बटीकरा में तथा बीओबी बैंक सरमथुरा द्वारा विलोनी ग्राम पंचायतों में शिविर का अयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिविर में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना के तहत पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण एवं प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत नये खाते खोले जाएंगे तथा निस्क्रिय खातों के लिए रि-केवाईसी की जाएगी।

वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान के तहत शिविर का हुआ आयोजन

धौलपुर, 7 अगस्त। वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के सशक्त क्रियान्वयन के लिए विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है।

इसके अन्तर्गत ग्राम पंचायत हिनौता में पंजाब नेशनल बैंक शाखा मनियां में अग्रणी बैंक प्रबन्धक एवं उप निदेशक आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग राजेश कुमार द्वारा वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत आयोजित होने वाले शिविर का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान शिविर में उपस्थित ग्रामीणों को अवगत करवाया कि बैंक के वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं हेतु त्रैमासिक देषव्यापी सतत् अभियान 1 जुलाई से 30 सितम्बर तक संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य पंचायत स्तर तक बैंकिग, बीमा और पेंशन जैसी आवष्यक वित्तीय सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करना और पात्र नागिरिकों को इन योजनाओं से जोड़ना है।

उन्होने शिविर में पधारे नागरिकों से वार्ता की एवं उन्हे अवगत कराया कि जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी के आषानुरूप योजनाओं से कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित नहीं रहे यह सुनिश्चित किया जाएं।

अभियान में प्रधानमंत्री जनधन योजना के अन्तर्गत वर्तमान निष्क्रिय बैंक खातों का पुनः सत्यापन, नये बैंक खाते खोलना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंषन योजना में नामंकन को प्रोत्साहन देना सुनिष्चित किया जाएं।

9 पुलिस निरीक्षकों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति प्रदान कर राज्य सेवा से किया बाहर

धौलपुर, 7 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को संवेदनशील, भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने राज्य सेवा के अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही, अभियोजन स्वीकृति एवं 17-ए के विचाराधीन 37 प्रकरणों का निस्तारण करते हुए 55 अधिकारियों के जांच प्रकरणों में कार्यवाही की है।

शर्मा ने राज्य कर्मचारियों की अक्षमता, अकर्मण्यता तथा असंतोषजनक कार्य निष्पादन के प्रति कड़ा रुख अपनाते हुए गृह विभाग के 9 पुलिस निरीक्षकों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति प्रदान कर राज्य सेवा से बाहर किया है। उन्होंने कार्मिकों की कार्य-शैली, कार्य-दक्षता, सत्यनिष्ठा, विभागीय जांच कार्यवाही एवं कार्य मूल्यांकन प्रतिवेदन आदि की विभिन्न स्तर पर स्क्रीनिंग करते हुए 9 कार्मिकों के प्रकरणों का उच्च स्तरीय समिति से परीक्षण करवाकर अनिवार्य सेवानिवृत्ति की कार्यवाही की है।

मुख्यमंत्री ने नियम विरूद्ध भू-आवंटन के एक गंभीर प्रकरण में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी के विरूद्ध अखिल भारतीय सेवाएं (अनुशासन एवं अपील) नियम 1969, के नियम 8 के तहत कार्यवाही प्रारम्भ किए जाने का अनुमोदन किया है। उन्होंने लंबित प्रकरणों का निस्तारण करते हुए 6 अधिकारियों के विरूद्ध अभियोजन चलाने की मंजूरी तथा राजस्थान प्रशासनिक एवं लेखा सेवा के 2 अधिकारियों के विरूद्ध भ्रष्टाचार निवारण (संषोधन) अधिनियम 2018 की धारा 17-ए में विस्तृत जांच एवं अनुसंधान करने की अनुमति भी प्रदान की।

शर्मा ने सेवारत 13 अधिकारियों के विरूद्ध सीसीए नियम-16 के तहत विभागीय जांच कार्यवाही में वार्षिक वेतन वृद्धियां संचयी/असंचयी प्रभाव से रोकने का निर्णय लिया है। उन्होंने सेवानिवृत्त अधिकारियों के पुराने प्रकरणों का निस्तारण करते हुए पेंशन नियमों के तहत 5 अधिकारियों की पेंशन रोके जाने का निर्णय किया, इनमें से एक अधिकारी के विरूद्ध भ्रष्टाचार प्रकरण में दोष सिद्धि होने से शत प्रतिशत पेंशन रोकने की सख्त शास्ति अधिरोपित की गई है। साथ ही, सेवानिवृत्त अधिकारियों के विरूद्ध संचालित 9 प्रकरणों में 14 अधिकारियों पर प्रमाणित आरोपों के जांच निष्कर्ष का अनुमोदन भी किया। मुख्यमंत्री ने सीसीए नियम-34 के तहत एक अधिकारी द्वारा प्रस्तुत पुनर्विलोकन याचिका को निरस्त करते हुए दण्ड को यथावत रखा तथा सेवारत अधिकारियों के 3 प्रकरणों में सीसीए नियम-23 के तहत अपील स्वीकार करने एवं 2 अधिकारियों के विरूद्ध अपील आंशिक स्वीकार करने का निर्णय लिया।

लूनी रीछा स्टेशन पर रेल फेक्कर की सूचना ग्रामीण ने दी, सतर्कता से संभावित दुर्घटना टली

एडीआरएम कोटा ललित धुरंधर ने ग्रामीण विक्रम को नगद प्रदान कर किया सम्मानित

कोटा, 7 अगस्त। कोटा-नागदा रेल खंड पर विक्रमगढ़ आलोट-महिदपुर के बीच स्थित लूनी रीछा स्टेशन के पास मंगलवार को रेल फेक्कर नजर आने पर एक ग्रामीण तुरंत लूनी रीछा स्टेशन तैनात आनड्यूटी मास्टर एहसान अली को मामले की जानकारी दी। इस पर स्टेशन मास्टर ने तत्काल प्रभाव से इसकी सूचना इंजीनियरिंग नियंत्रक कार्यालय कोटा को घटना की सूचना दी। सूचना पर मौके पर पहुंचे कर्मचारियों ने रेल पटरी की मरम्मत की। इस दौरान गाड़ी संख्या 20156 नई दिल्ली-डॉ अम्बेडकरनगर एक्सप्रेस गुजरने वाली ट्रेन को संभावित अनहोनी घटना टल गई। इस सतर्कतापूर्ण सराहनीयकार्य के लिए एडीआरएम ललित कुमार धुरंधर की तरफ से स्टेशन मास्टर द्वारा ग्रामीण को 2,100 रुपए का नगद पुरस्कार दिया गया।

सीनियर डीसीएम सौरभ जैन ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 7:45 बजे ग्रामीण विक्रम सिंह रेल फेक्कर की तत्परता से जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टर को देने से एक संभावित रेल दुर्घटना टली जोकि एक ग्रामीण द्वारा किया गया सराहनीय कार्य है जिसका उत्साहवर्धन रेल प्रसाशन द्वारा किया गया।

मेवाड़ शौर्य व त्याग की भूमि के साथ संस्कृत के अभ्युद की धरती भी है - जोधावत

उदयपुर, 7 अगस्त। मेवाड़ की धरती शौर्य एवं त्याग की भूमि होने के साथ-साथ संस्कृत भाषा के अभ्युदय की धरती भी है। महाराणा राजसिंह के शासनकाल में संस्कृत में रचित ग्रंथ राज-प्रशस्ति ने संस्कृत भाषा के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ऐसी मेवाड़ धरा पर संस्कृत दिवस अंतर्गत राज्य स्तरीय संस्कृत विद्वत्जनसम्मान समारोह आयोजित होना मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के दूरदृष्टि का परिचायक होने के साथ ही गर्व का विषय भी है। यह विचार प्रदेश की संस्कृत शिक्षा आयुक्त प्रियंका जोधावत ने बुधवार को होटल कजरी में आयोजित पत्रकार वार्ता में पत्रकारों से चर्चा के दौरान व्यक्त किए।

जोधावत ने कहा कि प्रदेश सरकार ने संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। वेद विद्यालयों की स्थापना हो या वैदिक गुरूकुल की अवधारणा को धरातल पर लाना, सरकार ने नवाचारों के माध्यम से देवभाषा संस्कृत की प्रतिष्ठा में अभिवृद्धि की है। झीलों की नगरी उदयपुर में राज्य स्तरीय आयोजन कर एक बार फिर सरकार ने संस्कृत के प्रति अपनी निष्ठा का प्रदर्शित किया है। इस आयोजन में संस्कृत शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर के व्यापक दृष्टिकोण की महती भूमिका रही है। उन्होने ही जयपुर से बाहर इस आयोजन का विचार सामने रखा और पिछले वर्ष कोटा में सफल आयोजन के पश्चात इस वर्ष आयोजन का दायित्व मेवाड़ को सौंपा। जोधावत ने कहा कि कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विभिन्न कार्यों हेतु समितियों का गठन कर कार्यभार सौंप दिये गए थे। समितियों ने दिन-रात मेहनत कर आयोजन की सारी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। प्रेस वार्ता के दौरान संस्कृत शिक्षा मंत्री के विशेषाधिकारी अभय सिंह राठौड़, निदेशालय के वरिष्ठ उपनिरीक्षक भारत कुमार, संभागीय संस्कृत शिक्षा अधिकारी नत्थू राम शर्मा, भगवती शंकर व्यास, आयोजन हेतु गठित राज्य स्तरीय समिति सदस्य रामानुज पांडेय, शिवचरण शर्मा, पीयूष दशोरा, राममोहन शर्मा एवं पूर्व संभागीय अधिकारी कमल किशोर चोटिया उपस्थित रहे। जोधावत ने बताया कि विधानसभाध्यक्ष प्रो वासुदेव देवनानी के मुख्य आतिथ्य एवं संस्कृत मंत्री मदन दिलावर की अध्यक्षता में गुरूवार को सुखाड़िया रंगमंच सभागार में यह सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग मंत्री श्री बाबूलाल खराड़ी, सारस्वत अतिथि के रूप में केंद्रीय संस्कृत विश्व विद्यालय जयपुर के निदेशक प्रो वाई एस रमेश उपस्थित रहेंगे।

राइजिंग राजस्थान निवेश समझौतों की प्रगति की समीक्षा

निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारने में दिखाएं गंभीरता - जिला कलक्टर

उदयपुर, 7 अगस्त। राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टर्स समिट 2024 के तहत उदयपुर जिले के लिए हुए निवेश समझौतों की क्रियान्विति की समीक्षा बैठक बुधवार को जिला कलक्टर नमित मेहता की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट मिनी सभागार में हुई। बैठक में जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक शैलेंद्र शर्मा ने बताया कि उदयपुर जिले के लिए कुल 718 एमओयू हुए थे, इनमें से 117 में कार्य प्रारंभ हो चुका है।

60 प्रस्तावों में सभी प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है तथा जल्द से ही उनका भी कार्य प्रारंभ हो जाएगा। जिला कलक्टर श्री मेहता ने बकाया प्रकरणों में विभाग वार अलग-अलग श्रेणी में लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली।

साथ ही उन्होंने आवेदक एवं विभाग स्तर पर लंबित प्रकरणों की तथ्यात्मक रिपोर्ट दो दिन में प्रस्तुत करने के लिए पाबंद किया।

जिला कलक्टर ने कहा कि राइजिंग राजस्थान राज्य सरकार का टॉप प्रायोरिटी का कार्यक्रम है।

माननीय मुख्यमंत्री स्वयं इसकी मोनिटरिंग कर रहे हैं तथा समय-समय पर इसकी समीक्षा भी कर रहे हैं। ऐसे में सभी सम्बन्धित अधिकारी पूर्ण गंभीरता से कार्य करते हुए निवेश समझौता की क्रियान्विति सुनिश्चित करें।

उन्होंने निवेशकों से भी नियमित संपर्क में रहते हुए उन्हें सरकार की नीतियों और सुविधाओं से अवगत कराकर एमओयू को धरातल पर लाने के लिए प्रोत्साहित करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में यूडीए आयुक्त राहुल जैन, एडीएम दीपेंद्र सिंह सहित राजस्व, पर्यटन, कृषि, स्कूल शिक्षा, परिवहन, चिकित्सा, उद्योग, रीको, सूचना प्रौद्योगिकी सहित सभी सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिका गोविन्दगढ़ (अलवर) राज0

क्रमांकः नपगो/2025-26/16939665 दिनांक : 01.08.2025

ई-निविदा सूचना संख्या-04/2025-26

कार्यालय नगर पालिका गोविन्दगढ़ द्वारा नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यों हेतु ऑन-लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा नगर पालिका कार्यालय, गोविन्दगढ़ में कार्य दिवस के दौरान भी देखी जा सकती है।

कार्य	यू.बी.एन नम्बर (sppp.rajasthan.gov.in)
1	DLB2526WSRC13217
2	DLB2526WSRC13218
3	DLB2526WSRC13219
4	DLB2526WSRC13220
5	DLB2526WSRC13221

राज.संवाद/सी/25/7621

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका गोविन्दगढ़ (अलवर)

Government of Rajasthan
Water Resources Department
Office of the Executive Engineer Water Resources Div. Alwar
Tel No.: 0144-2344645, Email: eewrawr@gmail.com
UBN No.: WRD2526SWOB00804

No-A/C II/2025-26/ Date:.....

INVITATION OF E-TENDER NO 05 YEAR 2025-26

On behalf of Governor of Rajasthan invites e-tender from eligible contractor for Civil works works estimated cost work is Rs. 64.81 Lacs. The details are available in the following websites:—
1. www.eproc.rajasthan.gov.in, 2. www.diprrajasthan.gov.in,
3. http://sppp.rajasthan.gov.in

Executive Engineer
DIPR/C/10930/2025 **Water Resources Division Alwar**

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर

क्रमांक/न.नि.भ /MSRGY/2025-26/8154 दिनांक : 25.07.2025

ई-निविदा सूचना

नगर निगम, भरतपुर में निम्न कार्यों हेतु केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों/फर्म/एन.जी.ओ. से निर्धारित प्रपत्र में ई प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त कार्य के लिए धरोहर राशि के अनुमानित लागत पर सवेंदक द्वारा 2 प्रतिशत राशि RTGS/NEFT के माध्यम से जमा करानी होगी। निविदा की महत्वपूर्ण शर्ते एवं विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in/ पर देखी जा सकती हैं।

कार्यो की संख्या	1 कार्य
कार्यों की कुल लागत	14.26 लाख
वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in से निविदा डाउनलोड करने की समय व तिथि	दिनांक 05.08.2025 से 14.08.2025 तक एवं सायं 6.00 बजे
वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in से ऑनलाईन निविदा अपलोड करने की अन्तिम समय व तिथि	दिनांक 14.08.2025 सायं 6.00 बजे
नगर निगम में प्रोसेसिंग शुल्क निविदा शुल्क धरोहर राशि की यू.टी.आर. रसीद भौतिक रूप से जमा कराने की तिथि	दिनांक 18.08.2025 दोपहर 12.00 बजे, कार्यालय नगर निगम, भरतपुर
निविदा खोलने की समय व तिथि	दिनांक 18.08.2025 सायं 4.00 बजे, नगर निगम, भरतपुर

UBN No- DLB2526WSOB13660

राज.संवाद/सी/25/7653

आयुक्त
नगर निगम, भरतपुर

कार्यालय नगर परिषद, सवाई माधोपुर-राज.

क्रमांक/न.प.स.मा./स.न.नि.शा./2025-26/5882 दिनांक: 05.08.2025

-:: ई-निविदा सूचना वर्ष 2025-26 ::-

नगर परिषद सवाई माधोपुर द्वारा विभिन्न प्रकार के सामान सप्लाई कार्य/सर्विस प्रदाता एवं कार्यो हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है कार्य अनुमानित लागत 51.20 लाख रूपये है।, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारिख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राजस्थान सरकार के पोर्टल Website:- www.sppp.raj.nic.in and www.eproc.rajasthan.gov.in बेवसाइट पर देखी एवं **download** कर प्राप्त की जा सकती है। स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट का **UBN CODE-DLB2526SLOB13682** है।

NIB CODE- DLB2526A4332

राज.संवाद/सी/25/7648

आयुक्त, नगर परिषद, सवाई माधोपुर

Office of the Executive Engineer
Public Works Department Division Jayal

क्रमांकः अ.अ./जा/2025-26/1063-1072 दिनांकः 28.07.2025

NIB Code: PWD2526A2297

UBN No.: 1. PWD2526WSOB08440, 2. PWD2526WSOB08441

Notice Inviting Bid No. 07/2025-26

Bids for Building work are invited from interested bidder upto 6.00 PM on Thursday 7 August 2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in)** of the state. The approximate value of the procurement is **Rs. 31.03** Lacs.

DIPR/C/11004/2025 **Executive Engineer**

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड, डेगाना

क्रमांकः- अअडे/निविदा/761 दिनांकः- 25.07.2025

NIB No.:- PWD2526A2232

निविदा सूचना संख्या 09- भवन निर्माण एसीजेएम निवास टाईप-III कोर्ट वर्ष 2025-26 निर्माण कार्य

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से **भवन निर्माण एसीजेएम निवास टाईप-III कोर्ट वर्ष 2025-26 निर्माण कार्य के लिए** उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूरसंचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के पंजीकृत श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में **कुल 01 कार्य जिनकी लागत राशि रू. 15.80 लाख** है, के लिए ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा फार्म डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख एवं समय	**शुक्रवार 01 अगस्त, 2025 प्रातः 9.30 बजे सोमवार 11 अगस्त, 2025 सायं 6.00 बजे तक।**

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट **www.dipronline.org** पर एवं निविदा दस्तावेज का विवरण वेबसाईट **http://eproc.rajasthan.gov.in** एवं **sppp.raj.nic.in** पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया **http://eproc.rajasthan.gov.in** पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट **http://eproc.rajasthan.gov.in** पर रजिस्ट्रर्ड करवाना आवश्यक है।

UBN No.:- 1. PWD2526WSOB08101

अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. खण्ड डेगाना
डीआईपीआर/सी/10847/2025 **मोबाईल नं.- 9785285528**

आज का दिन

श्रावण शुक्ल पक्ष त्रयोदशी, विक्रम सं. 2082, शक संवत् 1947, हिजरी 1447, तद्नुसार अंग्रेजी दिनांक 7 अगस्त, सन् 2025 ईस्वी। वार- गुरुवार, सूर्य-उत्तरायण, ऋतु-ग्रीष्म

सम्पादकीय

तोल मोल के बोल

सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सेना के खिलाफ दिए गए 'आपत्तिजनक' बयान के मामले में कड़ी नसीहत दी है। यह दरअसल सार्वजनिक जीवन में मौजूद हर शख्स के लिए सीख है कि उसे अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। ऐसे बयान केवल जनता को ही गुमराह नहीं करते, सेना जैसी संस्था के मनोबल पर भी असर डालते हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि चीन ने भारत की 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया है, 20 जवानों को मारा गया और अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सैनिकों को पीटा गया। उन्होंने जब यह बयान दिया तब भारत और चीन के बीच सीमा पर तनाव चरम पर था। वैसे भी दोनों देशों के बीच का सीमा विवाद लंबे समय से उलझा हुआ है और दोनों के कूटनीतिक रिश्तों में यही सबसे नाजुक कड़ी है। ऐसे में राहुल गांधी के बयान ने देश के भीतर सीमा के हालात को लेकर संदेह पैदा किया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए ही सुप्रीम कोर्ट की तरफ से इतनी सख्त टिप्पणी आई कि एक सच्चा भारतीय ऐसा बयान नहीं देगा। शीर्ष अदालत ने बिल्कुल सही कहा कि राहुल गांधी के पास अपनी बात रखने और सरकार से सवाल पूछने के लिए संसद जैसा मंच है। अगर उन्हें लग रहा था कि सरकार तथ्यों को देश से छिपा रही है, तो वह सदन में यह मुद्दा उठा सकते थे, जिससे ज्यादा दबाव बनता। सोशल मीडिया उचित प्लैटफॉर्म नहीं, जहां राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मसले पर बहस हो। राहुल गांधी की मंशा भले ही सेना का अपमान करने या उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने की न रही हो, लेकिन इससे संदेश यही गया कि वह भारतीय सेना को कमतर आंक रहे हैं। हालिया बरसों में हुए टकरावों में, जून 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी से लेकर अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर तक, भारतीय सेना ने चीन की हर आक्रामकता का मुंहतोड़ जवाब दिया है। इसमें कुछ नुकसान जरूर हुआ, लेकिन वह संघर्ष की कीमत होती है और चीन को भी उसे चुकाना पड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले पर फिलहाल रोक लगा दी है। शीर्ष अदालत की टिप्पणियों को इस रूप में देखा जाना चाहिए कि राजनीतिक बयानबाजी की भी कुछ मर्यादाएं होती हैं। बात जब सेना और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी हो, तो जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। इनका ख्याल रखना केवल सरकार का नहीं, सभी का कर्तव्य है।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि चीन ने भारत की 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया है, 20 जवानों को मारा गया और अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सैनिकों को पीटा गया।

विदेशी अखबारों से

रूस की परमाणु मिसाइलों की अब कोई सीमा नहीं... मॉस्को की खुली धमकी

अमेरिका और रूस के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए आशंका जताई जाने लगी है कि एक बार फिर से शीत युद्ध जैसी हथियारों की होड़ शुरू हो सकती है। अमेरिकी धमकियों के जवाब में रूस ने घोषणा की है कि अब उसकी परमाणु मिसाइलों की तैनाती पर कोई सीमा नहीं रहेगी। इसे पश्चिमी देशों के लिए डरावनी चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है। मॉस्को ने अमेरिका और नाटो के कदमों का मुकाबला ताकत से करने की कसम खाई है। रूसी विदेश मंत्रालय ने आरोप लगाया है कि अमेरिका और उसके सहयोगी यूरोप में मध्यम दूरी के हथियार तैनात करने की तैयारी करके देश की सुरक्षा के लिए सीधा खतरा पैदा कर रहे हैं। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने संवाददाताओं से कहा कि मॉस्को को जवाब देने की पूरी आजादी है। 'रूस अब खुद को किसी चीज से बंधा हुआ नहीं मानता है। इसलिए रूस का मानना है कि जरूरत पड़ने पर उसे उचित कदम उठाने का अधिकार है।' अमेरिका की अगले साल से जर्मनी में अमेरिकी टाइफून और डार्क ईगल मिसाइलों की तैनाती की योजना है, जिसे रूस अपने लिए बड़े खतरे के रूप में देखता है। क्रेमलिन ने कहा है कि अमेरिका के इस कदम ने रणनीतिक स्थिरता को नष्ट कर दिया है। उसने अमेरिका पर 'परमाणु शक्तियों के बीच तनाव में खतरनाक वृद्धि का जोखिम उठाने' का आरोप लगाया। रूस की पश्चिम को अब तक की सबसे खतरनाक चेतावनी है जिसमें साफ कहा गया है कि व्लादिमीर पुतिन परमाणु प्रतिरोध की रेड लाइन फिर से खींचने के लिए तैयार हैं। रूसी राष्ट्रपति इस साल के अंत तक बेलारूस में ओरेशनिक मिसाइल तैनात करने की तैयारी कर रहे हैं।

प्रेरक प्रसंग

अहंकार ने हमेशा परेशानी के सिवा कुछ नहीं दिया

बहुत समय पहले की बात है। एक गांव में एक मूर्तिकार (मूर्ति बनाने वाला) रहता था। वह ऐसी मूर्तियां बनता था, जिन्हें देख कर हर किसी को मूर्तियों के जीवित होने का भ्रम हो जाता था। आस-पास के सभी गांव में उसकी प्रसिद्धि थी, लोग उसकी मूर्तिकला के कायल थे। इसीलिए उस मूर्तिकार को अपनी कला पर बड़ा घमंड था। जीवन के सफर में एक वक्ता ऐसा भी आया जब उसे लगने लगा कि अब उसकी मृत्यु होने वाली है, वह ज्यादा समय तक जीवित नहीं रह पाएगा। उसे जब लगा कि जल्दी ही उसकी मृत्यु होने वाली है तो वह परेशानी में पड़ गया। यमदूतों को भ्रमित करने के लिए उसने एक योजना बनाई। उसने हुबहू अपने जैसी दस मूर्तियां बनाई और खुद उन मूर्तियों के बीच जा कर बैठ गया। यमदूत जब उसे लेने आए तो एक जैसी ग्यारह आकृतियों को देखकर दंग रह गए। वे पहचान नहीं कर पा रहे थे कि उन मूर्तियों में से असली मनुष्य कौन है। वे सोचने लगे अब क्या किया जाए। अगर मूर्तिकार के प्राण नहीं ले सके तो सृष्टि का नियम टूट जाएगा और सत्य परखने के लिए मूर्तियों को तोड़ा गया तो कला का अपमान हो जाएगा। अचानक एक यमदूत को मानव स्वाभाव के सबसे बड़े दुर्गुण अहंकार को परखने का विचार आया। उसने मूर्तियों को देखते हुए कहा, कितनी सुन्दर मूर्तियां बनी हैं, लेकिन मूर्तियों में एक त्रुटी है। काश मूर्ति बनाने वाला मेरे सामने होता, तो मैं उसे बताता मूर्ति बनाने में क्या गलती हुई है।

ट्रंप की धमकी पर भारी पड़ेगी मोदी की कूटनीति

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह चुनौती केवल बाहरी नहीं है। देश के भीतर कांग्रेस जैसे विपक्षी दल उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से निकटता पर तंज कस रहे हैं। माई फ्रेंड डोनाल्ड जैसे वाक्य अब राजनीतिक व्यंग्य बन चुके हैं। कांग्रेस यह सवाल उठा रही है कि अगर अमेरिका से घनिष्ठता इतनी ही प्रभावशाली थी, तो भारत को टैरिफ धमकी क्यों झेलनी पड़ रही है? देखा जाये तो यह आलोचना राजनीतिक रूप से स्वाभाविक है, पर इसमें कूटनीतिक यथार्थ की गहराई को नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत आज आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक दृष्टि से एक उभरती शक्ति है और ऐसे में विश्व के साथ उसकी मोल-भाव करने की शैली भी बदली है। मोदी जिस भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, वह न केवल अपने हितों की रक्षा करना जानता है, बल्कि विकल्पों का निर्माण भी कर रहा है– जैसे ऊर्जा विविधता की दिशा में कदम और नए व्यापारिक सहयोग। इसके अलावा, मोदी है तो मुमकिन है सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि इस समय एक परीक्षण की कसौटी बन चुका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज एक जटिल कूटनीतिक और राजनीतिक परिस्थिति का सामना कर रहे हैं। एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए शुल्क बढ़ाने और दंडात्मक कार्रवाई की धमकी दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी भारत-रूस ऊर्जा साझेदारी को मजबूती से बनाए रखना चाहते हैं। इसके पीछे सिर्फ आर्थिक कारण नहीं, बल्कि एक व्यापक भू-राजनीतिक संदेश भी है कि पश्चिम के सामने झुकने का युग अब समाप्त हो चुका है। देखा जाये तो मोदी सरकार वैश्विक मंचों पर ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं की प्रतिनिधि बनकर उभरी है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों और नैतिक उपदेशों के बावजूद भारत ने रूस के साथ अपने हितों को स्वतंत्र रूप से साधने की नीति अपनाई। यह वही रणनीतिक स्वायत्तता है, जिसकी बात भारत दशकों से करता आया है, पर जिसे आज व्यवहार में लाने का साहस शायद पहली बार किसी सरकार ने इस हद तक दिखाया है। प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह चुनौती केवल बाहरी नहीं है। देश के भीतर कांग्रेस जैसे विपक्षी दल उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से निकटता पर तंज कस रहे हैं। माई फ्रेंड डोनाल्ड जैसे वाक्य अब राजनीतिक व्यंग्य बन चुके हैं। कांग्रेस यह सवाल उठा रही है कि अगर अमेरिका से घनिष्ठता इतनी ही प्रभावशाली थी, तो भारत को टैरिफ धमकी क्यों झेलनी पड़ रही है? देखा जाये तो यह आलोचना राजनीतिक रूप से स्वाभाविक है, पर इसमें कूटनीतिक यथार्थ की गहराई को नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत आज आर्थिक, सामरिक और राजनीतिक दृष्टि से एक उभरती शक्ति है और ऐसे में विश्व के साथ उसकी मोल-भाव करने की शैली भी बदली है। मोदी जिस भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, वह न केवल अपने हितों की रक्षा करना जानता है, बल्कि विकल्पों का निर्माण भी कर रहा है– जैसे ऊर्जा विविधता की दिशा में कदम और नए व्यापारिक सहयोग। इसके अलावा, मोदी है तो मुमकिन है सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि इस समय एक परीक्षण की कसौटी बन चुका है।

प्रधानमंत्री को अब यह साबित करना है कि वह पश्चिम के दबाव को संतुलित करते हुए, रूस से रिश्ते बनाए रखते हुए और विपक्ष की आलोचनाओं को दरकिनार करते हुए भारत को एक स्वाभिमानी, आत्मनिर्भर और वैश्विक नेता के रूप में उभार सकते हैं। देखा जाये तो इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए मोदी को तीन स्तरों पर निर्णायक पहल करनी होगी- 1. अमेरिका के साथ संवाद बनाए रखते हुए, ट्रेड वार को टालना होगा और भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की स्पष्ट पैरवी करनी होगी। 2. घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना होगा ताकि आयात और शुल्क जैसे हथियारों का असर सीमित हो और ऊर्जा आपूर्ति में विविधता भी लानी होगी। 3. आंतरिक एकता और विपक्ष के प्रहारों का उत्तर तथ्यों और नीतिगत पारदर्शिता से देना होगा, ताकि राष्ट्रीय हित सर्वोपरि दिखाई दे। देखा जाये तो यह वह घड़ी है जब प्रधानमंत्री मोदी को नेतृत्व के अपने सबसे कठिन अध्याय में प्रवेश करना पड़ा है। लेकिन यदि वे इस दौर को सफलता से पार कर जाते हैं, तो यह केवल उनकी नहीं, बल्कि एक नए भारत की विजय होगी– जो दबाव में नहीं झुकता, हितों की रक्षा करता है और दुनिया को सम्मान के साथ संवाद करना सिखाता है। और तब शायद 'मोदी है तो मुमकिन है' सिर्फ चुनावी नारा नहीं, अंतरराष्ट्रीय राजनीति का यथार्थ भी बन जाएगा। जहां तक ताजा घटनाक्रमों की बात है तो आपको बता दें कि भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद पर अमेरिका और यूरोपीय संघ की आलोचना को सख्ती से खारिज कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा जारी किये गए वक्तव्य में साफ तौर पर कहा गया है कि रूस से आयात ऊर्जा की कीमतों में स्थिरता को बनाये रखने के लिए उठाया गया कदम है। विदेश मंत्रालय ने यह भी उजागर किया है कि अमेरिका और यूरोप स्वयं अभी भी रूस से उर्वरक, खनिज, रसायन, यूरेनियम और एलएनजी जैसी सामग्रियों का भारी व्यापार कर रहे हैं।

भारत का यह तर्क एकदम सही है कि जब तक अमेरिका और यूरोपीय संघ स्वयं रूस के साथ व्यापार संबंध समाप्त नहीं करते, तब तक भारत को नैतिकता के कठघरे में खड़ा करना न केवल दोहरा मापदंड है, बल्कि 'अनुचित और अविवेकपूर्ण' भी। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर शुल्क बढ़ाने और रूसी तेल की खरीद पर दंडात्मक कार्रवाई की धमकी को विशेषज्ञ अमेरिका की घरेलू राजनीति और आगामी चुनावों से जोड़कर देख रहे हैं। हम आपको बता दें कि ट्रंप ने भारत पर आरोप लगाया है कि वह रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे ऊंचे दामों में बेचकर लाभ कमा रहा है, साथ ही यूक्रेन युद्ध में नैतिक दृष्टिकोण नहीं अपना रहा। किंतु यह आरोप राजनीतिक बयानबाज़ी अधिक लगता है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में पुनः बिक्री और रिफाइनिंग एक सामान्य प्रक्रिया है, जिसे कई देश अपनाते हैं। देखा जाए तो ट्रंप द्वारा शुल्क बढ़ाने की घोषणा एक तरफ भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को प्रभावित करने का प्रयास है, तो दूसरी ओर इसे अमेरिका के कृषि और डेयरी उद्योग के समर्थन में लॉबिंग के रूप में भी देखा जा सकता है। वहीं, रूस ने इस पूरे घटनाक्रम को अमेरिका की 'नव-उपनिवेशवादी' नीति का उदाहरण बताया है। क्रेमलिन का यह दावा कि अमेरिका अपने प्रभुत्व को बनाए रखने के लिए ग्लोबल साउथ पर आर्थिक दबाव बना रहा है, इस बात की पुष्टि करता है कि रूस अमेरिका की एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौती देना चाहता है। बहरहाल, भारत जिस रणनीतिक स्वायत्तता की बात करता आया है, उसका असली परीक्षण ऐसे ही समय में होता है जब उसे पश्चिमी दबावों, वैश्विक व्यापारिक हितों और घरेलू राजनीतिक आलोचनाओं के बीच संतुलन साधना हो।

युद्धक्षेत्र की एक नई भाषा है – शब्दों का मौन उत्पात

तुषार मिश्रा

मुख्य शब्दः एल्गोरिथमिक युद्ध; भू-राजनीतिक दोहरे मापदंड; भाषाई सैन्यवाद; नारीवादी सुरक्षा आलोचना; ज्ञानमीमांसीय प्रतिरोध

चाहे तेल अवीव में एआई-सक्षम कमांड पोस्ट के न्यूरल कोर में हो, या सिलिकॉन वैली के बोर्डरूम में घातक एल्गोरिदम का आविष्कार करते हुए, या संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के बयानों के दस्ताने पहने शब्दों में, आज का युद्ध खाइयों में सैनिकों या नक्शों पर जनरलों जैसा नहीं दिखता। यह एक इंटरफ़ेस जैसा दिखता है। यह कोड, अनुबंधों और कंप्यूटर विज़न में बोलता है। 21वीं सदी में युद्ध गायब नहीं हुआ है। बस इसे नया नाम दिया गया है।

किसी शहर पर बमबारी नहीं की जाती, बल्कि उसे 'सटीक', 'सर्जिकल स्ट्राइक' से निशाना बनाया जाता है। नागरिक मारे नहीं जाते; उन्हें 'सह-क्षति' माना जाता है। अकाल 'आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान' है। कब्ज़ा 'बफर ज़ोन प्रवर्तन' है। एक बच्चे की मौत 'सांख्यिकीय शोर' है। यह सिर्फ़ बयानबाज़ी नहीं है - यह एक वास्तुकला है। यह राज्य हिंसा का अपना सफ़ाया करने का तरीक़ा है।

यह निबंध 21वीं सदी में युद्ध की गतिशीलता की पड़ताल करता है, और तर्क देता है कि युद्ध का स्वरूप व्यंजना, एल्गोरिथम और अमूर्त तकनीकी भाषा के माध्यम से अधिकाधिक मध्यस्थता वाला होता जा रहा है। नारीवादी सिद्धांत, उत्तर-औपनिवेशिक आलोचना और समकालीन भू-राजनीति को अपनी आलोचना के आधार के रूप में इस्तेमाल करते हुए, लेखिका गाजा और यूक्रेन में युद्धों के साथ-साथ सूडान और मणिपुर में विवादों के स्वच्छीकरण का दस्तावेजीकरण करती हैं, जिन्हें 'सर्जिकल स्ट्राइक', 'संपार्श्विक क्षति' और 'बफर ज़ोन' जैसे शब्दों से स्वच्छ किया गया है। कैरल कोहन, सिंथिया एनलो और सारा रुडिक जैसे बुद्धिजीवियों से प्रेरणा लेते हुए, यह निबंध सैन्य शब्दावली में समाहित पुरुषवाद और साम्राज्यवादी तर्क की आलोचना करता है और ज्ञानात्मक अवज्ञा का पक्षधर है: भाषाई हेरफेर के ज़रिए हिंसा को वैध ठहराने से इनकार। यह लेख सुरक्षा को नए सिरे से परिभाषित करने, युद्ध और प्रतिरोध पर चर्चा में हाशिए पर पड़ी आवाज़ों को शामिल करने और विरोध के एक तरीके के रूप में भाषा को नैतिक रूप से पुनः प्राप्त करने की आवश्यकता पर ज़ोर देता है। अंत में, लेख यह निष्कर्ष निकालता है कि वर्तमान युद्ध हथियारों के दागे जाने से नहीं, बल्कि शब्दों के इस्तेमाल से शुरू होते हैं।

चाहे तेल अवीव में एआई-सक्षम कमांड पोस्ट के न्यूरल कोर में हो, या सिलिकॉन वैली के बोर्डरूम में घातक एल्गोरिदम का आविष्कार करते हुए, या संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के बयानों के दस्ताने पहने शब्दों में, आज का युद्ध खाइयों में सैनिकों या नक्शों पर जनरलों जैसा नहीं दिखता। यह एक इंटरफ़ेस जैसा दिखता है। यह कोड, अनुबंधों और कंप्यूटर विज़न में बोलता है। 21वीं सदी में युद्ध गायब नहीं हुआ है। बस इसे नया नाम दिया गया है।

किसी शहर पर बमबारी नहीं की जाती, बल्कि उसे 'सटीक', 'सर्जिकल स्ट्राइक' से निशाना बनाया जाता है। नागरिक मारे नहीं जाते; उन्हें 'सह-क्षति' माना जाता है। अकाल 'आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान' है। कब्ज़ा 'बफर ज़ोन प्रवर्तन' है। एक बच्चे की मौत 'सांख्यिकीय शोर' है। यह सिर्फ़ बयानबाज़ी नहीं है - यह एक वास्तुकला है। यह राज्य हिंसा का अपना सफ़ाया करने का तरीक़ा है।

लेकिन सफ़ाई हमेशा अधूरी होती है। 2023-2024 में गाजा पर विचार करें। यह सच है कि इज़राइली रक्षा बलों ने एआई-आधारित लक्ष्यीकरण प्रणालियों का इस्तेमाल उन जगहों पर किया जिन्हें मुखबिरों ने 'सामूहिक हत्या के कारखाने' बताया था; इस तरह, 'सटीक', 'वास्तविक समय के फ़ैसले' या 'एल्गोरिदमिक दक्षता' जैसी चिंताजनक भाषा का इस्तेमाल करने में कोई नैतिक अस्पष्टता नहीं है। इस बीच, 30,000 से ज़्यादा फ़िलिस्तीनी मारे गए हैं, जिनमें से ज़्यादातर महिलाएँ और बच्चे हैं। कोई भी एल्गोरिथ्म शोक नहीं मना सकता, न ही ढही हुई अपार्टमेंट इमारतों में नागरिकों और लड़ाकों के बीच का अंतर समझ सकता है। फिर भी, पेशेवर और अमूर्त भाषा के ज़रिए सहयोगियों और समाचार कवरेज के लिए नैतिकता को संतुष्ट किया गया।

यूक्रेन में भी ऐसी ही भाषा का इस्तेमाल होता है, जहाँ पश्चिम 'प्रतिरोध' और 'रक्षात्मक लामबंदी' का जश्न मनाता है, जबकि नाटो हथियार उद्योगों के तेज़ी से बढ़ते विकास को पूरी तरह से नज़रअंदाज़ करता है।

द इकोनॉमिस्ट के अनुसार, यूक्रेन में युद्ध ने पश्चिमी हथियारों के उत्पादन में उछाल ला दिया है–पारंपरिक युद्धकालीन अर्थव्यवस्थाओं के कारण नहीं, बल्कि एक वितरित, लाभ-अधिकतम उत्पादन पद्धति, आउटसोर्स उत्पादन और निजी रसद के ज़रिए। रक्षा ठेकेदार युद्ध के कारण युद्ध अर्थव्यवस्था का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं, बल्कि इसलिए उठा पा रहे हैं क्योंकि युद्ध जारी है, और विनाश युद्ध अर्थव्यवस्था की दक्षता, यहाँ तक कि नवाचार की भी गवाही देता है। सूडान में, विदेशों में सक्रिय सशस्त्र समूहों के कारण लाखों लोग विस्थापित होते हैं, जबकि भू-रणनीतिक लाभ के अभाव में वैश्विक चुप्पी बनी रहती है। भारत के मणिपुर में, जातीय हिंसा पर सैन्य नियंत्रण को नौकरशाही की परिभाषा से परे परिभाषित किया गया है, जो इस भ्रम को बनाए रखने के लिए उपयुक्त है कि यह 'आंतरिक सुरक्षा स्थिति' के बारे में है।

यह संयोग नहीं है। बल्कि, यह ढाँचागत है। नारीवादी विद्वान कैरल कोहन ने शीत युद्ध के बाद लिखते हुए, परमाणु रक्षा रणनीतिकारों और नीति निर्माताओं द्वारा प्रयुक्त भाषा में विचित्र अमूर्तता की पहचान की - 'भेदन सहायता' की बारीक भाषा, जिसकी विशेषता 'संपार्श्विक क्षति' है, ऐसे शब्द जो युद्ध से शारीरिक उपस्थिति और नैतिकता को उजागर करते हैं। 2025 में, हम केवल कोहन के अवलोकन की प्रतिध्वनि का अनुभव नहीं कर रहे हैं; हम इसके एल्गोरिथम परिवर्तन को देख रहे हैं। आज रक्षा की भाषा पूर्वानुमानात्मक विश्लेषण, ड्रोन टेलीमेट्री, बायोमेट्रिक रेखाचित्रों और स्वयं भाषा के मॉडलों में अंकित है। सेनाएँ अब न केवल श्रम, बल्कि संज्ञान को भी आउटसोर्स करती हैं।

अमेरिकी संयुक्त सर्व-क्षेत्रीय कमान और नियंत्रण (जेएडीसी2), चीन का संज्ञानात्मक युद्ध ढाँचा, और भारत की थिएटर कमानें, सैनिकों और सैन्य टुकड़ियों की ज़मीनी उपस्थिति से कहीं अधिक का प्रतिनिधित्व करती हैं - ये एकीकरण, गति और सूचना प्रभुत्व की प्रणालियाँ हैं। जैसे-जैसे गति बढ़ती है, जाँच-पड़ताल गायब हो जाती है। रणनीतिक बातचीत अब 'किल वेब', 'तंत्रिका घातकता' और 'स्वायत्त अंतर-संचालन' के इर्द-गिर्द घूमती है।

ब्लॉग

सचिन झा शेखर

शिबू सोरेन : वो सहे भी, लड़े भी, गिरे भी, और अंत में जीतकर चले गए

तारीख 11 जनवरी 1944 झारखंड के तत्कालीन हजारीबाग जिले के एक छोटे से गांव नेमरा की मिट्टी ने झारखंड के भविष्य को जन्म दिया। एक शिक्षक पिता सोभरन मांझी के घर बेटे ने जन्म लिया, नाम रखा गया शिबू। उस समय शायद ही किसी को अंदाजा रहा होगा कि यह बच्चा आगे चलकर भारत का सबसे ताकतवर आदिवासी नेता के रूप में उभरेगा। वह ऐसा नेता बन जाएगा जो न सिर्फ नेमरा बल्कि पूरे झारखंड की तस्वीर बदलकर रख देगा। लेकिन शिबू का जीवन आसान नहीं था, शिबू सोरेन से दिशोम गुरु बनना आसान नहीं था। 13 साल की उम्र में ही उन्होंने वह दर्द देखा जो किसी बच्चे की मासूमियत छीन लेता है। सूदखोरों ने उनके पिता की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। शिबू ने अपनी मां को न्याय के लिए दर-दर भटकते देखा। तभी उनके भीतर एक चिंगारी पैदा हुई व्यवस्था को बदलने की, अन्याय के खिलाफ खड़ा होने की।

जिस व्यवस्था ने उनके पिता की जान ली थी, अब शिबू उसी व्यवस्था से टकराने की तैयारी में थे। उनके भीतर क्रोध था, सवाल थे, लेकिन साथ ही वह भावना भी थी जिसे कोई व्यवस्था नहीं तोड़ सकती थी। शिबू सोरेन ने गांव से शुरुआत की। वह लोगों को इकट्ठा करते, उन्हें समझाते, महाजनों के खिलाफ जागरूक करते। 1967 में जब सिंदरी से मार्क्सवादी नेता ए.के. रॉय विधायक बने, तो रॉय को ऐसे ही किसी युवा की तलाश थी जो ईमानदार हो, मेहनती हो, और आदिवासी चेतना से जुड़ा हो, यह तलाश शिबू सोरेन पर आकर खत्म हुई।

ए.के. रॉय और बिनोद बिहारी महतो जैसे विचारकों के साथ काम करते हुए शिबू सोरेन ने न केवल राजनीति को समझा, बल्कि उसे ज़मीनी संघर्षों से जोड़ा। उन्होंने 'सोनत संथाल समाज' की स्थापना की एक ऐसा संगठन जो आदिवासी समाज में चेतना और एकजुटता का काम कर सके। ये वो दौर था जब आदिवासी समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य और अधिकार जैसे मुद्दे गायब थे। शिबू सोरेन ने इन्हीं सवालों को लेकर आंदोलन छेड़ा।

1969-70 के दौर में टुंडी जैसे इलाकों में उन्होंने महाजनों के खिलाफ जबरदस्त आंदोलन शुरू किया। वे गांव-गांव जाते, लोगों को एकजुट करते और सूदखोरों की खुलेआम खिलाफत करते। शिबू सोरेन न सिर्फ आंदोलन करते, बल्कि आदिवासियों को शराब छोड़ने और आत्मनिर्भर बनने के लिए भी प्रेरित करते थे। यह नेतृत्व सिर्फ नारों तक सीमित नहीं था यह नेतृत्व जीवन के हर क्षेत्र को छूता था।

राजस्थान वोल्वो ने पेश की नवीनतमXC60 : वोल्वो की सबसे अधिक बिकने वाली कार अब नए अंदाज़ में

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान वोल्वो ने आज अपने शोरूम में नवीनतमXC60 का अनावरण किया, इस अवसर पर वोल्वो कार इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री ज्योति मल्होत्रा और डीलर प्रिंसिपल श्री साई गिरिधरउपस्थित रहे।

1 अगस्त को वोल्वो कार इंडिया ने नई दिल्ली के हयात रीजेंसी में नवीनतम XC60 माइल्ड हाइब्रिड को लॉन्च किया, जिसकी प्रारंभिक एक्स-शोरूम कीमत 71,90,000 रुपए रखी गई है। प्रतिष्ठित स्ङ्क26 मॉडल को इस बार एक महत्वपूर्ण अपडेट दिया गया है, जिसमें उपयोगकर्ता अनुभव, डिज़ाइन, आराम और एक तेज़ व अधिक सहज इंफोटेनमेंट सिस्टम से जुड़ी कई अपडेट्स शामिल हैं। यह कार वोल्वो कार्स के नए जेनरेशन के नए लुक वाले यूज़र इंटरफेस से सुसज्जित है, जिसे वाहन के साथ एक सुरक्षित और अधिक आनंददायक इंटरएक्शन प्रदान करने के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया है। उन्नत सुरक्षा और ड्राइविंग तकनीकों जैसे कि सिटी सेफ्टी, रन-ऑफ रोड प्रोटेक्शन, ऑनकमिंग लेन मिटिगेशन, पायलट असिस्ट और अडैप्टिव क्रूज़ कंट्रोल के साथ, यह कार एक अधिक सहज, सुरक्षित और आत्मविश्वासपूर्ण ड्राइविंग अनुभव सुनिश्चित करती है।

'XC60 वैश्विक स्तर पर लगातार हमारे सबसे सफल मॉडलों में से एक रही है, और भारत में भी इसे ग्राहकों से जबरदस्त सराहना मिली है। नवीनतमXC60 के साथ, हम यूज़र एक्सपीरियंस को एक नए स्तर पर ले जा रहे हैं,जिसमेंनए जेनरेशन के इंफोटेनमेंट सिस्टम, उन्नत सुरक्षा फीचर्स और आधुनिक स्कैंडेनेवियन डिज़ाइन लैंग्वेज शामिल हैं,' वोल्वो कार इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री ज्योति मल्होत्रा ने कहा।

'यह कार सहज टेक्नोलॉजी, बेजोड़सुरक्षा और परिष्कृत लक्ज़री का प्रतीक है। यह हमारे इस दृढ़ संकल्प को प्रभावशाली रूप से दर्शाती है कि हम ग्राहकों को केवल प्रीमियम डिज़ाइन ही नहीं, बल्कि संभवत: सबसे बेहतरीन ड्राइविंग अनुभव भी प्रदान करना चाहते हैं।'

नवीनतमXC60को अपने लाइनअप में शामिल करते हुए हम बेहद उत्साहित हैं, राजस्थान वोल्वो के डीलर प्रिंसिपल साई गिरिधर ने कहा। ग्राहक इस लोकप्रियस्ङ्क का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, और इसका आगमन त्योहारों के इस खास मौके पर एकदम सही समय पर हुआ है।'

बड़ा 11.2-इंच का सेंट्रल टचस्क्रीन, अब एक नए यूज़र एक्सपीरियंस के साथ आता है और क्वालकॉम के स्नैपड्रैगन कॉकपिट प्लेटफॉर्म प्रोसेसर द्वारा संचालित होता है, जो बेहतरीन इमेज क्वालिटी, तेज प्रोसेसिंग पावर और बिना किसी रुकावट के ओवर-द-एयर अपडेट्स की सुविधा प्रदान करता है।कार के इंटीरियर को और प्रीमियम बनाने के लिए इसमें असली लकड़ी की खास इनले और कंट्रास्ट सिलाई के साथ एक्सक्लूसिव चारकोल डैशबोर्ड दिया गया है, जो स्कैंडिनेवियन लक्ज़री का बेहतरीन अहसास कराता है। इंटीरियर में सबसे आकर्षक बदलाव नया ब्लॉन्ड इंटीरियर है, जो केबिन को और अधिक उज्जवल,शांत और बेहद शानदार माहौल प्रदान करता है।

नवीनतम XC60 का एक्सटीरियर अब एक और अधिक मॉडर्न और पावरफुल लुक के साथ प्रीमियम स्ङ्क के अंदाज़ को नए स्तर पर ले जाता है। नया डिज़ाइन किया गया ग्रिल, पतली फ्रंट प्रोफाइल और वोल्वो कार्स का आइकॉनिक आयरन मार्क इसेआकर्षक बनाता है। पीछे का लुक भी उतना ही दमदार है, जहां और भी शार्प और स्टाइलिश डार्क टेललाइट्स दी गई हैं। नवीनतमXC60 में नए अलॉय व्हील्स (19-इंच के 5-डबल स्पोक ग्लॉसी ब्लैक डायमंड कट) भी शामिल हैं, जो इसकी दमदार उपस्थितिको और निखारते हैं। ग्राहक अब एक परिष्कृत रंगों की रेंज में से चुन सकते हैं, जिसमें फॉरेस्ट लेक, क्रिस्टल व्हाइट, ओनिक्स ब्लैक, डेनिम ब्लू, ब्राइट डस्क और वेपर ग्रे जैसे विकल्प शामिल हैं। प्रकृति से प्रेरित नया फॉरेस्ट लेक रंग ग्राहकों का पसंदीदा बनने के लिए तैयार है, जो किसी भी सड़क पर शानदार दिखेगा।

नवीनतम XC60 अब पहले से भी ज़्यादा शांत केबिन के साथ आती है, जिसमें प्रीमियम एयर क्वालिटी के लिए एडवांस्ड एयर क्लीनर टेक्नोलॉजी, एर्गोनॉमिक रूप से डिज़ाइन की गई सीटें, और 15 हाई-एंड स्पीकर्स (जिसमें एयर वेंटिलेटेड सब-वूफर शामिल है) से मिलने वाला दमदार 1410-का आउटपुट शामिल है - जो बोवर्स एंड विल्किंसके इमर्सिव साउंड सिस्टम की उत्कृष्टता को दर्शाता है। कार में अब और भी स्मार्ट स्टोरेज विकल्प दिए गए हैं, जैसे नए कप होल्डर्स, वायरलेस फोन चार्जर, और एक फ्लेक्सिबल व विशाल लोड कंपार्टमेंट,जो सुविधा और लग्ज़री दोनों का बेहतरीन संगम पेश करता है।

वोल्वो कार्स इंडिया में- वोल्वो कार्स ने 2007 में भारतीय बाजार में कदम रखा था और वर्तमान में कंपनी पूरे भारत में फैले अपने 25 डीलरशिप्स के नेटवर्क के माध्यम से अपने उत्पादों की बिक्री कर रही है।

वोल्वो कार ग्रुप के बारे में- 1927 में स्थापित, वोल्वो कार्स एक वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित ऑटोमोबाइल ब्रांड है, जिसकी बिक्री 100 से अधिक देशों में होती है। दिसंबर 2024 तक, वोल्वो कार्स में लगभग 42,600 पूर्णकालिक कर्मचारी कार्यरत थे।

महिंद्रा ने अत्याधुनिक तकनीक के साथ नए सीईवी-वी कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट रेंज लॉन्च किए

मुंबई, एजेंसी। महिंद्रा अर्थमास्टर एसएक्स बैकहो लोडर और महिंद्रा रोडमास्टर जी 100 मोटर ग्रेडर की नई उन्नत सीईवी-वी श्रृंखला में सीईवी-वी उत्सर्जन मानकों को पूरा करने वाला उच्च-शक्ति वाला इंजन है। नए अर्थमास्टर बैकहो लोडर में बेहतर टॉर्क के अलावा, उत्पादकता बढ़ाने और लंबे समय तक काम करने के दौरान मशीन ऑपरेटर के आराम को सुनिश्चित करने के लिए एक नया, बड़ा, विशाल और एर्गोनोमिक केबिन भी है। इसी तरह, नया रोडमास्टर मोटर ग्रेडर, जो 22% से अधिक हिस्सेदारी के साथ अपनी श्रेणी में अग्रणी है, सड़क निर्माण परियोजनाओं को गति देने के लिए और भी अधिक शक्ति प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इन उन्नत सीईवी-वी महिंद्रा कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट (एमसीई) मशीनों का उद्देश्य निर्माण उद्योग में दक्षता और प्रदर्शन को नए सिरे से परिभाषित करना है। इतना ही नहीं, नया अर्थमास्टर बैकहो लोडर प्रति लीटर उच्चतम उत्पादकता (एसटीडी मोड में) की गारंटी देता है, साथ ही एसटीडी मोड में उच्चतम ईंधन दक्षता की भी गारंटी देता है। इसके अलावा, नया अर्थमास्टर बैकहो लोडर अद्वितीय और अग्रणी अपटाइम सर्विस गारंटी के साथ आता है - 48 घंटों में काम पर वापस, रिसोर्स के साथ गारंटीकृत। एमसीई मशीनों की श्रृंखला को लगातार बढ़ते, व्यापक सर्विस और स्पेयर्स नेटवर्क का मजबूत समर्थन प्राप्त है, जिसमें 115 से अधिक टचपॉइंट-50+ 3एस डीलरशिप और 15 साथी+ अधिकृत सर्विस और पार्ट्स सेंटर शामिल हैं। महिंद्रा ग्रूप के एक हिस्से, महिंद्रा कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट डिवीजन (एमसीई) ने आज अपनी उन्नत सीईवी-वी मशीन रेंज लॉन्च की, जो अपनी संबंधित श्रेणियों में मानकों को फिर से परिभाषित करने, उन्नत सुविधाएँ, अधिक आराम, उच्च उत्पादकता और प्रदर्शन प्रदान करने के साथ-साथ नवीनतम उद्योग मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए तैयार हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ. वेंकट श्रीनिवास, बिजनेस हेड-ट्रक एंड बस एंड कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने कहा, अत्याधुनिक उत्पादों और तकनीकों को पेश करने के हमारे लगातार प्रयास, स्थानीय विनिर्माण पर जोर के साथ, 'मेक इन इंडिया' पहल के प्रति महिंद्रा की दृढ़ प्रतिबद्धता का उदाहरण हैं। कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट की नई सीईवी-वी रेंज की शुरुआत भारत सरकार द्वारा निर्धारित स्थिरता लक्ष्यों को प्राप्त करने के महिंद्रा के प्रयासों की पुष्टि करती है।

महिंद्रा अर्थमास्टर एसएक्स बैकहो लोडर और महिंद्रा रोडमास्टर जी 100 मोटर ग्रेडर की नई अपग्रेडेड सीईवी-वी रेंज में सीईवी-वी उत्सर्जन मानकों को पूरा करने वाले उच्च-शक्ति वाले इंजन हैं। रोडमास्टर जी 100, उच्च-शक्ति वाला मोटर ग्रेडर, आगामी सीईवी-वी उत्सर्जन मानकों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसका 102 HP इंजन और 440 Nm टॉर्क इसे सड़क निर्माण के लिए एक उत्कृष्ट ग्रेडर बनाता है, खासकर राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों पर। नया अर्थमास्टर एसएक्स भी सीईवी-वी उत्सर्जन नियमों का अनुपालन करता है। यह 74 HP इंजन, एक नया, बड़ा और अधिक आरामदायक केबिन, और iMAXX टेलीमैटिक्स तकनीक के साथ एक बहुमुखी बैकहो लोडर है, जो बेहतर प्रदर्शन और दक्षता सुनिश्चित करता है।

नया अर्थमास्टर बैकहो लोडर, बेहतर टॉर्क प्रदान करने के अलावा, उत्पादकता बढ़ाने और विस्तारित काम के घंटों के दौरान मशीन ऑपरेटर के आराम को सुनिश्चित करने के लिए एक नए, बड़े, विशाल और एर्गोनोमिक केबिन की सुविधा भी देता है। इसी तरह, नया रोडमास्टर मोटर ग्रेडर, अपनी श्रेणी में 22% से अधिक बाजार हिस्सेदारी के साथ एक मार्केट लीडर है, जिसे सड़क निर्माण परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए और भी अधिक शक्ति प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

इसके अलावा, सीईवी-वी युग में, महिंद्रा अर्थमास्टर बैकहो लोडर अद्वितीय और अग्रणी गारंटियों के साथ नए उद्योग मानक स्थापित कर रहे हैं, जो ग्राहकों को बेजोड़ प्रदर्शन, अपटाइम और दक्षता के साथ सशक्त बना रहे हैं- 48 घंटे अपटाइम गारंटी या प्रतिदिन रु.1000 का मुआवजा। STD मोड में प्रति लीटर उच्चतम उत्पादकता की गारंटी। STD मोड में उच्चतम ईंधन दक्षता की गारंटी इसके अतिरिक्त, एमसीई मौजूदा मशीनों के सीईवी-वी संस्करणों को जारी रखेगा-महिंद्रा अर्थमास्टर एसएक्स ई बैकहो लोडर रेंज 55HP इंजन के साथ, साथ ही ग्रेडर रेंज में महिंद्रा रोडमास्टर जी90 और जी80 74HP इंजन के साथ।

शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने अपनी नई ब्रांड आइडेंटिटी का अनावरण किया

नई दिल्ली, एजेंसी। शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ('शैडोफैक्स'), एक नए ज़माने की, टेक्नोलॉजी-आधारित थर्ड-पार्टी लॉजिस्टिक्स कंपनी, ने अपनी ब्रांड आइडेंटिटी को नए सिरे से पेश किया है। यह दशक पुराना स्टार्टअप अब पूरी तरह से रीब्रांड हो गया है। नए रूप में एक वाइब्रेंट हरे रंग का लोगो और एक दमदार नई टैगलाइन 'थिंक अहेड!' शामिल है, जो कंपनी की यात्रा में एक नए अध्याय का संकेत देता है। यह अध्याय इनोवेशन, जिम्मेदारी और दूरगामी सोच से भरा होगा।

यह नई आइडेंटिटी शैडोफैक्स के लिए एक रणनीतिक बदलाव को दर्शाती है, क्योंकि यह लॉजिस्टिक्स इंडस्ट्री की बदलती मांगों के अनुरूप खुद को ढाल रही है। नया लोगो स्थिरता, जिम्मेदार ग्रोथ और बेहतर डिलीवरी सॉल्यूशंस पर फोकस को दर्शाता है। 'थिंक अहेड!' टैगलाइन का परिचय बाजार की जरूरतों का अनुमान लगाने की मानसिकता पर जोर देता है, बजाय केवल उन पर प्रतिक्रिया देने के। यह कंपनी की रणनीतिक प्राथमिकताओं को उजागर करता है।

शैडोफैक्स के चेयरमैन, मैनेजिंग डायरेक्टर और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, अभिषेक बंसल ने कहा, हमारा नया ब्रांड हमारी यात्रा के अगले अध्याय को दर्शाता है, जो दूरदर्शिता, स्थिरता और बेहतर लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस से प्रेरित है। अब यह सिर्फ़ स्पीड के बारे में नहीं है। यह प्रतिक्रिया देने से पहले समाधान खोजने, समझदारी से स्केल करने और उद्देश्य के साथ नेतृत्व करने के बारे में है। शैडोफैक्स में, हमने हमेशा माना है कि लॉजिस्टिक्स को कल की मांगों के अनुकूल होना चाहिए। अपनी स्केल, समझदारी और प्लेटफॉर्म क्षमताओं के साथ, हम व्यवसायों को तेजी से आगे बढ़ने, स्मार्ट सोचने और बेहतर डिलीवरी करने में सक्षम बना रहे हैं।

लॉजिस्टिक्स सेक्टर को तकनीकी प्रगति, बढ़ती ग्राहकों की अपेक्षाओं और पर्यावरणीय चिंताओं की बढ़ती तात्कालिकता ने नया आकार दिया है। यह रीब्रांडिंग इन तीनों के प्रति शैडोफैक्स की बढ़ती प्रतिबद्धता को दर्शाता है, इन चिंताओं और अपेक्षाओं के अनुकूल ढलते हुए। शैडोफैक्स अब सिर्फ़ स्पीड ही नहीं, बल्कि बेहतर और अधिक टिकाऊ लॉजिस्टिक्स भी डिलीवर कर रहा है। अपनी प्लेटफॉर्म क्षमताओं, स्केल और पार्टनर नेटवर्क के साथ, शैडोफैक्स का लक्ष्य अपने ऑपरेशंस को इन व्यापक इंडस्ट्री बदलावों के साथ संरेखित करना है।

अशोक लेलैंड और हिंदुजा लेलैंड फ़ाइनेंस के संयुक्त उद्यम ग्रो डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के साथ मिलकर फ़्लीट ऑपरेशंस के लिए शुरू की फास्टैग सेवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। अशोक लेलैंड और हिंदुजा लेलैंड फ़ाइनेंस के संयुक्त उद्यम ग्रो डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के साथ एक समझौता ज्ञापन (रूश्व) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत पूरे भारत में फ़्लीट मालिकों और परिवहनकर्ताओं के लिए निर्बाध, एंड-टू-एंड मोबिलिटी समाधान प्रदान करने के उद्देश्य से फास्टैग सेवाएं शुरू की जाएंगी। इस समझौते के तहत, ग्रो डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स, अशोक लेलैंड डीलरों के माध्यम से आईडीएफसी फर्स्ट बैंक फास्टैग को प्रमोट करेगा। ग्रो डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स, जो माल परिवहनकर्ताओं को विशाल फ़्लीट नेटवर्क से जोड़ता है और साथ ही फ़्लीट ऑपरेटरों को अपने व्यवसाय को कुशलतापूर्वक चलाने के लिए कई मूल्यवर्धित सेवाएं प्रदान करता है, अब अपने साझेदारों को एक संपूर्ण डिजिटल टोल भुगतान समाधान उपलब्ध कराएगा। यह समाधान दक्षता, पारदर्शिता और सुविधा सुनिश्चित करेगा। यह साझेदारी एक स्मार्ट और पूरी तरह से कनेक्टेड लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम का मार्ग प्रशस्त करेगी। फास्टैग सक्षम वाहनों को केंद्र में रखते हुए, यह फ़्लीट ऑपरेटरों को एकीकृत समाधान प्रदान करेगी, जिससे निर्बाध टोलिंग, बिना झंझट के सफर, आसान और कैशलेस भुगतान, पूरी पारदर्शिता और रियल-टाइम ट्रैकिंग सुनिश्चित होगी। यह पहल डिजिटल दक्षता और इंटेलिजेंट मोबिलिटी के माध्यम से फ़्लीट ऑपरेशंस को बदलने में मदद करेगी। इसके अतिरिक्त, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ग्रो के प्रमुख सड़क का साथी कार्यक्रम का लाभ उठाकर अपने योग्य कमर्शियल वाहन फास्टैग ग्राहकों को व्यापक रोड साइड असिस्टेंस सेवाएं प्रदान करेगा। एसकेएस नेटवर्क का उपयोग फास्टैग वितरण के लिए नोडल प्वॉइंट्स के रूप में भी किया जाएगा। ग्रो डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के सीईओ, श्री मुदस्सर मोहम्मद ने कहा, यह साझेदारी हमारी उस दृष्टि के अनुरूप है जिसके तहत हम एक तकनीक-आधारित एकीकृत सड़क माल परिवहन प्लेटफ़ॉर्म बना रहे हैं, जो दक्षता बढ़ाता है और हमारे फ़्लीट साझेदारों को मूल्यवर्धित सेवाएं प्रदान करता है।

डेल्टा एक्सचेंज ने 'ट्रैकर्स' लॉन्च किए : स्पॉट क्रिप्टो ट्रेडिंग का एक गेम-चेंजिंग विकल्प

मुंबई, एजेंसी। भारत के अग्रणी क्रिप्टो डेरिवेटिव्स प्लेटफॉर्म डेल्टा एक्सचेंज ने आज 'ट्रैकर्स' के लॉन्च की घोषणा की है। यह एक नया प्रोडक्ट है जो निवेशकों को सीधे डिजिटल संपत्ति खरीदने, स्टोर करने या मैनेज किए बिना, बिटकॉइन और एथेरियम जैसी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठाने की अनुमति देता है।

ट्रैकर्स डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स हैं जिन्हें क्रिप्टो एसेट्स, जैसे बिटकॉइन और एथेरियम की कीमत के उतार-चढ़ाव को बारीकी से ट्रैक करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो सीधे स्पॉट मार्केट में उन एसेट्स को खरीदने जैसा अनुभव देता है। एक ट्रैकर को खरीदकर और होल्ड करके, निवेशकों को डिजिटल एसेट्स की सीधी कस्टडी लिए बिना, सीधे कीमत का लाभ मिलता है, जो स्पॉट मार्केट के रिटर्न को दर्शाता है। निवेशक अंतर्निहित क्रिप्टोकरेंसी की बढ़ती कीमत से लाभ उठा सकते हैं और लाभ कमाने के लिए किसी भी समय बेचने की सुविधा बनाए रख सकते हैं। स्पॉट ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म की तुलना में ट्रैकर्स बहुत बेहतर लागत संरचना प्रदान करते हैं। जहां स्पॉट मार्केट में आम तौर पर ट्रेडिंग शुल्क के रूप में लगभग 0.5% शुल्क लिया जाता है, वहीं डेल्टा एक्सचेंज पर ट्रैकर्स 0.05% के बहुत कम शुल्क पर उपलब्ध हैं, जो 90% लागत लाभ है जिसका फायदा सक्रिय ट्रेडर्स को मिलता है। इसके अतिरिक्त, क्योंकि ट्रैकर्स डेरिवेटिव प्रोडक्ट हैं जिनमें अंतर्निहित क्रिप्टो एसेट्स का कोई वास्तविक हस्तांतरण नहीं होता है, वे टैक्स के उद्देश्य से सट्टा व्यवसाय आय श्रेणी के अंतर्गत आते हैं, जो नुकसान की भरपाई की अनुमति दे सकता है।

ट्रैकर्स बेहतर मार्केट डायनामिक्स भी प्रदान करते हैं, जिसमें बेहतर लिक्विडिटी, कम स्प्रेड और कम स्लिपेज शामिल हैं, जिससे अधिक कुशल ट्रेड एग्जीक्यूशन संभव होता है। चूंकि यह प्रोडक्ट वॉलेट निकासी से जुड़ा नहीं है और पूरी तरह से डेल्टा एक्सचेंज प्लेटफॉर्म पर संचालित होता है, इसलिए यह उपयोगकर्ताओं को कस्टडी मैनेज करने या निकासी संबंधी चिंताओं से निपटने की आवश्यकता को समाप्त करता है, जिससे निवेश का अनुभव और आसान हो जाता है।

डेल्टा एक्सचेंज के सह-संस्थापक और सीईओ पंकज बलानी ने कहा, ट्रैकर्स स्पॉट ट्रेडिंग का एक बेहतर विकल्प हैं। इस प्रोडक्ट को निवेशकों को कस्टडी मैनेजमेंट की परेशानी के बिना क्रिप्टो एसेट्स का सीधा लाभ देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह क्रिप्टो में निवेश करने के सरल, सुरक्षित और अधिक लागत-कुशल तरीकों की मांग का सीधा जवाब है। ट्रैकर्स पारंपरिक स्पॉट ट्रेडिंग से जुड़ी सामान्य कमियों को खत्म करते हुए बाजार में सरलता, टैक्स दक्षता और संस्थागत ग्रेड एग्जीक्यूशन लाते हैं। यह प्रोडक्ट सेंट्रलाइज्ड एक्सचेंजों या थर्ड पार्टी सेवाओं पर डिजिटल एसेट्स रखने से जुड़े जोखिमों को खत्म करता है, जो हैक और वॉलेट ड्रेन के प्रति संवेदनशील होते हैं।

टाटा एआईए ने भारत की महलाओं को सशक्त और सुरक्षित बनाने के लिए लॉन्च की शुभ शक्ति - स्वस्थ, खुशहाल और बेफिक्र जीवन की पेशकश करने वाली योजना

मुंबई, एजेंसी। टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने विशेष रूप से महिलाओं के लिए डिज़ाइन की गई एक टर्म इंश्योरेंस योजना 'शुभ शक्ति' लॉन्च की है। यह सिर्फ जीवन बीमा उत्पाद ही नहीं, बल्कि एक समग्र सुरक्षा योजना है जो हर महिला के जीवन के विशिष्ट चरण और वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करती है, जिससे उसे अपनी और अपने प्रियजनों की सुरक्षा करने का अधिकार मिलता है, साथ ही वह अपनी व्यक्तिगत और व्यावसायिक यात्रा में आगे बढ़ती रहती है।

टर्म लाइफ इंश्योरेंस उद्योग को परंपरागत रूप से, पुरुष-केंद्रित दृष्टिकोण के साथ तैयार किया गया है, जो मुख्य रूप से कमाने वाले पुरुषों की ज़रूरतों पर केंद्रित है और महिलाओं के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों को अनदेखा किया जाता है। लेकिन आज, भारतीय महिलाएं परंपरागत सीमाओं तोड़ रही हैं और कार्यबल, उद्यमियों और वित्तीय निर्णय लेने वालों में अग्रणी के रूप में उभर रही हैं। महिला श्रम बल भागीदारी दर वित्त वर्ष 2024 में बढ़कर 41.7% हो गई, जो वित्त वर्ष 2018 में 23.3% थी। इस तरह, महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से योगदान दे रही हैं, बल्कि अपने वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने में भी अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

महिलाएं वित्तीय स्वतंत्रता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन हाल ही में हुए टाटा एआईए के एक सर्वेक्षण के मुताबिक 89% विवाहित महिलाएं अभी भी वित्तीय नियोजन के लिए अपने पतियों पर निर्भर हैं, और केवल 44% महिलाएं ही विकल्प मिलने पर स्वतंत्र रूप से वित्तीय फैसले लेती हैं।

इस फर्क से एक ऐसे समाधान की तत्काल आवश्यकता रेखांकित होती है जो महिलाओं की विशिष्ट वित्तीय आवश्यकताओं और चुनौतियों का विशेष रूप से समाधान करे। अच्छी खबर यह है कि परिदृश्य बदल रहा है। दिसंबर 2024 में, 2.7 करोड़ महिलाएं अपने क्रेडिट स्कोर पर नज़र रख रही थी। इस लिहाज़ से केवल एक साल में 42% की वृद्धि हुई और यह बढ़ती जागरूकता तथा अधिक वित्तीय स्वतंत्रता का संकेत है।

'शुभ शक्ति' - महिला शक्ति का सम्मान- टाटा एआईए की मुख्य अनुपालन अधिकारी (चीफ कंप्लायंस ऑफिसर), गायत्री नाथन ने कहा, 'भारतीय महिलाएं अपने वित्त और निवेश की ज़िम्मेदारी अपने हाथों में ले रही हैं, फिर भी उनके पास बीमा काफी कम है, जिससे किसी भी त्रासदी की स्थिति में उनके परिवार असुरक्षित हो जाते हैं।' उन्होंने कहा, 'शुभ शक्ति के साथ, हम एक ऐसा समाधान पेश कर रहे हैं जो आज की महिलाओं की क्षमताओं के अनुरूप है। यह उन्हें अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित करने, अपने स्वास्थ्य में निवेश करने और चिंता मुक्त जीवन जीने के लिए सशक्त बनाता है। यह उनकी महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करने, उन्हें मानसिक शांति प्रदान करने और यह सुनिश्चित करने के लिए है कि वे अपने प्रियजनों की सुरक्षा से समझौता किए बिना जीवन की चुनौतियों का सामना कर सकें।'

शुभ शक्ति-एक ऐसी योजना जो जीवन के हर पड़ाव पर आपकी रक्षा करती है- महिलाओं की कई तरह की ज़रूरतें होती हैं, इसलिए टाटा एआईए शुभ शक्ति को महिलाओं द्वारा जीवन में निभाई जाने वाली विभिन्न भूमिकाओं -मां, बेटी, जीवनसाथी और पेशेवर - के लिए लचीला, व्यापक और सहायक बनाया गया है।

महिला-केंद्रित लाभ- गर्भावस्था के दौरान प्रीमियम अवकाश- प्रत्येक प्रसव के बाद 12 महीनों के लिए दो प्रीमियम अवकाश का आनंद लें। इससे महिलाएं बिना किसी अतिरिक्त वित्तीय बोझ के अपने स्वास्थ्य और शिशु पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगी।

महिलाओं को पुरुषों की तुलना में लगभग 15% कम प्रीमियम देना होता है, जो प्रीमियम भुगतान अवधि (पीपीटी) के दौरान हर साल लागू होता है। यह योजना एकल माताओं (सिंगल मदर) के लिए प्रीमियम पर 1% आजीवन छूट भी प्रदान करती है, जो मौजूदा 15% छूट से अधिक है।

आपके और आपके परिवार के लिए विशेष स्वास्थ्य लाभ- महिलाओं के लिए विशेष देखभाल, जिसमें पीसीओडी सहायता, आईवीएफ परामर्श और वज़न प्रबंधन शामिल है। गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) के कैंसर, एचपीवी, फ्लू आदि के लिए टीकाकरण सहायता। विशेषज्ञ परामर्श, वार्षिक स्वास्थ्य जांच और जीवनशैली संबंधी परेशानी से निपटने के लिए उचित प्रावधान तक पहुंच।

बाल शिक्षा सुरक्षा- क्योंकि आपके बच्चों के सपने के सामने कभी बाधा नहीं आनी चाहिए। 25 वर्ष की आयु तक 3 बच्चों तक के लिए मासिक आय प्राप्त करें, जिससे जीवन में चाहे कुछ भी हो, शिक्षा कभी बाधित न हो।

पति की आकस्मिक मृत्यु पर प्रीमियम माफी- किसी अप्रत्याशित घटना की स्थिति में, पॉलिसी बिना किसी अतिरिक्त भुगतान के जारी रहती है, जिससे आपके परिवार की वित्तीय सुरक्षा बरकरार रहती है।

टाटा एआईए हेल्थ बडी - क्योंकि स्वस्थ जीवन के लिए पुरस्कार मिलना ही चाहिए- स्वस्थ, तनाव-मुक्त जीवन की यात्रा उचित सहयोग से शुरू होती है। शुभ शक्ति का एक अभिन्न अंग, टाटा एआईए हेल्थ बडी, महिलाओं को स्वास्थ्य के लिए व्यापक और प्रोत्साहित दृष्टिकोण प्रदान करता है। शुभ शक्ति, हेल्थ बडी के साथ मिलकर स्वास्थ्य और धन दोनों की सुरक्षा के लिए एकीकृत समाधान प्रदान करती है।

वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में टीबीओ टेक लिमिटेड ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए मैक्रोइकॉनॉमिक चुनौतियों का डटकर मुकाबला किया

मुंबई, एजेंसी। वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही की खासियत यह रही कि भारत, यूरोप और मध्य-पूर्व जैसे प्रमुख बाजारों में भी हमारा कारोबार मजबूत बना रहा, जबकि यहाँ पर मैक्रोइकॉनॉमिक चुनौतियाँ बहुत ज्यादा थीं। मंथली ट्रांसएक्टिंग बायर्स की संख्या अब तक के सबसे ऊँचे स्तर 29,570 पर पहुंच गई है, जिसमें साल-दर-साल 5.2% और तिमाही-दर-तिमाही 4.1% की वृद्धि हुई है। बायर्स की संख्या में सबसे ज्यादा योगदान भारतीय बाजार का है, जबकि यूरोप और एशिया-प्रशांत जैसे बाजारों में भी बायर्स की संख्या तेजी से बढ़ी है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में MTBs की संख्या साल-दर-साल 17.3% और तिमाही-दर-तिमाही 11.2% बढ़ी। होटल और इससे जुड़ी सेवाओं का योगदान सभी प्रमुख बाजारों में लगातार बढ़ा है। इस तिमाही में कुल सकल लेनदेन मूल्य (जीटीवी) में इसका हिस्सा 62.3% रहा, जबकि पिछली तिमाही में यह 60.3% था। वहीं, ग्रॉस प्रॉफिट में इसका योगदान 84.4% रहा। भू-राजनीतिक चुनौतियों और दुर्भाग्यपूर्ण एयर इंडिया की घटना के बावजूद, तिमाही के लिए समायोजित EBITDA रु.85 करोड़ रहा, जो पिछले साल की इसी तिमाही के बराबर है। तिमाही के लिए कर पश्चात लाभ 3.4% बढ़कर रु.63 करोड़ हो गया, जो तिमाही-दर-तिमाही 6.9% की वृद्धि है। वैश्विक यात्रा वितरण प्लेटफॉर्मों में से एक, टीबीओ टेक लिमिटेड (BSE: 544174) (NSE: TBOTEK) ने आज वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय नतीजे घोषित किए।

प्रमुख व्यावसायिक अपडेट्स- कई महत्वपूर्ण चुनौतियों के बावजूद, कंपनी ने मजबूत प्रदर्शन किया है। मंथली ट्रांसएक्टिंग बायर्स की संख्या, लेनदेन और मुनाफे से जुड़े सभी मापदंडों में कंपनी ने बहुत बढ़िया प्रदर्शन किया है। यह तिमाही हमारे लिए काफी चुनौतीपूर्ण थी, क्योंकि भारत, मध्य-पूर्व और यूरोपीय बाजारों में मैक्रोइकॉनॉमिक चुनौतियां बहुत ज्यादा थीं। भारत, जो हमारा सबसे अहम बाजार है, वहां कई बड़ी घटनाएं हुईं, जैसे कि पहलगाम की घटना, भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव और एयर इंडिया विमान दुर्घटना। इन सबका तिमाही के दौरान यात्रा की मांग पर बहुत बुरा असर पड़ा और ग्राहकों के मन में एक अस्थायी डर पैदा हो गया। इसी के साथ, इजराइल-ईरान संघर्ष का मध्य-पूर्व और यूरोप पर गहरा असर पड़ा। मध्य-पूर्व हमारा सबसे बड़ा बाजार है और इजराइल यूरोप के सबसे महत्वपूर्ण स्रोत बाजारों में से एक है। इस संघर्ष की वजह से यात्रा रद्द होने, हवाई क्षेत्र पर पाबंदियां लगने और पूरे क्षेत्र में यात्रा गतिविधि कम होने जैसी समस्याएं पैदा हुईं।

यूरोप हमारे होटल और इससे जुड़ी सेवाओं के लिए सबसे बड़ा स्रोत बाजार बना रहा, जबकि मध्य-पूर्व (25% साल-दर-साल) और एशिया-प्रशांत (35% साल-दर-साल) इस कैटेगरी में प्रमुख विकास इंजन रहे।

चुनौतियों के बावजूद, भारत के कारोबार में शानदार लचीलापन दिखा और होटल + इससे जुड़ी सेवाओं के कारोबार में साल-दर-साल 4% की वृद्धि हुई।

जैसे-जैसे हम नए शहरों और देशों में अपना विस्तार करेंगे, मौजूदा बाजारों में अपनी पकड़ मजबूत करेंगे और नए प्रोडक्ट्स जोड़ते जाएंगे, हमें उम्मीद है कि भौगोलिक और प्रोडक्ट का मिश्रण हमारे कारोबार के लिए एक मजबूत संरचनात्मक लाभ बना रहेगा।

हमारा TBO प्लैटिनम प्रोग्राम अब 40 से ज़्यादा डेस्टिनेशनों में 110 से ज़्यादा होटलों तक पहुँच गया है, जो दुनिया भर में प्रीमियम प्रॉपर्टीज के साथ विशेष साझेदारी बनाने की हमारी मजबूत गति को दर्शाता है।

प्रबंधन की टिप्पणी- टीबीओ टेक लिमिटेड के सह-संस्थापक और संयुक्त एमडी, श्री गौरव भटनागर ने कहा, वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में हमारे कारोबार की संरचनात्मक ताकत स्पष्ट रूप से सामने आई है, क्योंकि हमने कई बड़ी चुनौतियों का सामना किया है। इस मजबूत बुनियाद पर हम आगे बढ़ रहे हैं। इस तिमाही में, हमें अपने ग्रोथ इन्वेस्टमेंट के शुरुआती, लेकिन साफ परिणाम दिखने शुरू हो गए हैं। फरवरी 2025 से, जब हमने ग्रोथ के लिए निवेश करना शुरू किया था, तब से हमारे ग्रोथ बाजारों में एक्टिव एजेंट्स की संख्या में साफ-साफ बढ़ोतरी दिख रही है। वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में, नए एजेंट्स (जो इसी वित्तीय वर्ष 2026 में जोड़े गए हैं) से हुई बिक्री, वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही में नए एजेंट्स से हुई बिक्री की तुलना में 132% ज्यादा थी। हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही तक हम अपनी ग्रोथ हायरिंग और निवेश पूरा कर लेंगे और वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही से रेवेन्यू ग्रोथ, स्त्न४ खर्चों की ग्रोथ से आगे निकल जाएगी।

एनसीआर से ला रहे सस्ती लग्जरी कारें, टैक्स बचाने को लोकल पंजीयन नहीं

उदयपुर, 7 अगस्त। दिल्ली-एनसीआर (नेशनल कैपिटल रीजन) से बाहर किए 10 से 15 साल पुराने डीजल-पेट्रोल के लग्जरी वाहनों को सस्ते दामों में उदयपुर लाकर दौड़ाया जा रहा है। खास बात यह है कि इन वाहनों को खरीदकर लाने के बाद टैक्स बचाने के लिए यहां रजिस्ट्रेशन भी नहीं कराया जा रहा। ऐसे में इन पर बड़ी पैनल्टी लग रही है। इस तरह के 35 मामले पिछले तीन माह के दौरान सामने आ चुके हैं। परिवहन विभाग ने इन वाहनों पर खास फोकस किया हुआ है।

दरअसल, दिल्ली-एनसीआर में 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों के संचालन पर बैन है, जबकि राजस्थान में अलवर जैसे एनसीआर क्षेत्र को छोड़कर पुराने डीजल और पेट्रोल वाहनों पर बैन नहीं है। इसी का फायदा उठाकर देश की राजधानी और एनसीआर एरिया से पुराने वाहन खरीदकर लाए जा रहे हैं। बीएमडब्ल्यू की कार 80 लाख से डेढ़-दो करोड़ रुपए की आती है। यही कार दिल्ली-एनसीआर में तय अवधि को पार करने के बाद 15 से 20 लाख रुपए में उपलब्ध हो जाती है। ज्यादा पुराने मॉडल होने पर ये 10 से 12 लाख में मिल जाती है। इसी तरह ऑडी-रेंजरोवर सहित अन्य लग्जरी ब्रांडों की पुरानी कारें भी सस्ती दरों पर आसानी से उपलब्ध हैं। ये कारें दिल्ली-एनसीआर में चलाई नहीं जा सकती। ऐसे में इन्हें सस्ते दामों पर बेच दिया जाता है। ज्यादा पुरानी होने पर कीमत और कम हो जाती है। इन गाड़ियों का पंजीकरण अधिकारांत दिल्ली-हरियाणा का है। पुराने वाहनों को खरीदकर लाना और यहां चलाना गलत नहीं है, लेकिन इन वाहनों का रजिस्ट्रेशन राजस्थान में कराया जाना जरूरी है। ऐसा करने पर टैक्स आदि के रूप में हजारों रुपए लगते हैं।

इसी को बचाने के लिए खरीदार नंबर नहीं बदलवाते। उदयपुर के परिवहन निरीक्षक श्याम सिंह हाड़ा ने बताया कि राजस्थान मोटर यान 1990 के नियम 4.7 के अनुसार अन्य राज्यों में पंजीकृत वाहन का राजस्थान में 30 दिन की अवधि तक संचालन किया जा सकता है। 30 दिन की समाप्ति होने के बाद इनका रजिस्ट्रेशन स्थानीय स्तर पर राजस्थान में कराना होता है। ऐसा नहीं करने पर टैक्स देना होता है। हाल ही बीएमडब्ल्यू एक्सआर 51 ए जेड 6800 नंबर की कार पकड़ी थी। इसकी राजस्थान में कीमत करीब 80 लाख रुपए है। इसका चालान करीब 5 लाख रुपए बनाया गया। टैक्स व सरचार्ज भी चुकाना होगा। राजस्थान में 10 लाख से ज्यादा कीमत की गाड़ी खरीदने पर 12.50 प्रतिशत टैक्स और सरचार्ज गाड़ी लगता है। ऐसे में एक करोड़ रुपए की गाड़ी का टैक्स ही करीब 12.50 लाख बन जाता है। हालांकि सरकार इस टैक्स अधिकतम 25 प्रतिशत छूट देती है। इसके बाद भी 9 लाख से ज्यादा का टैक्स बनता है। सस्ते दामों में खरीदी गई इन गाड़ियों का राजस्थान में पंजीकरण कराने पर लाखों रुपए का खर्च आता है। इसे बचाने के लिए इनका यहां पंजीकरण नहीं कराया जाता और दिल्ली-हरियाणा के नंबरों पर ही चलाई जाती है। बता दें कि राजस्थान में डीजल-पेट्रोल की पुरानी गाड़ियों के संचालन पर बैन लगाने को लेकर नियम-कायदे नहीं हैं। हालांकि, अलवर जिला एनसीआर में शामिल होने से यहां जरूर 10 साल पुरानी डीजल और 15 पुरानी पेट्रोल की गाड़ियों के संचालन पर पाबंदी है।

पाली में शादीशुदा युवक पर नाबालिग से रेप का आरोप

पाली, 7 अगस्त। पाली में एक नाबालिग को भगाकर उससे रेप करने का आरोप लगाते हुए पीड़िता के परिजनों ने एक शादीशुदा युवक के खिलाफ कोतवाली थाने में रिपोर्ट दी। पुलिस ने बुधवार को पाली के बांगड़ हॉस्पिटल से पीड़िता का मेडिकल करवाया और मामले की जांच शुरू की। कोतवाल अनिल विश्नोई ने बताया कि थाना क्षेत्र निवासी एक नाबालिग के परिजनों ने थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें बताया कि 2 जून को वे काम पर गए थे। पीछे से उनका परिचित युवक उनकी नाबालिग बेटी को बस स्टैंड पर बुलाता है और फिर अपने साथ जबरदस्ती ले जाता है। आरोप है कि दो दिनों तक उनकी नाबालिग बेटी को आरोपी इधर-उधर घुमाता रहा। इस दौरान उससे आरोपी ने रेप भी किया। उसके बाद पाली शहर में छोड़ गया। पीड़िता जब घर पहुंची तो उसने अपनी मां को सारी घटना बताई। इस पर परिजनों ने थाने पहुंच आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए बुधवार को कोतवाली पुलिस ने पाली के बांगड़ हॉस्पिटल से पीड़ित नाबालिग का मेडिकल करवाने की कार्रवाई की।

पाली में खेत में सो रहे किसान के हाथ-पैर तोड़े

पाली, 7 अगस्त। पाली में एक खेत में सो रहे किसान के नकाबपोश बदमाशों ने हाथ-पैर तोड़ दिए। बदमाशों ने धारदार हथियार से 8 से ज्यादा वार किए, घटना मंगलवार रात सुमेरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की है। इस हमले के बाद 40 साल के नाथूराम को सुमेरपुर के सरकारी हॉस्पिटल लाया गया, जहां से पाली रेफर किया गया। हालात गंभीर होने पर उसे पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लेकर आए। जहां जोधपुर रेफर किया। परिवार के पास रुपए नहीं होने पर स्टाफ ने मदद की और परिवार को जोधपुर भेजा। घायल के साथ उसकी पत्नी और एक भाई था। आर्थिक रूप से कमजोर इस परिवार को जब बताया कि मरीज को जोधपुर ले जाना होगा तो उन्होंने अपनी पीड़ा बताते हुए कहा आर्थिक रूप से कमजोर है। जल्दबाजी में आए है और रुपए भी नहीं है। ऐसे में जोधपुर कैसे रहेंगे ? इस पर ट्रॉमा वार्ड के मेडिकल और एम्बुलेंस स्टाफ समेत वहां तैनात गार्ड ने मानवता दिखाई। यहां सभी ने मिलकर रुपए शामिल किए और परिवार को दिए। इसके बाद नाथूराम और उसके परिवार को जोधपुर के लिए रवाना किया।

सांखला-कोटगेट फाटक पर अंडरपास बनाने के लिए 36 प्रतिष्ठान, प्याऊ और मकान अवाप्त होंगे, नोटिस जारी, 60 दिन होगी सुनवाई

बीकानेर, 7 अगस्त। कोटगेट और सांखला फाटक पर अंडरपास बनाने के लिए सरकार ने गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। सरकार का गजट नोटिफिकेशन जारी होते ही भूमि अवाप्ति अधिकारी ने दोनों जगह 36 प्रतिष्ठान, प्याऊ, मकानों को भूमि अवाप्त होने का नोटिस जारी कर दिया है। सभी को सक्षम स्तर अधिकारी के यहां अपनी बात रखने का 60 दिन का समय दिया गया है। दरअसल, पूर्व सरकार कोटगेट और सांखला फाटक पर भूमि अधिग्रहण करने के लिए भूमि अवाप्ति अधिकारी नियुक्त करके गई थी। कोटगेट फाटक पर रेलवे अंडरपास बनाने के लिए 124.51 वर्गमीटर भूमि अवाप्त करने की जरूरत है, जिसमें एक प्याऊ समेत 13 प्रतिष्ठान अवाप्त होंगे। सांखला फाटक पर 184.21 वर्गमीटर जमीन अधिग्रहण होगी। यहां करीब 23 प्रतिष्ठान समेत एक मकान अधिग्रहित होगा। सरकार ने जारी गजट नोटिफिकेशन में बताया कि सामाजिक समाघात मूल्यांकन अध्ययन (सू) का कार्य मैसर्स आरवी इंफ्रा कंसल्टेंट ने किया था। उसके सुझाव के तहत ही दोनों जगह अंडरपास बनाने के लिए नोटिस कर भूमि अवाप्त की जाए। गजट नोटिफिकेशन जारी होते ही बीडीए ने हाथों-हाथ नोटिस जारी कर दिए। नोटिस जारी होने के 60 दिन के भीतर भूमि अवाप्ति अधिकारी के यहां प्रभावित लोग अपना पक्ष रख सकते हैं। ये आदेश उपशासन सचिव राकेश कुमार सैकंड ने जारी किए। रेलवे क्रॉसिंग की समस्या के समाधान के लिए सांखला फाटक अंडरपास बनने से आधी समस्या खत्म हो जाएगी। केईएम रोड और उसके आसपास के क्षेत्र से लोग कोयला गली में बिन्नाणी बिल्डिंग खत्म होने के बाद शुरु होने वाले अंडरपास के ज़रिए मटका गली पहुंचेंगे और वहां दो तरफ रोड निकलेगी। एक काली माई की दुकान की तरफ, जहां से कोटगेट, लाभुजी का कटला, और दूसरी डीलक्स होटल के आगे से रेलवे स्टेशन, रानीबाजार, धोबीतलाई और राजीव गांधी मार्ग की ओर जा सकेंगे। इससे क्रॉसिंग पर घंटों खड़े रहकर इंतजार करने और जाम की समस्या से निजात मिलेगी। अंडरपास के लिए केवल मटका गली में संपत्तियों का अधिग्रहण होगा। कोयला में इसकी जरूरत ही नहीं पड़ेगी। कोटगेट आरयूबी बनने से पूरे इलाके में आमजन के लिए आवागमन सुचारू हो जाएगा। शहर के बीचोंबीच कोटगेट पर दो रेलवे क्रॉसिंग हैं, जो रोजाना 24 घंटे में 60 बार बंद होते हैं। लोगों को घंटों खड़े रहकर क्रॉसिंग खुलने का इंतजार करना पड़ता है और उसके बाद भी जाम लग जाता है। इसके समाधान के लिए सांखला फाटक अंडरपास और कोटगेट पर आरयूबी बनने का प्रस्ताव लंबे समय से पेचीदगियों में उलझा था। राज्य सरकार ने इसके लिए 35 करोड़ रुपए का बजट भी दे रखा है। काली माई होटल, एक दुकान, गुड्डू डिस्पोजल एंड केमिकल्स, विनीत प्रोविजनल स्टोर, भाटी प्रोविजन स्टोरी, गेट, स्टैंड साइकिल पेंटिंग, डेयरी, डिस्पोजल शॉप, विशाल लिफाफा भंडार, अग्रवाल भवन, खंडाराम स्टोर, पांच दुकानें, बी.एल. अग्रवाल, रतन रेडियो, झंवर घी, आसोपा होम्योपैथी समेत एक मकान को अवाप्ति के लिए नोटिस दिया गया है। यहां कुल 23 जनों को नोटिस दिया गया। नथमल एंड संस, ओमप्रकाश, डेमल दीपचंद, जमनादास-पन्नालाल, पेंटर भोज, स्टोर ओमप्रकाश, ओसवाल ट्रेडर्स, वाइन शॉप, मंजूबाला देवी, क्लोजअप शॉप, जयभारत स्टोर, मसाला शॉप इंद्रजीत सोलंकी, एन.आर. गेस्ट हाउस और प्याऊ। यहां कुल 13 जनों को नोटिस जारी किए गए हैं।

उदयपुर में सरकारी स्कूल की छत गिरी

उदयपुर, 7 अगस्त। उदयपुर के आदिवासी बाहुल क्षेत्र कोटडा के महाड़ी बंबूरिया फला के सरकारी उच्च प्राथमिक स्कूल की छत अचानक ढह गई। गनीमत रही कि हादसा बुधवार सुबह करीब 6 बजे हुआ। उस वक्त स्कूल में छात्र और शिक्षक मौजूद नहीं थे। नहीं, तो बड़ा खतरा हो सकता था। छत गिरने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। वहीं, सूचना पर एसडीएम हंसमुख कुमार भी पहुंचे। एसडीएम ने तुरंत ही जेसीबी की मदद से स्कूल के जर्जर भवन को तोड़ने का काम शुरू करवाया। साथ ही पास के अन्य भवन में ऑल्टरनेट व्यवस्था करते हुए स्कूल का संचालन शुरू कराया। शिक्षकों ने बताया कि बीते 2 साल से स्कूल भवन की हालत जर्जर है। उदयपुर के आदिवासी बाहुल क्षेत्र कोटडा के महाड़ी बंबूरिया फला के सरकारी उच्च प्राथमिक स्कूल की छत अचानक ढह गई। शिक्षक अरविंद ने बताया कि जर्जर हालत की वजह से नामांकन भी 225 से घटकर 190 हो गया। यह स्कूल 2021-22 में प्राथमिक से उच्च प्राथमिक में क्रमोन्नत हुआ था। तब से हम अतिरिक्त कमरे की मांग कर रहे हैं लेकिन सुनवाई नहीं हुई। जैसे-तैसे दो कमरों में सभी कक्षाएं संचालन करनी पड़ रही है। जर्जर हालत के बारे में शिक्षा अधिकारियों को पूर्व में अवगत कराया था।

शिव स्वामी हिमालय परिवार के पुन: प्रदेशाध्यक्ष मनोनीत

श्रीगंगानगर, 7 अगस्त। श्रीगंगानगर हिमालय परिवार एवं सिन्धु दर्शन यात्रा समिति की केंद्रीय बैठक दिल्ली में हुई। इसमें राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष पद के लिए आगामी कार्यकाल का दायित्व पुन: शिव स्वामी को सौंपा गया। राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने श्रीगंगानगर जिलाध्यक्ष मुनीश कुमार लड्ढा की पूरी टीम की श्रेष्ठ कार्यक्रमों के आयोजन के लिए सराहना की। हिमालय परिवार के वरिष्ठ संरक्षक इंद्रेश कुमार ने 22 से 27 जून 2026 तक लेह-लद्दाख जाने वाली 30वीं प्रस्तावित सिंधु दर्शन यात्रा को प्रथम सिंधु कुंभ के रूप में मनाने की घोषणा की। इस मौके पर स्मारिका का विमोचन भी किया गया।

वेतन, एरियर नहीं मिलने पर हॉस्पिटल संविदाकर्मी धरने पर

कार्य बहिष्कार के 3 घंटे बाद पीएमओ के आश्वासन पर लौटे, मरीज परेशान होते रहे

बाड़मेर, 7 अगस्त। बाड़मेर हॉस्पिटल में कार्यरत संविदा कर्मचारियों ने मानदेय, एरियर सहित विभिन्न मांगों को लेकर हॉस्पिटल परिसर में कार्य बहिष्कार कर धरना दे दिया। हॉस्पिटल [illegible] के आने के बाद संविदा कर्मियों को आश्वासन दिया गया। इसके बाद संविदा कर्मी अपने काम पर लौट आए। कर्मचारियों का कहना है कि दो दिन में हमें हमारा वेतन नहीं मिला तो फिर हम सभी कार्य का बहिष्कार कर देंगे। इससे मरीज करीब तीन घंटे परेशान हुए। दरअसल, संविदा निविदा कर्मचारी संघर्ष समिति बाड़मेर के बैनर तले हॉस्पिटल मे यश सिक्योरिटी सर्विसेज जोधपुर और प्रहलाद नारायण कांट्रेक्टर जयपुर की फर्म के मार्फत महिलाएं एवं पुरुष हॉस्पिटल में नर्सिंग स्टाफ, लैब टेक्नीशियन, कंप्यूटर ऑपरेटर और फार्मासिस्ट संविदा में कार्यरत है। इनका आरोप है कि हमें समय पर वेतन नहीं मिल रहा है। अभी हमारा दो माह से वेतन बकाया है। इससे आक्रोशित होकर संविदाकर्मियों ने मंगलवार को कार्य का बहिष्कार करते हुए हॉस्पिटल परिसर में धरने पर बैठ गए। सूचना मिलने पर पीएमओ उनसे वार्ता करने के लिए पहुंचे। करीब 3 घंटे के कार्य बहिष्कार के बाद जिला हॉस्पिटल के पीएम डॉ. बीएल मंसूरिया प्रदर्शन स्थल पर पहुंचे। आश्वासन दिया कि काम पर लौट आए। जल्द से जल्द वेतन, पीएफ और एरियर दिलाने का भरोसा दिलाया है। संविदा-निविदा कर्मचारियों ने पीएम के आश्वासन के बाद वापस काम पर लौट आए। संविदा-निविदा संघर्ष समिति बाड़मेर के अध्यक्ष अजय आचार्य ने बताया- स्वास्थ्य सेवाओं के फ्रंटलाइन योद्धा ही अपनी आवाज के लिए सड़क पर उतरने को मजबूर है। यश सिक्योरिटी सर्विसेज, जोधपुर एवं प्रहलाद नारायण कॉन्ट्रेक्टर ने 11 माह का एरियर नहीं दिया है। वहीं, हेल्पर ममता बताती है कि उसके परिवार का गुजारा इसी वेतन से चलता है। लेकिन इस बार सैलरी की लेटलतीफी की वजह से वह अपने भाई की कलाई पर राखी भी बमुश्किल बांध पाएगी।

मेडिकल कॉलेज प्रबंधन व ठेकेदार में लेबर चार्ज विवाद से 9 दिन से बिजली बंद

पाली, 7 अगस्त। मेडिकल कॉलेज में कंस्ट्रक्शन के दौरान 28 जुलाई को जेसीबी से केबल कट गई थी। इसके चलते 9 दिन से कॉलेज के एक भाग में बिजली बंद है। कॉलेज छात्रों का क्लास रूम में बैठना मुश्किल हो गया है। इतना ही नहीं पैथोलॉजी विभाग में बायोप्सी की जांच के लिए बांगड़ अस्पताल से भेजे जो रहे टिशु की जांच तक नहीं हो पा रही है। इससे मरीजों को कैंसर का समय पर पता नहीं चल पा रहा है। और उनका प्रॉपर इलाज शुरू नहीं हो पा रहा है। मजबूरी में कई लोग को बाहर जाकर निजी लैब से 1 हजार से 1200 रुपए खर्च करके बायोप्सी करवा रहे हैं। मेडिकल कॉलेज भवन में निर्माण चल रहा है। इसी जिसके चलते खुदाई के दौरान जेसीबी से कॉलेज के एकेडमिक सेक्शन की केबल नौ दिन पहले कट गई थी। इससे कॉलेज के एक भाग में बने पैथोलॉजी, फॉरेंसिक, पीएसएम व बायो केमेस्ट्री विभाग की लाइट बंद है। इससे कॉलेज में होने वाली बायोप्सी जांच तक बंद हो गई है। बांगड़ अस्पताल से रोज बायोप्सी के लिए औसतन 50 सैंपल आते हैं। इसके अनुसार करीब 450 सैंपल की जांच अटक गई है। जेसीबी से केबल कटी थी, ठेका कंपनी को करने का बोला तो मेटेरियल के अलावा 30 हजार रुपए लेबर चार्ज मांग रहा है। ठेका कंपनी और कॉलेज प्रबंधन के बीच विरोधाभास के चलते 9 दिन से केवल रिपेयरिंग का काम रुका हुआ है।

जिला कलेक्टर ने किया जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण

श्रीगंगानगर, 7 अगस्त। श्रीगंगानगर जिला कलेक्टर डॉ. मंजू ने सोमवार रात को हनुमानगढ़ रोड स्थित किसान चौक, गौतम बुद्ध नगर, दर्पण एनक्लेव और एसटीपी सहित नगर विकास न्यास के अधीनस्थ विभिन्न क्षेत्रों का अवलोकन किया। उन्होंने चौक सौंदर्यीकरण, पौधारोपण और अवैध होर्डिंग्स हटाने के लिए न्यास अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर ने बीते सप्ताह हुई अत्यधिक बारिश के कारण जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने बारिश के पानी की निकासी व्यवस्था के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जलभराव वाले क्षेत्रों में काले तेल का छिड़काव करवाने के साथ मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए फॉगिंग भी करवाई जाए। उन्होंने जलभराव वाले स्थानों को चिन्हित कर निकासी की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। हरियालो राजस्थान अभियान के तहत अधिकाधिक पौधारोपण करने और सड़क और डिवाइडर किनारे सुंदर पौधे लगाने के लिए भी कहा। जिला कलेक्टर ने मास्टर प्लान के अनुसार प्रस्तावित बस स्टैंड, ट्रांसपोर्ट नगर और बाजार स्थल के विकास की कार्य योजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसान चौक के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र में ग्राउंड वाटर रिचार्ज के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। कलेक्टर ने बारिश के पानी की निकासी के लिए बनाए गए बंधों (मिट्टी की दीवार) को मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने लवकुश वाटिका को और अधिक विकसित करने का सुझाव दिया, ताकि आगंतुकों को हरा-भरा माहौल मिल सके। साथ ही नगर विकास न्यास क्षेत्र में अवैध होर्डिंग्स हटाने और हनुमानगढ़ रोड का सौंदर्यीकरण करवाने के निर्देश दिए। इस मौके पर नगर विकास न्यास सचिव अशोक असीजा, एक्सईएन सुरेंद्र पूनिया सहित न्यास स्टाफ मौजूद रहा।

अजमेर में स्कूल की बिल्डिंग में आग से हड़कंप

अजमेर, 7 अगस्त। अजमेर के धोलाभाटा क्षेत्र में बुधवार सुबह 10:30 बजे प्राइवेट स्कूल किडजी के तीसरे फ्लोर में आग लग गई। आग लगने से धुआं फैलने से हड़कंप मच गया। बिल्डिंग मालिक और टीचर्स ने सभी बच्चों को स्कूल से बाहर निकाला। सूचना पर करीब 10 मिनट में फायर ब्रिगेड पहुंच गई और आग पर काबू पाया। बच्चों के परिजन भी दौड़ते हुए पहुंच गए। बच्चों को सुरक्षित देख राहत की सांस ली। तीसरे फ्लोर पर बिल्डिंग मालिक का घर है। आग वहां बने मंदिर शॉर्ट सर्किट होना बताया जा रहा है। हालांकि स्कूल की बिल्डिंग में आग लगने की जानकारी अलवर गेट थाना पुलिस के पास नहीं थी। असिस्टेंट फायर ऑफिसर सुरेंद्र मीणा ने बताया कि किडजी स्कूल में आग लगने की सूचना मिली थी। करीब दो गाड़ियां मौके पर भिजवाई गई थी। आग बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर लगी थी। आग पर काबू पा लिया गया है। शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल दिया गया था। अग्निशमन यंत्र और अन्य संसाधनों को लेकर जांच की जा रही है। बिल्डिंग मालिक डॉ रंजीता तंवर ने बताया कि बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर उनका घर है। शॉर्ट सर्किट होने पर आग लग गई थी। तुरंत भागते हुए नीचे पहुंची और स्कूल के सारे बच्चों को बाहर निकाल कर पास के कैंपस में भिजवा दिया था। स्टाफ को भी बाहर निकाल लिया था। सभी बच्चे सुरक्षित हैं। घर के अंदर नुकसान हुआ है। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया था।

सरकार के आदेश आना बाकी, डिपो तैयारी में जुटा

उदयपुर से चलेंगी 84 बसें, महिलाओं का लग्जरी बसों में लगेगा आधा किराया

उदयपुर, 7 अगस्त। रक्षाबंधन का पर्व 9 अगस्त को है हर साल की तरह इस बार भी राजस्थान पथ परिवहन निगम (रोडवेज) की ओर से इस दिन महिलाओं को बसों में निशुल्क यात्रा की सुविधा दी जाएगी। हालांकि सरकार ने अभी तक इसके लिए लिखित में कोई आदेश जारी नहीं किया है, लेकिन रोडवेज प्रबंधन ने इसकी तैयारियां शुरू कर दी हैं। रक्षाबंधन पर एक्सप्रेस, ब्लू लाइन और साधारण बसों में ही महिलाओं को निशुल्क यात्रा की सुविधा दी जाती है। इस कारण इन बसों में भारी भीड़ रहती है, जबकि लग्जरी बसों में सीट बुक होने के बाद अतिरिक्त यात्रियों को बैठाने की व्यवस्था नहीं होती। इन बसों में महिलाओं को निशुल्क यात्रा की सुविधा नहीं दी जाती, लेकिन टिकट राशि में 50 प्रतिशत छूट मिलती है। इसलिए भीड़ से बचने और कम्फर्ट टिकट के लिए लोग लग्जरी बसों में टिकट बुक करवा रहे हैं। वर्तमान में लग्जरी बसों में लगभग सभी सीटें फुल हो चुकी हैं। नि:शुल्क यात्रा का लाभ 8 अगस्त को रात 12 बजे से लेकर 9 अगस्त रक्षाबंधन के दिन रात 12 बजे तक मिलेगा। यह सुविधा केवल राज्य की सीमा के अंदर ही मान्य होगी। यानी राजस्थान के किसी भी शहर से दूसरे शहर तक पहुंचने के लिए महिला यात्री मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। यदि किसी दूसरे राज्य में जाना हो तो उसकी सीमा में प्रवेश के साथ ही गंतव्य स्थान तक का टिकट लेना होगा उदयपुर डिपो के पास कुल 84 बसों का बेड़ा है। अधिकारियों के अनुसार जिस रूट पर यात्रीभार ज्यादा रहेगा, वहां जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा।

लेपर्ड ने दो गांवों में कुत्तों का किया शिकार

उदयपुर, 7 अगस्त। उदयपुर के कुराबड़ ब्लॉक में लेपर्ड के मूवमेंट से लोगों में दहशत है। बीती रात भी दो अलग-अलग गांवों में लेपर्ड ने पालतू कुत्तों का शिकार कर लिया। पहली घटना ग्राम पंचायत गुडली के कालीमगरी गांव की है, जहां ग्रामीण भेरूलाल के घर के बाहर पालतू लेपर्ड ने कुत्ते को शिकार बनाया। सुबह परिजनों ने देखा तो कुत्ता गायब था। इधर-उधर तलाशने पर भी नहीं मिला। घर की दीवार पर लेपर्ड के नाखूनों के निशान दिखे। दूसरी घटना बोरी ग्राम पंचायत के आछट गांव की है, जहां लेपर्ड ने 2 कुत्तों को मार डाला। ग्रामीण शिवलाल पुत्र मावा राम पटेल ने बताया कि रात को कुत्तों के तेज चिल्लाने की आवाज आई। तभी तुरंत उठकर देखा तो लेपर्ड तेजी से भागता दिखाई दिया। कुराबड़ ब्लॉक में एक सप्ताह से लगातार लेपर्ड का मूवमेंट बना हुआ है। दो दिन पहले भी भींडर चौराहे पर लेपर्ड नजर आया था। 30 जुलाई को रोडीलाल पटेल के बाड़े में बंधे बछड़े पर हमला कर उसे मार दिया था। हाल ये है कि अब ग्रामीण अंधेरा होते ही बाहर निकलने से डर रहे हैं।

राज्यपाल-देश खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनने की राह पर

उदयपुर के आरसीए कॉलेज में बागड़े ने कहा जनसंख्या वृद्धि के साथ अन्नदाताओं ने बनाया खाद्यान्न में आत्मनिर्भर

उदयपुर, 7 अगस्त। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि कृषि बढ़ती है, तब ही देश आगे बढ़ता है। खाद्यान्न में आत्मनिर्भरता से विदेशी मुद्रा बचती है और कृषि आधारित उद्योग धंधे भी तेजी से पनपते हैं। इसलिए कृषि क्षेत्र के विकास में आने वाली चुनौतियों का समाधान खोजते हुए तेजी से आगे बढ़ने की आवश्यकता है। राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बागड़े ने कहा कि आजादी के समय देश की आबादी 36 करोड़ थी। इनके लिए पर्याप्त अन्न नहीं था। विदेशों से खाद्यान्न मंगवाना पड़ता था। तब देश के अन्नदाताओं ने मेहनत कर लोगों का पेट भरा। वर्तमान में आबादी 147 करोड़ हो चुकी है। कृषि भूमि भी कम हुई है, लेकिन देश में कृषि क्षेत्र ने तेजी से विकास किया। उन्होंने कहा कि अन्नदाताओं ने इन चुनौतियों को स्वीकार करते हुए उत्पादन बढ़ाया। इसी के परिणाम स्वरूप देश खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनने की राह पर है। आने वाले समय में चुनौतियां बढ़ेंगी। इसलिए कृषि क्षेत्र में नवीन शोध और उन्नत तकनीक पर निरंतर काम करने की आवश्यकता है। राज्यपाल बागड़े ने कहा कि भारत की पुरातन ज्ञान संपदा अतुलनीय है। हर विषय पर यहां बहुत पहले ही शोध कार्य हो चुके हैं। उन्होंने कृषि क्षेत्र में चक्रपाणि मिश्र की पुस्तक विश्व वल्लभ का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने खेत, सिंचाई की तकनीकों पर सदियों पहले ही लिख दिया है। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का अर्थ सिर्फ अंक लाना नहीं है। शिक्षा का सीधा संबंध बौद्धिक क्षमता विकास से है। सच्ची शिक्षा वहीं है जो विद्यार्थी को हर चुनौती का सामना करने के योग्य और समाधान करने में सक्षम बनाए। बागड़े ने स्वामी विवेकानंद, झांकी की रानी और वीरबाला कालीबाई का उदाहरण देते हुए कहा कि क्षमता, सामर्थ्य और भाव आयु के मोहताज नहीं होते। इन विभूतियों ने अल्प वय में जो भाव दिखाए वह वंदनीय हैं। बागड़े ने कहा कि राजस्थान में गर्मी कम करनी है और बारिश बढ़ानी है तो पेड़ लगाने होंगे। उन्होंने पानी बचाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गांव का पानी गांव में रहेगा तो खेती स्वतः ही बढ़ेगी। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के कुलगुरू डॉ अजीत कुमार कर्नाटक ने स्वागत उद्बोधन देते हुए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों से अवगत कराया। रिसर्च डायरेक्टर डॉ अरविन्द वर्मा ने पीपीटी के माध्यम से प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। राज्यपाल बागड़े ने राजस्थान कृषि महाविद्यालय परिसर में स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा को नमन किया। साथ ही तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय की ओर से संचालित महाराणा प्रताप शोध पीठ की गतिविधियों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की ओर से मोटे अनाज की नवीनतम किस्मों सहित अन्य उपयोग जानकारियों को लेकर प्रकाशित की गई कॉफी टेबल बुक दी मिलेट्स स्टोरी का भी विमोचन किया। इससे पहले राज्यपाल आज सुबह उदयपुर पहुंचे। राज्यपाल का स्थानीय अधिकारियों ने स्वागत किया। राज्यपाल सुबह करीब सवा आठ बजे सर्किट हाउस पहुंचे। यहां पर पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव, कलेक्टर नमित मेहता, बडगांव एसडीएम लतिका पालीवाल ने उनकी अगवानी की। राज्यपाल ने यहां अधिकारियों से चर्चा की। बाद में वे राजसमंद जिले के पिपलांत्री गए जहां पर पर्यावरण उत्सव 2025 में भाग लिया।

सरकारी टीचर ने छात्रा को दिया लव लेटर

बीकानेर, 7 अगस्त। बीकानेर में सरकारी स्कूल के लेक्चरर (टीचर) ने 11वीं की छात्रा को लव लेटर दे दिया। छात्रा ने इसकी जानकारी परिजन को दी तो हंगामा हो गया। छात्रा के पेरेंट्स और ग्रामीण बुधवार सुबह स्कूल पहुंचे। स्कूल के गेट को ताला लगाकर प्रदर्शन किया। हंगामे की सूचना पर पुलिस पहुंची और ग्रामीणों को उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी किशनदान चारण ने लेक्चरर को सस्पेंड कर दिया। टीचर का मुख्यालय भी डूंगरपुर कर दिया है। मामला खाजूवाला के दंतौर थाना इलाके का है। जानकारी के अनुसार, टीचर ने मंगलवार को छात्रा को लव लेटर दिया था। छात्रा ने इस लव लेटर की सूचना परिजनों को दी। परिजन ने इसकी शिकायत स्कूल प्रबंधन को दी। स्कूल ने शाम को माध्यमिक शिक्षा निदेशालय को इसकी शिकायत भेजी। वहीं, बुधवार सुबह परिजन और ग्रामीण स्कूल के बाहर पहुंच गए। आरोपी टीचर को निलंबित करने की मांग करने लगे। सुनवाई न होने पर स्कूल का गेट बंद कर ताला लगा दिया और धरने पर बैठ गए। इसके बाद स्कूल के बच्चों के पेरेंट्स भी वहां पहुंच गए। पेरेंट्स ने कहा कि बच्चियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। तालाबंदी की सूचना पर दंतौर पुलिस, शिक्षा विभाग से [illegible] मौके पर पहुंचे। उन्होंने मामले की विभागीय जांच करवाकर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इसके बाद दोपहर में निदेशालय से टीचर को निलंबित कर दिया गया।

औद्योगिक संगोष्ठी सात को, मंत्री-अफसरों सहित प्रदेशभर के उद्योगपति आएंगे

उदयपुर, 7 अगस्त। लघु उद्योग भारती की ओर से उदयपुर में पहली बार उद्योग, वन, पर्यावरण और खनिज विभाग से संबंधित समस्याओं पर केंद्रित औद्योगिक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। सात अगस्त को यह आयोजन चीरवा स्थित लाभगढ़ पैलेस होटल में होगा। इसका उद्देश्य स्टोन मार्ट-2026 के सफल आयोजन पर चर्चा के साथ उद्यमियों और शासन-प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है। कार्यक्रम में उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, राज्य मंत्री के के विश्नोई, प्रमुख शासन सचिव रोहित गुप्ता, प्रदूषण, वन और खनिज विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय और राज्य पदाधिकारी तथा राजस्थान के प्रमुख उद्योगपति भाग लेंगे। संयोजक कपिल सुराणा ने बताया कि पहला सत्र सुबह 10 बजे से होगा। इसमें ई-गवर्नेंस और सिंगल विंडो सिस्टम को प्रभावी बनाने, उद्योग अनुमतियों में विलंब, खनिज पट्टों के नवीनीकरण और पर्यावरणीय स्वीकृति की व्यावहारिक चुनौतियों पर चर्चा की जाएगी। दूसरे सत्र में सरकार की ओर से उद्यमियों के सुझावों पर संभावित सुधारों पर प्रकाश डाला जाएगा। संगोष्ठी के दौरान स्टोन मार्ट-2026 की तैयारियों पर विशेष चर्चा होगी। फरवरी-2026 में होने वाला यह अंतरराष्ट्रीय आयोजन भारतीय मार्बल उद्योग को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने का प्रमुख मंच होगा। कार्यक्रम में प्रदेशभर के उद्योगपति और व्यावसायिक संगठन भागीदारी करेंगे।

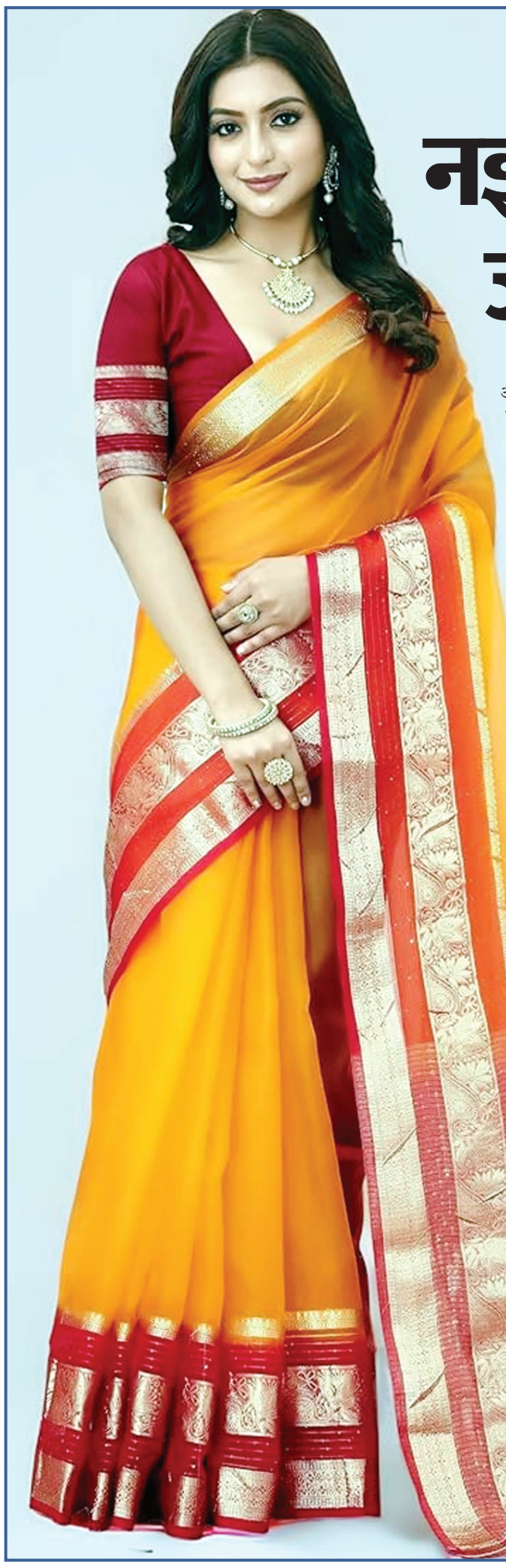

शादी के बाद है पहली रक्षाबंधन ?

नई दुल्हन मायके पहनकर जाएं ये ऑर्गेंजा साड़ियां

रक्षाबंधन का त्योहार बेहद नजदीक आने वाला है। ऐसे में शादी के बाद का पहला रक्षाबंधन हर लड़की के लिए बेहद खास होता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों को कलाई पर राखी बांधने के साथ खूब सज-धजकर मायके जाती हैं। इस दिन वो खुद को गॉर्जियस बनाने के एक भी मौका नहीं छोड़ती हैं। साड़ी से लेकर, गहने, मेकअप और हेयर स्टाइल सब कुछ एकदम अट्रैक्टिव होता है। यदि आपकी भी बहुत जल्द शादी हुई है और शादी के बाद पहली बार मायके में रक्षाबंधन मनाने जा रही हैं और अपने ऑउटफिट को लेकर अभी तक परेशान हैं कि आखिर उस दिन ऐसा क्या पहना जाए कि लुक प्रिटी नजर आए। आज हम आपको इस लेख में ऑर्गेंजा साड़ियों के डिजाइन दिखाने जा रहे हैं। जिनको आप स्टाइल करके अपना लुक फर्स्ट रक्षाबंधन पर ब्यूटीफुल बना सकती हैं। ऑर्गेंजा साड़ियां आजकल काफी ट्रेंड में भी चल रही हैं। इनको कैरी करने के बाद आपका लुक काफी मॉडर्न नजर आता है। इस तरह की साड़ियां हर उम्र की लड़कियों पर जंचती हैं।

रेड ऑर्गेंजा साड़ी

नई नवेली दुल्हन के लिए लाल रंग काफी अच्छा माना जाता है। ऐसे में आप अपने पहले रक्षाबंधन पर रेड कलर की ऑर्गेंजा साड़ी को स्टाइल कर सकती हैं। यह साड़ी आपके लुक को ग्लैमरस टच देगी। रेड कलर की ऑर्गेंजा साड़ी पर सिल्वर कलर के सितारों का वर्क किया गया है। साथ में साड़ी का बॉर्डर भी काफी ब्रॉड रखा गया है। ऐसे कम साड़ी का ऑलओवर लुक काफी जंच रहा है। रेड कलर की साड़ी फेयर स्किन टोन पर काफी खिलती है। इसके संग आप सिल्वर कलर का स्लीक सा नेकलेस और स्मॉल झुमकी पहनें। साथ में बन हेयर स्टाइल और ग्लॉसी मेकअप रखें। यह साड़ी आपको 800 से 1200 रुपये में रख सकती हैं।

डिजिटल प्रिंट ऑर्गेंजा साड़ी

आप इस बार रक्षाबंधन पर डिजिटल प्रिंट ऑर्गेंजा साड़ी को पहनकर जा सकती हैं। यह साड़ी आपके लुक को एकदम मॉडर्न लुक देंगी। स्काई ब्लू साड़ी के साथ रेड कलर का प्लेन स्लीवलेस ब्लाउज कैरी किया गया है। ऐसे में लुक और भी ज्यादा क्लासी लग रहा है। साथ में गोल्डन कलर का चोकर नेकलेस मैचिंग इयररिंग्स और बैंगिल्स लुक को और भी ज्यादा इंप्रेसिव बना देंगी। आप चाहे तो इस साड़ी के साथ मांग टीका भी लगा सकती हैं। इस ऑर्गेंजा साड़ी के संग आप स्ट्रेट हेयर और न्यूड मेकअप रखें।

बॉर्डर वाली ऑर्गेंजा साड़ी

यदि आपको पहले रक्षाबंधन पर एलिगेंट लुक में नजर आना है, तो आप बॉर्डर वाली ऑर्गेंजा साड़ी को स्टाइल कर सकती हैं। ऑफ व्हाइट कलर की ऑर्गेंजा साड़ी के साथ रेड कलर का ब्लाउज परफेक्ट मैच लग रहा है। साड़ी के बॉर्डर पर रेड और गोल्डन कलर के सितारों का वर्क किया गया है। जबकि ब्लाउज पर गोल्डन कलर के सितारों और थ्रेड का वर्क किया गया है। इसके साथ आप पर्ल झुमकी और हाथों में ब्रासलेट पहन सकती हैं। साथ में फंकी हेयर स्टाइल लुक काफी खिलेगा। यह साड़ी आपको ऑनलाइन 1000 से 1500 रुपए के बीच मिल जाएगी।

रक्षाबंधन के लिए बेस्ट हैं ये आसान हेयर स्टाइल

किसी भी मौके पर महिलाओं को अपना लुक खूबसूरत बनाना बेहद पसंद होता है। इसके लिए वो काफी मेहनत भी करती हैं। फेस्टिवल आने से कई दिन पहले से वो अपना लुक इंप्रेसिव बनाने का सोचने लगती हैं। किस तरह त्योहार के खास मौके पर खुद को गॉर्जियस बनाया जाए। ऐसे में ऑउटफिट सलेक्शन के बाद महिलाएं अपनी हेयर स्टाइल को लेकर सबसे ज्यादा सोचती हैं। दरअसल, हेयर स्टाइल हर किसी से बन नहीं पाती हैं। ऐसे में अपने कई लेडीज को कहते भी सुना होगा कि मेकअप करना आसान है, लेकिन हेयर स्टाइल बनाना एक कठिन टास्क होता है। जिसको हर कोई खुद से नहीं बना सकता है। इसके लिए हमें किसी की मदद लेनी होती है और कभी तो हेल्प के बावजूद भी परफेक्ट हेयर स्टाइल नहीं बन पाती है। यह बात तो हर महिला जानती है कि किसी भी खास मौके पर खुद को परफेक्ट लुक देने के लिए ऑउटफिट के बाद आप एक सुंदर सी हेयर स्टाइल को बना सकती हैं। इससे आप बेहद खूबसूरत नजर आएंगी। ऐसे में रक्षाबंधन का त्योहार बेहद नजदीक आने वाला है। अगर आप इस त्योहार पर खुद को मॉडर्न लुक देना चाहती हैं तो आज हम आपके लिए कुछ ट्रेंडी और आसान हेयर स्टाइल लेकर आए हैं। जिनको आप आसानी से बना सकती हैं। यह हेयर स्टाइल आपके लुक को खूबसूरत बना देंगी। आइए जान लेते हैं इनको बनाने के तरीका।

ब्रेड हेयर स्टाइल

यदि आपके बाल लंबे हैं फिर तो यह ब्रेड हेयर स्टाइल आपके लिए परफेक्ट है। इस हेयर स्टाइल में या तो आप नार्मल चोटी या फिर फिश टेल या फिर फ्रेंच चोटी बना सकती हैं। इस तरह की हेयर स्टाइल काफी ट्रेडिशनल लुक देती है। यदि आप शादीशुदा हैं फिर तो यह आपके लिए बेस्ट हेयर स्टाइल है। इसके लिए आपको सबसे पहले अपने बालों की ब्रेड हेयर स्टाइल बना लेनी है। इसके बाद आपको मार्केट से ब्रेड हेयर स्टाइल के लिए मिलने वाली एक्सेसरीज को बालों में लगा लें। इससे आपकी ब्रेड हेयर स्टाइल और भी ज्यादा खूबसूरत दिखेगी। ऐसे में यदि आप इस राखी पर साड़ी कैरी कर रही हैं फिर तो यह आपके लिए बेस्ट रहेगी।

ब्रेड बन हेयर स्टाइल

अगर आपको इंडियन लुक में परफेक्ट नजर आना है तो रक्षाबंधन के लिए ब्रेड बन हेयर स्टाइल से बेहतर कोई ऑप्शन नहीं है। इसमें आपका लुक बेहद क्लासी नजर आएगा। यह बन हेयर स्टाइल बहुत जल्दी बनकर तैयार भी हो जाती है। ऐसे में आप इसको एक बार जरूर बनाकर देखें। इसको बनाने के लिए आपको या तो बहुत सारी चोटियां बना लेनी हैं। इसके बाद राउंड करते हुए बन बना लेना है। आखिर में एक ब्रेड से आपको बन को कवर करना है। बाहर की ओर आपको हेयर एक्सेसरीज लगानी है। इससे आपका ब्रेड बन हेयर स्टाइल लुक बनाकर तैयार हो जाएगा।

ओपन विद कर्ल हेयर स्टाइल

राखी पर आपको एकदम सिंपल और मॉडर्न हेयर स्टाइल चाहिए तो आप बालों को पहले कर्ल करें। उसके बाद आपको पिन को मदद से हाफ बाल लेकर उन्हें टक करना है। अब आप मार्केट में मिलने वाली हेयर एक्सेसरीज को लाकर अपने बालों में लगा लें। यह हेयर स्टाइल फेस्टिवल के मौके पर काफी स्टाइलिश लुक देती है। खासकर इन गर्ल्स इसको बेहद पसंद करती हैं। यह आसानी से बहुत जल्द बनकर तैयार भी हो जाती है।

मॉडर्न लुक के लिए ये श्रग और प्लाजो का परफेक्ट स्टाइल

दिखेंगी सबसे अलग ....

रक्षाबंधन का त्योहार आने वाला है और इस खास मौके पर महिलाएं सुंदर और खास दिखना चाहती हैं। कई महिलाएं इस मौके पर सूट या साड़ी स्टाइल करने का सोचती हैं, लेकिन अगर आप कुछ न्यू ट्राई करना चाहती हैं और मॉडर्न लुक चाहती हैं, तो आप प्लाजो, श्रग और टॉप का सेट चुन सकती हैं। यह आउटफिट न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट है और इसमें आपका लुक सुंदर नजर आएगा।

एम्ब्रॉयडरी वर्क प्लाजो

अगर आपको लाइट कलर का आउटफिट पसंद है, तो आप इस तरह का एम्ब्रॉयडरी वर्क प्लाजो, श्रग और टॉप सेट चुन सकती हैं। इस आउटफिट में टॉप और श्रग के बॉर्डर पर एम्ब्रॉयडरी की गई है और प्लाजो सिंपल है। यह आउटफिट न्यू लुक पाने के लिए बेहतरीन है। वहीं, इस आउटफिट में अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए आप मिरर वर्क ज्वेलरी स्टाइल कर सकती हैं, साथ ही बन हेयर स्टाइल आपके लुक को स्टाइलिश टच देने का काम करेगी।

फ्लोरल प्रिंट श्रग, प्लाजो

रक्षाबंधन के मौके पर न्यू लुक पाने के लिए आप इस तरह के फ्लोरल प्रिंट श्रग, प्लाजो और टॉप सेट का चुनाव कर सकती हैं। इस आउटफिट मेंप्लाजो और टॉप सिंपल हैं और इसमें जो श्रग है, वो फ्लोरल प्रिंट में है। इस तरह के आउटफिट में आपका लुक सुंदर नजर आएगा, साथ ही आप स्टाइलिश भी दिखेंगी। इस आउटफिट के साथ स्टाइलिश लुक पाने के लिए आप चोकर या पर्ल वर्क इयररिंग्स पहन सकती हैं।

प्रिंटेड टॉप, श्रग और प्लाजो

स्टाइलिश लुक के लिए आप इस तरह का प्रिंटेड टॉप, श्रग और प्लाजो पहन सकती हैं। इस प्रिंटेड टॉप, श्रग और प्लाजो में आपका लुक अलग और अट्रैक्टिव नजर आएगा, साथ ही आप सुंदर भी लगेंगी। इस आउटफिट के साथ आप स्टोन वर्क ज्वेलरी पहन सकती हैं। वहीं, बालों को आप खुला करके स्टाइल कर सकती हैं।

रक्षाबंधन के लिए बनवा लें नेकलाइन वाले ब्लाउज

सिंपल साड़ी में भी दिखेंगी सुंदर

राखी का त्योहार आने में बस कुछ ही दिनों का समय बचा है। ऐसे में अब तक अधिकतर महिलाओं ने फेस्टिव लुक को खूबसूरत बनाने के लिए शॉपिंग कर ली होगी। आखिर हर बहन इस दिन अपने भाई को प्यारी सी राखी बांधने के साथ खुद को भी उससे ज्यादा सुंदर देखना चाहती है। ऐसे में कई दिन पहले से तैयारियां शुरू हो जाती हैं। ताकि रक्षाबंधन पर सबसे जुदा नजर आ सकें।

स्वीट हार्ट नेकलाइन

अगर आपने इस बार पहनने के लिए कोई कॉटन साड़ी खरीदी है और उसका ब्लाउज कंट्रास्ट कलर में प्रिंटेड है तो उसके संग आप ब्लाउज की नेकलाइन को स्वीट हार्ट शेप में बनवा सकती हैं। ब्लाउज की स्वीट हार्ट नेकलाइन आपके लुक को क्लासी टच देती है। यदि आपको अपना लुक स्मार्ट बनाना है तो आप अपने ब्लाउज की नेकलाइन को इस शेप में जरूर बनवाएं। आप नेकलाइन के बॉर्डर पर पाइपिन या फिर पतली लेस भी लगवा सकती हैं।

डीप वी नेकलाइन

इस तरह की नेकलाइन फॉरएवर रहती हैं। यह आपके रक्षाबंधन लुक को फैशनेबल बना देंगी। ऐसे में आप इसको जरुर बनवाएं। अगर आपकी साड़ी बॉर्डर वाली है फिर तो डीप वी नेकलाइन आपके लिए बेस्ट रहेगी। साड़ी नही बल्कि हर कोई आपके ब्लाउज की नेकलाइन को जरुर निहारता रह जाएगा।

ब्रॉड जिग जैक नेकलाइन

यदि आपके कंधे ब्रॉड है तो आपके लिए ब्रॉड जिग जैक नेकलाइन बेस्ट रहेगी। इस तरह की नेकलाइन कैरी करने के बाद आपका लुक मॉडर्न नजर आता है। यदि आपने इस बार राखी के लिए टिशू साड़ी खरीदी है तो आपके लिए यह नेकलाइन परफेक्ट है। ब्लाउज की बाजू पर आप भी इस तरह से फ्रिल लगवा सकती हैं। यह ब्लाउज आपके ऑलओवर लुक को स्टाइलिश बना देगा। इस ब्लाउज को टेलर आसानी से बनवा देगा।

यंग गर्ल्स पहनें ऐसे पेप्लम स्टाइल सूट, लुक दिखेगा सबसे जुदा

भाई-बहन के प्यार का प्रमुख पर्व राखी बस कुछ ही दिनों में आने वाला है। ऐसे में इस खास मौके पर हर कोई अपना लुक स्टाइलिश बनाना चाहता है। लड़कियां हर त्योहार पर अपना लुक इम्प्रेसिव बनान चाहती हैं। इसके लिए उनको हालांकि थोड़ी मेहनत जरूर करनी पड़ती है। ऐसे में फेस्टिवल के लिए एथनिक लुक बेस्ट रहता है।

शिफॉन सूट लुक

आप इस तरह के शिफॉन सूट कैरी करके आप अपना लुक स्टाइलिश बना सकती हैं। ऐसे सूट यंग गर्ल्स को काफी ग्लैमरस लुक देते हैं। आपको इस तरह के सूट फैब्रिक लेकर भी आसानी से सिलवा सकती हैं। रक्षाबंधन के लिए आप इस बार पेप्लम सूट को जरूर स्टाइल करें।

मिरर वर्क पेप्लम सूट

रक्षाबंधन पर यदि आप अपना लुक सबसे जुदा बनाना चाहती हैं, तो आप इस तरह के मिरर वर्क सूट को खरीद सकती हैं। ऐसे सूट आपके राखी लुक को परफेक्ट बना देंगे। इनको कैरी करने के बाद आप एकदम अप्सरा नजर आएंगी। प्लेन शरारा के साथ मिरर वर्क हाल्टर नेक कुर्ती आपके लुक को गॉर्जियस बना देंगी।

सिल्क पेप्लम सूट

यदि आपको पेप्लम सूट लुक रक्षाबंधन पर कैरी करना है तो आप सिल्क पेप्लम सूट को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के सूट आपके लुक को रॉयल टच देते हैं। फेस्टिव सीजन में इस तरह के सिल्क सूट काफी खूबसूरत लुक देते हैं।

सार समाचार

भास्करानंद महाराज की पुण्यतिथि पर उमड़ा जनसैलाब

बहरोड़, 7 अगस्त (निसं)। कस्बे के दादा की ढाणी स्थित बाबा भास्करानंद मंदिर परिसर में बुधवार को संत बाबा भास्करानंद महाराज की 23वीं पुण्यतिथि बड़े ही श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित भंडारे में क्षेत्रभर से आए लगभग 40 हजार श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण कर पुण्य लाभ कमाया।

कार्यक्रम की शुरुआत मंगलवार देर रात से हो गई थी। बाबा के परम भक्तों, विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं ने पूरी श्रद्धा के साथ दंडवत परिक्रमा की। बुधवार सुबह विधिवत हवन-पूजन और धार्मिक अनुष्ठानों के साथ पुण्यतिथि समारोह का शुभारंभ हुआ। भक्तों ने बाबा के दरबार में मत्था टेककर अपने परिवार की सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर को सुंदर तरीके से सजाया गया था, जिससे वातावरण पूर्णत: भक्तिमय हो गया।

व्यवस्थाएं रहीं चाक-चौबंद : आयोजन की व्यवस्थाओं को बाबा भास्करानंद सेवा समिति ने बखूबी संभाला। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, जूता-चप्पल स्टॉल, वाहन पार्किंग, और झूठे पत्तलों के निस्तारण की समुचित व्यवस्था की गई थी। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए पुलिस प्रशासन की ओर से पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किया गया। समिति सदस्यों ने बताया कि यह आयोजन हर वर्ष बाबा की पुण्यतिथि पर श्रद्धालुओं की सेवा और समाज में एकता के संदेश को लेकर किया जाता है।

निःशुल्क जोड़ रोग परामर्श शिविर कल

अलवर, 7 अगस्त (निसं)। महावीर इंटरनेशनल अलवर केंद्र द्वारा संचालित आचार्य हस्ति चिकित्सालय, 1 शांतिकुंज, भवानी तोप सर्किल, मीनल होटल के पास, अलवर में 8 अगस्त 2025, शुक्रवार को नि:शुल्क जोड़ रोग परामर्श शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक चलेगा।

केंद्र सचिव वीर सूर्यकांत भारद्वाज ने बताया कि शिविर में फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, जयपुर से डॉ. अनूप झुरानी (रोबोटिक्स एवं कंप्यूटर एडेड जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ) की टीम शामिल होगी। टीम के सदस्य डॉ. गौरव अरड़ावतिया (हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ) मरीजों को नि:शुल्क परामर्श देंगे।

पावन धाम मंदिर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी 16 को

अलवर, 7 अगस्त (निसं)। अपना घर शालीमार ऑफिसर एनक्लेव-2 रेजिडेंट सोसायटी, 14 बीघा स्थित पावन धाम मंदिर में 16 अगस्त 2025, शनिवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व बड़े हर्षोल्लास और धार्मिक उत्साह के साथ मनाया जाएगा।

सोसायटी प्रवक्ता जितेंद्र सेतिया ने बताया कि जन्माष्टमी के अवसर पर विशेष भजन संध्या का आयोजन होगा, जिसमें कमल कान्हा सुखवानी, गोपालगढ़ से राहुल ब्रजवासी और गाजियाबाद से नेहा शर्मा व जयदीप स्वर संगम ऑर्केस्ट्रा ग्रुप अपनी मधुर भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर करेंगे।

इस अवसर पर मंदिर को आकर्षक रोशनी और सजावट से संवार दिया जाएगा। भगवान श्री कृष्ण की विशेष पूजा-अर्चना होगी और श्रद्धालु उपवास रखकर भगवान के जन्म उत्सव में सहभागी बनेंगे।

खेड़की स्कूल में 51 पौधे लगाए

बहरोड़, 7 अगस्त (निसं)। लायंस क्लब बहरोड़ किंग्स द्वारा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय खेड़की में जन्मदिवस के अवसर पर 4 फुट तक ऊंचाई के 51 पौधे लगाए गए व सार संभाल की जिम्मेदारी ली गई।

इस अवसर पर मेंबरशिप कमेटी चेयरमैन एम जे एफ प्रमोद अग्रवाल ने वृक्षारोपण कार्यक्रम के अवसर पर संबोधित करते हुए सर्वप्रथम कल उत्तराखंड में हुई विषम त्रासदी पर खेद जताया और कहा पेड़ पौधे हमारे प्रकृति का श्रृंगार, गहना हैं। इस तरह की हो रही त्रासदियां प्रकृति की निरंतर दोहन का परिणाम है हम सभी को प्रकृति प्रेमी बनना पड़ेगा और प्रकृति को सहज कर रखना पड़ेगा तभी इस तरह की त्रासदी से बचा जा सकता है। कार्यक्रम के संयोजक विपिन अग्रवाल रहे।

इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष एम जे एफ दिनेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष प्रवीण सैनी, प्रदीप यादव, राकेश अग्रवाल, आलोक अग्रवाल, नवीन गोयल, प्यारेलाल सैनी, प्रधानाध्यापक रेखा रोहिल्ला सहित शाला स्टॉफ मौजूद रहा।

गूंती में बाबा नरसिंह महाराज का भंडारा कल

बहरोड़, 7 अगस्त (निसं)। गांव गूंती में 8 अगस्त को बाबा नरसिंह महाराज का भंडारा भामाशाह रामावतार यादव के द्वारा किया जा रहा है। इस दौरान सुबह हवन कार्यक्रम और उसके बाद शाम तक प्रसादी कार्यक्रम चलेगा व हरयाणवी गायक कलाकार सुरेश गोला द्वारा रागनी रंगारंग कार्यक्रम रहेगा। यह जानकारी पंचायत समिति के सदस्य बाबूलाल यादव ने दी।

ढ़ाणी डूंगरिया में सीसी सड़क का उद्घाटन

नारायणपुर, 7 अगस्त (निसं)। बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत बुधवार को नारायणपुर तहसील के एक दिवसीय दौरे पर रहे। इस दौरान मंडल अध्यक्ष संदीप सैनी द्वारा गठित नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह बाबा पुरुषोत्तम दास आश्रम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक शेखावत मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे और नव नियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई।

उन्होंने पार्टी के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प भी दिलवाया। इसके बाद विधायक शेखावत ने नगरपालिका द्वारा ढाणी डूंगरीया में जगदीश जी महाराज मेले के दौरान 4.95 लाख रुपये की लागत से बनी सीसी सड़क का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस मौके पर उनका माला और साफा पहनाकर स्वागत किया गया।

विधायक शेखावत ने अपने संबोधन में कहा कि सभी विकास कार्य बिना किसी भेदभाव के जनहित में किए जा रहे हैं, ताकि समाज के हर वर्ग को विकास का लाभ मिल सके। कार्यक्रम में चेयरमैन मन्नी देवी, थानाधिकारी ओमप्रकाश मीणा, पूर्व सरपंच श्याम सिंह तंवर, पार्षद प्रतिनिधि मुकेश गोठवाल, मंडल अध्यक्ष संदीप सैनी, सत्येंद्र शर्मा, डेलीगेट विजय गोठवाल, पूरा देवी, कांग्रेस नगर अध्यक्ष सुभाष सैनी का मेला कमेटी द्वारा माला और साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर पूर्व उपसरपंच भवानी शंकर सैनी, सुल्तान राम सैनी, घनश्याम सराधना, सुनील शर्मा, जयराम सैनी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

फ्लैगशिप योजनाओं, बजट घोषणाओं एवं संपर्क पोर्टल की समीक्षा

अलवर, 7 अगस्त (नसं)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने कलक्ट्रेट सभागार में बैठक लेकर फ्लैगशिप योजनाओं व बजट घोषणाओं में प्रगति, राजस्थान संपर्क पोर्टल लंबित परिवादों एवं इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट कार्यों आदि की विस्तृत समीक्षा कर जिला स्तरीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने फ्लैगशिप योजनाओं की विभागवार समीक्षा करते हुए जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि फ्लैगशिप योजनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग कर उनमें लक्ष्यानुसार प्रगति सुनिश्चित करें।

साथ ही यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पात्र व्यक्ति इन योजनाओं से लाभांवित होने से वंचित ना रहे। उन्होंने विभागवार योजनाओं में प्रगति की वस्तुस्थिति जानकर संबंधित अधिकारियों को सैचुरेशन स्तर तक क्रियान्वित कराने के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने बजट घोषणाओं में प्रगति की समीक्षा कर निर्देश दिये कि निर्धारित टाइमलाइन में बजट घोषणाओं के कार्यों को चरणबद्ध रूप से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने प्रत्येक बजट घोषणा की प्रगति पर विस्तृत चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक प्रक्रियागत कार्यवाही को पूर्ण कराकर यथाशीघ्र इनकी धरातल पर क्रियान्विति कराने के निर्देश दिए, ताकि आमजन को बजट घोषणाओं का त्वरित लाभ मिल सके।

उन्होंने जिला शिशु अस्पताल में जिले व आसपास के राज्यों के शिशु मरीजों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए शिशु चिकित्सालय के विस्तार एवं सुविधाओं में इजाफा करने हेतु सीएमएचओ, पीएमओ, एससी पीडब्ल्यूडी व एससी यूआईटी की संयुक्त समिति का गठन किया। उन्होंने समिति के सदस्यों को निर्देशित किया कि आगामी 20 वर्ष की कार्ययोजना को दृष्टिगत रखते हुए चिकित्सालय में आधुनिक सुविधाएं विकसित करने हेतु 15 दिनों में नक्शा आदि कार्य योजना तैयार कर डीपीआर बनाए। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि डीएमएफटी फण्ड के अनुरूप बजट घोषणाओं की कार्य योजना बनाकर उनके अगले सप्ताह तक प्रस्ताव तैयार करें। उन्होंने आरवीपीएनएल के अधिशासी अभियन्ता को निर्देश दिये कि कठूमर में 132 केवी के सब स्टेशन हेतु उपखण्ड अधिकारी से समन्वय कर भूमि आवंटित कराना सुनिश्चित करें।

उन्होंने यूआईटी सचिव को निर्देश दिये कि बहरोड, तिजारा रोड आदि स्थानों पर फूड स्ट्रीट हेतु भूमि चिन्हित कर कार्य योजना तैयार करें। उन्होंने कहा कि मुंगस्का नर्सरी से हनुमान सर्किल तक व हनुमान सर्किल से नमन होटल तक बजट घोषणा के 10 करोड रूपये की राशि से नाला निर्माण हेतु डीपीआर तैयार हो चुकी है अत: यूआईटी वर्षा ऋतु से पहले दोनों स्थानों पर नाला निर्माण का कार्य पूर्ण करें।

उन्होंने निर्देश दिये कि विद्यार्थियों एवं आमजन को प्राकृतिक वातारण में अध्ययन की सुविधा प्रदान करने हेतु ओपन लाइब्रेरी बनाए जाने के प्रस्ताव तैयार कर भूमि चिन्हित करें। उन्होंने निर्देश दिये कि एनकेप व एनसीआरपीबी के तहत प्रस्ताव तैयार करें। उन्होंने यूआईटी द्वारा डेढ लाख रूपये की लागत से तूलेडा रोड व सूर्य नगर बाई पास पर लगाई गई रोड लाइट के कार्य की सराहना की। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देश दिये कि तांगा स्टैण्ड व महिला चिकित्सालय में 15 दिवसों में पिंक टॉयलेट बनवाना सुनिश्चित करें।

उन्होंने हनुमान चौराहे पर बनाए जाने वाले बस स्टैण्ड की भूमि पर से विद्युत लाइन शिफ्ट कराने के कार्य में उदासीनता बरतने पर रोडवेज के प्रबंधक पर नाराजगी जाहिर कर निर्देश दिये कि सीएमडी स्तर पर वार्ता कर कार्य को पूर्ण करावे।

उन्होंने राजस्थान सम्पर्क पोर्टल की समीक्षा कर निर्देश दिये कि आमजन की ग्रीवेंस का समाधान प्राथमिकता से यथाशीघ्र सुनिश्चित हो, इसके लिए प्रतिदिन संबंधित अधिकारी पोर्टल का अवलोकन कर इस पर आने वाली परिवेदनाओं का गुणवत्ता के साथ निर्धारित टाइमलाइन में निस्तारण करना सुनिश्चित करें, परिवादियों की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण निवारण होने से उनके संतुष्टि स्तर में वृद्धि होगी। साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि मुख्यमंत्री जनसुनवाई मॉनिटरिंग सिस्टम व अन्य जनसुनवाई से प्राप्त परिवेदनाओं का भी गुणवत्ता के साथ त्वरित निराकरण किया जावे।

उन्होंने राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त होने वाली परिवेदनाओं के निस्तारण में विलम्ब कर लापरवाही बरतने पर प्रदूषण नियंत्रण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी, वाडरशेड के अधीक्षण अभियन्ता, एडीपीएस समसा व गौरी देवी महाविद्यालय के प्राचार्य को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।

बैठक में एडीएम द्वितीय योगेश डागुर, यूआईटी सचिव धीगदे स्नेहल नाना, सीएमएचओ डॉ. योगेन्द्र शर्मा, पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियन्ता भूरी सिंह, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता रमेश चन्द शर्मा, डीटीओ सुरेश यादव, जीएम डीआईसी एम. आर मीना, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक मेश मीणा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक क्षमण सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मालाखेड़ा अभिभाषक संघ कार्य स्थगन पर दो गुटों में बंटा

मालाखेड़ा, 7 अगस्त (नसं)। अभिभाषक संघ मालाखेड़ा में कार्य स्थगन को लेकर मतभेद उभर आए हैं। बुधवार को संघ के सचिव देवेंद्र प्रधान और पूर्व अध्यक्ष कान सिंह नरूका के नेतृत्व में वकीलों की बैठक आयोजित हुई, जिसमें कार्य स्थगन का विरोध करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद उपखंड अधिकारी (एसडीएम) मालाखेड़ा को ज्ञापन सौंपकर अवगत कराया गया कि वकील जनहित में न्यायालयीन कार्य सामान्य रूप से जारी रखेंगे।

सचिव देवेंद्र प्रधान ने बताया कि तहसीलदार के खिलाफ चल रहा धरना-प्रदर्शन जनहित में नहीं है, इसलिए एक दर्जन से अधिक अधिवक्ताओं ने उसका बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। ये अधिवक्ता सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट कार्यालय और उपखंड अधिकारी न्यायालय, मालाखेड़ा में विधिवत रूप से सभी कार्य करेंगे।

ज्ञापन सौंपने के दौरान सचिव देवेंद्र प्रधान, पूर्व अध्यक्ष कान सिंह नरूका, रिपुदमन सिंह नरूका, पी.सी. मीणा, जनक सिंह, नूरुद्दीन खान, रामनिवास जाट, निराकार शर्मा, रामभरोस चौधरी, विष्णु कुमार लहरपुरिया और मदन मीणा सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

अभिभाषक संघ अध्यक्ष फूल सिंह चौधरी ने बुधवार को दोनों न्यायालयों में कार्य स्थगन के लिए पत्र जारी किया था और तहसील कार्यालय में पंजीयन अधिकारी व पंजीयन बाबू के निलंबन की मांग को लेकर धरने पर बैठे रेड राइटर और स्टांप विक्रेताओं का समर्थन किया। इससे अभिभाषक संघ अब दो गुटों में बंट गया है। एक गुट कार्य स्थगन का समर्थन कर रहा है, जबकि दूसरा गुट न्यायालयीन कार्य सामान्य रूप से जारी रखेगा।

प्रशासन ने दो ग्राम पंचायतों में खुलवाए रास्ते

नारायणपुर, 7 अगस्त (निसं)। उपखंड क्षेत्र में बुधवार को प्रशासन ने दो अलग-अलग ग्राम पंचायतों में जेसीबी मशीन की सहायता से तहसीलदार अनिल कुमार ने अवरुद्ध रास्ते खुलवाए। ग्राम पंचायत चांदपुरी के डूंगा का बास में एसडीएम कोर्ट के आदेशानुसार रास्ता खुलवाया गया। वहीं ग्राम पंचायत गढ़ी में भी उच्चाधिकारियों के निर्देश पर प्रशासन ने कार्रवाई कर रास्ता खुलवाया।

रास्ता खोलने के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए थानाधिकारी ओमप्रकाश मीणा मय जाप्ता मौके पर मौजूद रहे। प्रशासन की इस कार्रवाई पर ग्रामीणों ने आभार जताया। इस दौरान भू-अभिलेख निरीक्षक अनुराग शर्मा, हल्का पटवारी अमरचंद मीणा और राजेश गुर्जर भी मौजूद रहे।

खैरथल-तिजारा जिले के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम

खैरथल, 7 अगस्त (निसं)। खैरथल-तिजारा जिले के स्थापना दिवस-2025 के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में 7 अगस्त 2025 को जिलेभर में सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने बताया कि स्थापना दिवस के दिन दोपहर 1 बजे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, खैरथल में रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इन प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं द्वारा अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

उन्होंने बताया कि शाम 7 बजे लक्ष्मी नारायण मंदिर, पुरानी अनाज मंडी, खैरथल में भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर लोक कलाकारों द्वारा पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जिससे स्थापना दिवस का उत्सव और भी मनोरम बनेगा।

किशनगढ़बास उपकारागृह का निरीक्षण

किशनगढ़बास, 7 अगस्त (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलवर के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में बुधवार को एक महत्वपूर्ण औचक निरीक्षण का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर के सचिव मोहनलाल सोनी ने किशनगढ़ बास स्थित उपकारागृह (सब-जेल) में बंदियों को दी जा रही मूलभूत सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सचिव सोनी ने उपकारागृह अधिकारियों से बंदियों की रहन-सहन, सुरक्षा, भोजन, चिकित्सा सेवाओं, साफ-सफाई, शौचालय, और कानूनी सहायता जैसी महत्वपूर्ण आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने जेल परिसर में घूमकर सभी व्यवस्थाओं को देखा और व्यक्तिगत रूप से 190 बंदियों से संवाद भी किया।

निरीक्षण के दौरान कई बंदियों ने चिकित्सा सुविधाओं में कमी, कानूनी सलाह न मिलने और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की अनुपलब्धता से संबंधित समस्याएं साझा कीं। इस पर सचिव ने तुरंत प्रशासन को निर्देश दिए कि प्रत्येक बंदी को उनका कानूनी अधिकार दिलाने हेतु नि:शुल्क विधिक सहायता योजनाओं के तहत जल्द से जल्द अधिवक्ता उपलब्ध कराएं।

सचिव ने यह भी कहा कि जो बंदी विधिक सहायता प्राप्त करने के पात्र हैं, उन्हें प्राधिकरण की ओर से तुरंत सहायता दी जाए, ताकि उनका न्यायालयीन कार्य समय पर पूर्ण हो सके। इसके साथ ही उन्होंने चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता को बेहतर बनाने, साफ-सफाई में सुधार करने और मानसिक स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान देने की बात कही।

सोनी ने जेल प्रशासन को निर्देश दिया कि यदि किसी बंदी को गंभीर बीमारी है या मानसिक तनाव में है तो उसे उचित चिकित्सा एवं परामर्श तुरंत उपलब्ध कराना चाहिए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि बंदियों को समय पर भोजन, वस्त्र और स्वच्छ जल मिले।

निरीक्षण के अंत में सोनी ने कहा कि यह निरीक्षण केवल व्यवस्थाओं की जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवाधिकारों की रक्षा और न्याय तक हर व्यक्ति की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक प्रतिबद्ध कदम है। विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य यह है कि हर बंदी को न्याय मिले और उसे मूलभूत सुविधाएं मिलें। इस मौके पर जेल अधीक्षक, जेलर, अन्य सुरक्षा कार्मिक व प्राधिकरण की टीम भी उपस्थित रही।

भ्रदा रहित मुहूर्त में रक्षाबंधन पर्व मनाने के लिए उत्साह

बहरोड़, 7 अगस्त (निसं)। भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन इस वर्ष 9 अगस्त शनिवार को मनाया जाएगा। पर्व की तैयारियों को लेकर बाजारों में भीड़ उमड़ रही है। राखी, फल-फ्रूट, सूखे मेवे व मिठाइयों की दुकानों पर बिक्री बढ़ गई है। इस बार शुभ संयोग यह है कि भद्रा काल नहीं रहेगा, जिससे पूरे दिन राखी बांधना शुभ रहेगा। रामानंद ज्योतिष दिग्दर्शन केंद्र के अधीक्षक आचार्य कमल शास्त्री ने बताया कि इस बार रक्षाबंधन पर दोपहर 2.24 बजे तक श्रवण नक्षत्र और सर्वार्थ सिद्धि योग का विशेष संयोग रहेगा। यह दिन विशेष रूप से शुभ फल देने वाला माना जा रहा है। प्रात: शुभ वेला 7.49 बजे से 9.27 बजे तक शुभ मुहूर्त, दोपहर 12.17 से 1.09 बजे तक अभिजीत मुहूर्त, चर, लाभ व अमृत वेला दोपहर 12.43 से शाम 5.37 बजे तक है। इस समय बहनें भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनके सुख, समृद्धि और लंबी उम्र की कामना कर सकेंगी।

आचार्य शास्त्री ने बताया कि श्रवण पूजन, सुण मांडना और जीमण जैसे परंपरागत कार्यों के लिए भी यह दिन श्रेष्ठ रहेगा। इस दिन संस्कृत दिवस, श्रावणी उपाकर्म, पूर्णिमा का पुण्यकाल, सावन का अंतिम दिन और अमरनाथ यात्रा का समापन भी है, जिससे इसका धार्मिक महत्व और बढ़ जाता है।

पौराणिक संदर्भ : भविष्य पुराण के अनुसार, देवताओं और दानवों के बीच 12 वर्षों तक चले युद्ध में जब देवता हार की स्थिति में पहुंचे, तो इंद्र की पत्नी शचि (इंद्राणी) ने श्रावण शुक्ल पूर्णिमा के दिन विधिवत व्रत करके पीली सरसों के दानों से रक्षा पोटली तैयार की और ब्राह्मणों की उपस्थिति में स्वस्तिवाचन के साथ इंद्र की कलाई पर बांधा।

इसके फलस्वरूप देवताओं ने विजय प्राप्त की। उस समय जो मंत्र उच्चारित किया गया, वह आज भी रक्षा सूत्र बांधते समय बोला जाता है। येन बद्धो बलि राजा दानवेन्द्रो महाबल:। तेन त्वां मनुबध्नामि रक्षे मा चल मा चल।। इस मंत्र का अर्थ है ,जिस रक्षा सूत्र से महाबली राजा बलि को बांधा गया था, उसी से मैं तुम्हें बांधता हूं। हे रक्षा! तुम अडिग रहो।, आचार्य शास्त्री ने बताया कि तभी से श्रावण शुक्ल पूर्णिमा को रक्षाबंधन मनाने की परंपरा चली आ रही है।

बसों में नि:शुल्क यात्रा

कोटपूतली-बहरोड़, 7 अगस्त (निसं)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देश पर राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम लिमिटेड ने रक्षाबंधन के पर्व पर प्रदेश भर में महिलाओं व बालिकाओं हेतु नि:शुल्क बस यात्रा की घोषणा की हैं। इस प्रकार मुख्यमंत्री शर्मा ने महिलाओं को रक्षाबंधन का उपहार दिया हैं। निगम के प्रबंध निदेशक पुरूषोत्तम शर्मा द्वारा जारी आदेशानुसार रक्षाबंधन के पर्व पर 9 व 10 अगस्त को दो दिनों तक प्रदेश की सीमाओं में महिलायें नि:शुल्क बस यात्रा कर सकेगी। नि:शुल्क बस यात्रा की सुविधा प्रतिवर्ष निगम द्वारा दी जाती हैं। इस बार यह दो दिनों के लिये लागू होगी। उक्त राशि का पुर्नभरण राज्य सरकार द्वारा किया जायेगा। इस वर्ष नि:शुल्क बस सेवा में 8.5 लाख महिलाओं व बालिकाओं के लाभान्वित होने की संभावना है। जिससे निगम पर करीब 14 करोड़ रूपयों का वित्तीय भार आयेगा।

सार समाचार

छाहरीन धाम हनुमान मंदिर पर मेला 26 को

राजगढ़, 7 अगस्त (निसं)। कस्बे के माचाड़ी मार्ग स्थित धार्मिक आस्था का केंद्र छाहरीन धाम स्थित हनुमान मंदिर पर भरने वाले मेले की तैयारी को लेकर पंडित रामावतार शर्मा की मौजूदगी में एक बैठक का आयोजन किया गया। पंडित रामावतार शर्मा ने बताया कि 26 अगस्त को कस्बे के छाहरीन धाम पर भरने वाले हनुमान जी के मेले की तैयारी को लेकर मंदिर से जुड़े कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सभी कार्यकर्ताओं को अपनी-अपनी जिम्मेदारी सौंपी गई।

उन्होंने बताया कि हनुमान महोत्सव का तीन दिवसीय कार्यक्रम रहेगा। जिसमें 24 अगस्त को सुबह 7 बजे मोटा गणेश जी से भव्य ध्वज व कलश यात्रा निकाली जाएगी। जो कस्बे के मुख्य मार्गो से होते हुए छाहरीन धाम हनुमान जी के मंदिर पर पहुंचकर संपन्न होगी। उसके बाद रामचरितमानस का पाठ शुरू होगा। 25 अगस्त को सुबह हवन यज्ञ व दोपहर में प्रसाद का वितरण किया जाएगा। वही शाम आठ बजे संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन किया जावेगा। 26 अगस्त को सैनी धर्मशाला से तीन बजे आकर्षक झांकियां बैंड बाजा के साथ निकाली जाएगी। शाम सात बजे महा आरती की जाएगी। वही सुबह से ही मेला भरना शुरू होगा।

गणेश पूजन के साथ श्रीरामलीला मंचन का पूर्वाभ्यास शुरू

राजगढ़, 7 अगस्त (निसं)। कस्बे की सामाजिक एंव सांस्कृतिक संस्था कला संगम के तत्वावधान में आयोजित होने वाली श्री रामलीला का पूर्वाभ्यास बुधवार को गणेश पूजन के साथ शुरू हुआ। संस्था के सचिव जगमोहन शर्मा ने बताया कि बुधवार को प्रात: 9 बजे धार्मिक आस्था के केंद्र गणेश पोल स्थित गणेश मंदिर पर कलाकारों द्वारा विधिवत गणेश पूजन कर श्रीरामलीला मंचन के पूर्वाभ्यास का आगाज किया।

कला संगम अध्यक्ष दिनेश बंसल ने बताया कि इसी दिन शाम 7.30 बजे से ब्राह्मण धर्मशाला में श्रीरामलीला मंचन के लिए कलाकारों का चयन व पूर्वाभ्यास की प्रक्रिया शुरू की गई।

इससे पूर्व सीनियर कलाकार मोहन बोहरा, किशोर मुखर्जी व पूर्व अध्यक्ष बृजेन्द्र अवस्थी सहित अन्य ने दीप प्रज्ज्वलन व वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत गणेश पूजन किया। इस अवसर पर लोकेश रावत, पूरण राही, पपली सहित अन्य कलाकार मौजूद रहे।

पृथ्वीपुरा रात्रि चौपाल में 48 से अधिक प्रकरण आए

मालाखेड़ा, 7 अगस्त (निसं)। पृथ्वीपुरा में आयोजित रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए ब्लॉक स्तरीय अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। चौपाल की अध्यक्षता रात्रि चौपाल प्रभारी एवं उपखंड अधिकारी मालाखेड़ा नवज्योति कवरिया ने की।

चौपाल के दौरान पंचायत की ओर से प्रशासक तुलसीदास नावलिया ने प्रमुख समस्याओं को उठाते हुए सरकारी स्कूल के सामने जलभराव की निकासी, सड़क की ऊंचाई बढ़ाने, कस्बे में 24 घंटे तीन फेस बिजली आपूर्ति, सरकारी अस्पताल को 24 घंटे संचालित रखने और अस्पताल में डिलीवरी सुविधा शुरू करने की मांग रखी। साथ ही, पंचायत क्षेत्र की सरकारी भूमि का सीमांकन कराने के लिए भी पत्र सौंपा गया।

रात्रि चौपाल में कुल 48 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से पंचायत की ओर से 10 प्रमुख समस्याओं की जानकारी दी गई। उपखंड अधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी प्रकरणों के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए।

चौपाल में नायब तहसीलदार, बिजली विभाग के सहायक एवं कनिष्ठ अभियंता, पीडब्ल्यूडी, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, कृषि, आयुर्वेद और पंचायती राज विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रशासक तुलसीदास नावलिया, चिरंजी लाल शर्मा, मोहनलाल जाटव, गंगाधर जाटव सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया।

शिव भक्ति के लिए पहले अहंकार को दूर करना होगा

सकट, 7 अगस्त (निसं)। क्षेत्र के देवती राम सागर बांध के पास स्थित जोगियों की ढाणी मुर्राटा में महादेव जी मंदिर पर चल रही शिव महापुराण कथा में कथाआचार्य योगी कमलेश नाथ ने कहां कि शिव भक्ति के लिए पहले अहंकार दूर करना होगा। क्योकि जब तक अहंकार होता है तक भोलनाथ प्रसन्न नही होते है। जिस प्रकार आदि देव महादेव को भोलेनाथ कहा जाता है उसी उनको भक्त भी भोले पसंद है। जब तक अहंकार दूर नही होगा तब तक शिव की भक्ति प्राप्त होना कठिन है।

उन्होंने कहा कि जहां पर सूक्ष्म दृष्टि होती है। वहां विघ्न नही होता है और जहां विघ्न बाधा न हो तो वहीं ऋद्धि-सिद्धि और शुभ लाभ का सदैव आगमन होता है उन्होंने ने महाशिवरात्रि का महत्व अभिमन्यु कृष्ण मिलन व विष्णुजी को सुदर्शन चक्र की प्राप्ति से जुड़े कई प्रसंग सुनाए। आयोजक रामजीलाल योगी ने बताया कि कथा का समापन पूर्णाहुति व भंडारे के साथ गुरुवार को होगा।

पूर्व सैनिकों की समस्याओं के लिए समाधान शिविर

नारायणपुर, 7 अगस्त (निसं)। कस्बे के बाईपास सड़क मार्ग स्थित तहसील सभागार में बुधवार को जिला सैनिक कल्याण बोर्ड बहरोड़ की ओर से समस्या समाधान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का नेतृत्व सेवानिवृत विंग कमांडर ऋषिदेव यादव ने किया। शिविर में पूर्व सैनिक व वीरांगनाओं ने अपनी समस्याएं रखते हुए समाधान की मांग की।

इस दौरान उनकी शिकायतों को सुनकर शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम में रामकरण यादव, सतवीर यादव, रामसिंह गुर्जर, राकेश फौजी सहित कई पूर्व सैनिक, कप्तान, सूबेदार, हवलदार व अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सरोज शर्मा के लिए सांध्य ज्योति दर्पण प्रिंटर्स, डी.एल.टॉवर3-ए, विद्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित करा कर सांध्य ज्योति दर्पण कार्यालय केडलगंज , अलवर से प्रकाशित है। संपादक सी.पी. सैनी, फोन नं. 0144-2335105, 2701531 जयपुर कार्यालय : संसार चन्द्र रोड, जयपुर, सम्पादक : महेन्द्र यादव - फोन : 2364412, 2361816, फैक्स : 0141-2361816। नागौर कार्यालय - 1/44 व्यास कॉलोनी, नागौर - सम्पादक : रमेश जैन, फोन : 240071 फैक्स- 01582-240071, भरतपुर कार्यालय - कोतवाली रोड, भरतपुर- सम्पादक : जगदीश अग्रवाल, फोन : 223780, पोस्टल रजि.नं. आरजे-779, आरएनआई नं. 48648/90